

लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास

स्मृति-सोनिया सहित 60 सदस्यों ने लिया चर्चा में हिस्सा

454
वोट पक्ष में पड़े

- चुनाव के बाद परिशीलन-जनगणना होगी: अमित शाह
- राज्यसभा में आज पेश होगा बिल



नई दिल्ली। केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा लाया गया नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा में पारित हुआ। अत्याधुनिक सुविधाओं वाली नई संसद के निचले सदन से पारित होने वाला यह पहला अधिनियम है। इस अधिनियम को विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को लोकसभा में पेश किया था।

विधेयक के पक्ष में 454 मत, जबकि दो मत विरोध में पड़े। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दो तिहाई बहुमत से विधेयक के पारित होने की जानकारी साझा की। सरकार की ओर से गृह मंत्री अमित शाह ने सभी दलों से महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर दुनिया को एकजुट होकर संदेश देने का आह्वान किया। उन्होंने साफ संकेत दिया कि सरकार विधेयक पर सुझावों को खुलेमन से स्वीकार करने को तैयार है और जरूरत पड़ने पर इसमें संशोधन भी किया जा सकता है। लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर हुई चर्चा में केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी, रायबरेली सांसद और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी सहित 60 सदस्यों ने हिस्सा लिया।

विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने रानी दुर्गावती, रानी चेत्रमा, रानी अहिल्याबाई, रानी लक्ष्मी जैसी

संघ में भी बढ़ाई जाएगी महिलाओं को भागीदारी

लोकसभा चुनाव से पहले संघ ने बड़ा दांव खेलने की तैयारी कर ली है। इसके लिए राष्ट्रीय स्वयं संघ (आरएसएस) में अब महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। साथ ही संघ के आनुषांगिक संगठनों में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को जोड़कर संगठनों का और विस्तार किए जाने की कवायद तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। महिलाओं के लिए अलग शाखाएं लगाने पर भी मंथन किया जा रहा है।

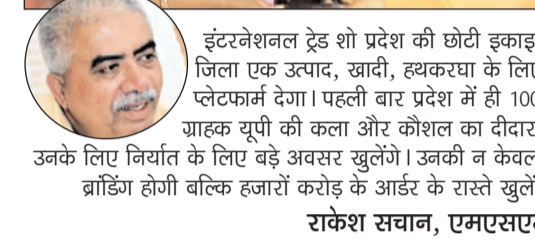
असंख्य वीरंगनाओं का उल्लेख किया। विधेयक लाने के समय और इसे लागू करने में देरी की आशंकाओं के साथ सरकार की राजनीतिक मंशा को लेकर विपक्ष के सवाल पर केंद्रीय गृह मंत्री ने तीखा पलटवार किया।

एक ही छत के नीचे मिलेगी पूरे यूपी की झलक

राष्ट्रपति व मुख्यमंत्री योगी आज करेंगे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का उद्घाटन

- यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो से रियल एस्टेट सेक्टर को भी मिलेगी उड़ान
- 400 से ज्यादा विदेशी प्रदर्शक होंगे शामिल

लखनऊ। पहले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के माध्यम से ग्रेटर नोएडा का इंडिया एक्सपो मार्ट उत्तर प्रदेश की समृद्धि की झलक दिखाने को तैयार है। गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस भव्य आयोजन का शुभारंभ करेंगी।



इस आयोजन के माध्यम से 2000 से ज्यादा उत्पादक अपने उत्पादों को देश और दुनिया के उद्यमियों के सामने प्रस्तुत करेंगे। इनमें सबसे बड़ा फोकस एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) होगा। इसके अतिरिक्त हेल्थकेयर, फूड प्रॉसेसिंग, फार्मा, डेयरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, ई-कॉमर्स समेत तमाम सेक्टरों शामिल होंगे। इंटरनेशनल ट्रेड शो में 11 बजे से 3 बजे तक कारोबारियों के लिए रिजर्व रहेगा। दोपहर 3 बजे से लेकर रात 8 बजे तक यह आम पब्लिक के लिए निशुल्क खुला रहेगा। ट्रेड शो में 44

श्रेणियों के तहत प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इनमें ओडीओपी, कृषि व हॉर्टीकल्चर, एनीमल हस्बैंड्री, फिशरीज, डेयरी, एसोसिएशन-फोरम, ऑटोमोबाइल-ईवी-आटो कंपोनेंट्स, बेवरेज इंडस्ट्री, ई-कॉमर्स, एफएमसीजी, फूड प्रॉसेसिंग, फर्नीचर, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट्स एंड टेक्स्टाइल, हेल्थकेयर, प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग और रियल-एजल एनर्जी समेत कई अन्य श्रेणियां शामिल हैं। एक्सपो मार्ट के 13 हॉल में प्रदर्शनी लगाई जाएगी। हॉल-1 में यूपीसीड/इनवेस्ट यूपी, ऑटोमोबाइल/ ईवी/ऑटो कंपोनेंट, फूड प्रॉसेसिंग एंड डेयरी प्रोडक्ट्स, गवर्नमेंट मिशन, इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट, इफ्रा, इंजीनियरिंग एंड मैनुफैक्चरिंग इंडस्ट्री और रियल-एजल एनर्जी जैसे अन्य सेक्टरों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसी तरह हॉल-3 में कॉस्मेटिक्स एंड पर्सनल केयर, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, स्पोर्ट्स, टॉय सेक्टर और वाटर इंडस्ट्रीज के उत्पादों

21 से 25 तक चलेगा कार्यक्रम

नोएडा में 21 से 25 सितंबर तक होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदेश के स्टार्टअप लोगों व निवेशकों के आकर्षण का केंद्र होगा। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के इन्वोवेशन हब की ओर से प्रदेश के सरकारी व प्राइवेट इंजीनियरिंग संस्थानों के अच्छे उत्पादों को यहां प्रदर्शित किया जाएगा। इनको अच्छे निवेशक भी मिल सकते हैं।

की प्रदर्शनी होगी। हॉल-5 में 100 से ज्यादा स्टार्टअप और ई कॉमर्स इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री, हॉल-6 में डिफेंस कॉरिडोर, रियल एस्टेट, हॉल-7 में फर्नीचर, फार्मास्यूटिकल्स, पावर इंडस्ट्री, हॉल-8 में एजुकेशन, फाइनेंशियल सर्विसेज, हॉल-9 में ओडीओपी (400 से ज्यादा पार्टिसिपेंट्स), टेक्सटाइल्स, हैंडीक्राफ्ट्स, लेदर, हॉल-10 में एमएसएमई, हॉल-11 में फूड प्रॉसेसिंग एंड डेयरी प्रोडक्ट्स, हॉल-12 में इवेंट मैनेजमेंट, लेदर, प्रेस-मीडिया और प्रिंटिंग इंडस्ट्री जैसे सेक्टरों को स्टॉल होंगे।

आज से लागू होना चाहिए महिला आरक्षण: राहुल गांधी

नई दिल्ली। महिला आरक्षण विधेयक जिसे नारी शक्ति वंदन बिल का नाम दिया गया है, इस पर लोकसभा में आज पूरे दिन चर्चा हुई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी इस चर्चा में भाग लिया। उन्होंने महिला आरक्षण बिल का स्वागत और समर्थन किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल में ओबीसी के आरक्षण का प्रावधान होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह बिल आज ही से लागू होना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि बिल को लेकर जनगणना और परिशीलन का इंतजार क्यों करना है? राहुल गांधी ने यह भी कहा कि महिला आरक्षण बिल अधूरा है। राहुल गांधी ने इसके साथ ही सवाल उठाया कि इस प्रक्रिया में राष्ट्रपति का होना जरूरी था। इसके साथ ही राहुल गांधी ने अडानी मामले को भी उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार इस मुद्दे से ध्यान हटाना चाहती है।



कांग्रेस नेता सज्जन कुमार बरी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को आज तब बड़ी राहत मिली जब 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में स्थानीय अदालत ने उन्हें बरी कर दिया। हम आपको बता दें कि सिख विरोधी दंगों से जुड़े विभिन्न मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद से पूर्व सांसद सज्जन कुमार दिल्ली की जेल में बंद हैं।

आज राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार समेत सभी आरोपियों को जिस मामले में बरी किया है वह सुल्तानपुरी इलाके में 3 लोगों की हत्या से संबंधित था। सज्जन कुमार पर आरोप था कि दंगों के दौरान वह भीड़ को भड़का रहे थे।

क्या दोषियों के पास माफी मांगने का मौलिक अधिकार है: सुप्रीम कोर्ट

बिलकिस बानो मामला

- एट के लिए अनुच्छेद 226 के तहत राधिकार स्वीकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2002 गुरजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार और उसके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में 11 दोषियों की समझौते रिहाई को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान शीर्ष कोर्ट ने पूछा कि क्या दोषियों को माफी मांगने का मौलिक अधिकार है? न्यायाधीश बीवी नागरत्ता और उज्वल भुइयां की पीठ ने 11 दोषियों में से एक को और से पेश वकील से सवाल किया कि क्या किसी दोषी को और से कारावास की सजा में



जिनके मौलिक अधिकार प्रभावित होते हैं। जस्टिस भुइयां ने फिर पूछा, क्या अनुच्छेद 32 के तहत किसी दोषी तरफ से याचिका दायर की जा सकती है? क्या सजा माफी मांगने का अधिकार एक मौलिक अधिकार है? इस पर चिंताबंश ने जवाब दिया कि यह नहीं होना चाहिए क्योंकि माफी मांगना मौलिक अधिकार नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अनुच्छेद 32 के तहत याचिका उन याचिकाकर्ताओं की ओर से दायर नहीं की जा सकती, जिन्होंने छूट दिए जाने को चुनौती दी है क्योंकि उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं हुआ है। एक अन्य दोषी के वकील ने कहा कि सजा में छूट देना और जेल से रिहा होने के बाद उसकी आजादी, अलग-अलग चीजें हैं। वकील ने कहा, एक बार जब कोई रिहा हो जाता है तो उसकी स्वतंत्रता प्रभावित नहीं हो सकती।

तीन आईपीएस का ट्रांसफर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक फेरबदल का सिलसिला जारी है। बुधवार को तीन आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए। सुगबुगाहट है कि पुलिस विभाग में कुछ अन्य तबादले भी हो सकते हैं। चर्चा है कि इस बार योगी सरकार जोन और रेंज स्तर पर अधिकारियों का बदलाव करेगी। बताते चलें कि 11 सितंबर को देर रात भी कई फेरबदल किए गए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार शासन ने रामपुर व हरदोई के एसपी बदल दिए हैं। डीजीपी मुख्यालय ने दोनों एसपी समेत तीन आईपीएस अधिकारियों को तबादला सूची जारी की है। एसपी सीबीसीआईडी केशव चन्द्र गोस्वामी को एसपी हरदोई बनाया है। एसपी रामपुर रहे अशोक कुमार-चतुर्थ को एसपी सीबीसीआईडी बनाया गया है। एसपी हरदोई राजेश द्विवेदी को एसपी रामपुर के पद पर तैनाती दी गई है। पुलिस विभाग में जल्द कुछ अन्य तबादले भी हो सकते हैं।

स्कूल में 9वीं के छात्र को आया हार्टअटैक, मौत

दुःखद

- सीएमएस स्कूल का था छात्र

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बुधवार को कक्षा नौ के छात्र की स्कूल में पढ़ाई करते समय अचानक मौत हो गई। सिटी मार्टेसरी स्कूल (सीएमएस) की अलीगंज शाखा में कक्षा नौ सेक्शन आई के छात्र आतिफ सिद्दीकी की करीब साढ़े बारह बजे हुई मौत, जो हार्ट अटैक से मानी जा रही थी चार बजे पोस्टमार्टम के बावजूद देर रात तक रिपोर्ट नहीं आने के बाद रहस्यमयी बन गई। वहीं सीएमएस प्रशासन का कहना है कि हम बच्चे की मौत से सदमे में हैं और कोई जांच होती है तो हम इसमें सहयोग के लिए तैयार हैं। बच्चे की मौत अचानक कैसे हुई इसको लेकर चिकित्सक भी हैरान हैं। लोहिया



संस्थान के वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट भुवन चंद्र का कहना है कि इतनी कम उम्र में हार्ट फेल्ट नहीं सकता अगर पहले से कोई जन्मजात बीमारी ना हो तो। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का असल वजह का पता चल पाएगा। आतिफ के पिता मो. अनवर सिद्दीकी बिजनेसमैन और मां निगहत गुहिली हैं। वे खुरमनगर में रहते हैं। आतिफ का एक जुड़वा भाई अयान और दो बहन अरबी और आरुषा हैं। इसी महीने दो सितंबर को आतिफ ने अपना 14वां जन्मदिन मनाया था।

असीमित अवसरों का प्रदेश उत्तर प्रदेश

21 से 25 सितंबर, 2023

का

उद्घाटन

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

माननीया राष्ट्रपति, भारत गणराज्य द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

योगी आदित्यनाथ

माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

श्री नन्द गोपाल गुप्ता "नन्दी"
माननीय मंत्री, औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एन.आर.आई. तथा निवेश प्रोत्साहन, उत्तर प्रदेश

श्री राकेश सचान
माननीय मंत्री, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, उत्तर प्रदेश

श्री वृजेश सिंह
माननीय राज्य मंत्री, लोक निर्माण, उत्तर प्रदेश

दिनांक : 21 सितंबर, 2023 | समय : अपराह्न 3:00 बजे
स्थान : इंडिया एक्सपो सेंटर एण्ड मार्ट, ग्रेटर नोएडा

विशेषताएं

- 66 देशों के 400 से अधिक क्रेताओं की सहभागिता
- 2,000 से अधिक एक्जीबिटर्स द्वारा उत्पादों का प्रदर्शन
- बड़े उद्योगों, आई.टी./आई.टी.ई.एस./एमएसएमई/ओ.डी.ओ.पी./स्टार्टअप/शिक्षा/कृषि/स्वास्थ्य/पर्यटन/संस्कृति/ऊर्जा जैसे सेक्टरों के उद्यमियों, विनिर्माताओं और निर्यातकों के लिए वैश्विक मंच
- इन्वेस्ट यूपी. व इलेक्ट्रॉनिक सॉफ्टवेयर विषयक सत्र
- विशेष थीम पर नॉलेज सेशन एवं बीमा सेक्टर पर सत्र
- 54 जी.आई. उत्पादों पर आधारित फैशन शो
- उत्तर प्रदेश के अद्भुत क्राफ्ट, कुजीन और कल्चर का प्रदर्शन
- मुम्बई डब्लूवाला के प्रबंधन पर डॉ. पवन अग्रवाल का विशेष सत्र
- छोटे उद्यमियों, नए निर्यातकों एवं महिला उद्यमियों के लिए स्टॉल
- सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS
Youtube.com/dduttarpradesh

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

किसानों के हितों को संरक्षित करने के लिए संकल्पित होकर काम कर रहा प्रशासन: जिलाधिकारी

अवधानामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। किसानों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजित हुआ। इस दौरान किसानों ने अधिकारियों के सामने समस्याएं रखीं।

डीएम ने अफसरों को किसानों की समस्याओं का समय से व गुणवत्तापरक निस्तारण कराने का निर्देश देते हुए मौजूद किसानों को पराली ना जलाए जाने का संकल्प दिलाया। डीएम ने कहा कि किसानों की समस्याओं का निदान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों के हितों को संरक्षित करने के लिए

शासन-प्रशासन करते संकल्पित होकर काम कर रहा है। इसके लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार किसानपरक योजनाओं के जरिए उन्हें समृद्ध बनाने के लिए नित नए कदम उठा रही है। डीएम ने कहा कि शासन पराली जलाने की घटनाओं को लेकर काफी गंभीर है। कई किसान भाई जानकारी के अभाव में फसल अवशेष जैसे धान की पराली, गन्ने की पत्ती आदि जला दे रहे हैं, इससे फसल अवशेषों को जलाने से वातावरण पर दुष्प्रभाव पड़ने के साथ अन्य कई प्रकार की हानियां हो रही हैं। यदि कोई भी कम्बाइन हावेक्टर सुपर स्ट्रू मैनेजमेंट सिस्टम अथवा स्ट्रू रीपर अथवा स्ट्रू रेक एवं बेयर या अन्य फसल अवशेष प्रबन्धन यन्त्रों के बगैर चलते हुये पायी जाये तो उसको तत्काल



सीज करते हुये कम्बाइन मालिक के स्वयं के खर्च पर सुपर स्ट्रू-मैनेजमेंट सिस्टम लगवाकर ही छोड़ा जाये। सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने मौजूद किसानों को न केवल समस्याएं सुनी बल्कि निराकरण के संबंध में मौजूद अफसरों को निर्देश दिए। अधिकारी अपने स्तर से किसानों की जिन समस्याओं का समाधान न कर सके, उसके बारे में अवगत कराए ताकि उनका समाधान उचित फोरम

नुकसान के लिए जागरूक किया। किसानों की भूमि की उर्वराशक्ति और पराली जलाने से होने वाले नुकसान से बचा जा सके। पराली जलाने पर कार्यवाही का प्रावधान भी है। उपस्थित अधिकारियों द्वारा विभाग से सम्बन्धित योजनाओं एवम तकनीकी जानकारी भी किसानों को दी गयी। बैठक में डीडी कृषि अरविन्द मोहन मिश्र, जिला कृषि रक्षा अधिकारी सत्येन्द्र सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी मृत्युंजय सिंह, अध्यक्ष/वरिष्ठ वैज्ञानिक केवीके डा० निरंजन लाल, कृषि वैज्ञानिक डा. पीके बिसेन, पीके शुक्ला, सहायक आयुक्त एवं सहायक निम्नक सहकारिता अन्य अधिकारी एवं कृषक उपस्थित रहे।

जिला जज व डीएम-एसपी ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण

अवधानामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। कारागार प्रशासन द्वारा बन्दियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, कारागार की साफ-सफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए बुधवार को जिला जज लक्ष्मी कांत शुक्ला व डीएम महेंद्र बहादुर सिंह, एसपी गणेश प्रसाद साहा ने संयुक्त रूप से जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को पड़ताल की। इस दौरान अरुण जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डीके सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अशोक कुमार मौजूद रहे। जिला जज, डीएम-एसपी ने बंदियों का हालचाल जाना एवं खाने-पीने के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही जेल प्रशासन को जरूरी दिशा निर्देश



दिए। उन्होंने विभिन्न बैरिकों में जाकर बंदियों से मूलभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कारागार में साफ-सफाई व्यवस्था मिलने पर संतोष व्यक्त किया। निर्देश दिए कि इसी प्रकार प्रतिदिन जेल में साफ-सफाई बनाए रखी जाए। इस दौरान जिला जज ने जेल बैरक, पाकशाला, अस्पताल, आदि का निरीक्षण किया।

पुरुष बंदियों से वार्ता कर स्थिति का जायजा लिया। उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर उनके निस्तारण के लिए जेल अधिकारियों को निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान कारागार अधीक्षक पीडी सलोनीया, प्रभारी जेलर हरिवंश पांडेय, डिप्टी जेलर सुनील कुमार, अजय कुमार सिंह चिकित्सक डॉ. दीपांकर रावत मौजूद रहे।

श्री अन्न योजना के तहत बैठक का किया गया आयोजन



अवधानामा संवाददाता

मोहम्मदी-खीरी। ब्लाक सभागार में जिला कृषि अधिकारी की अध्यक्षता में श्री अन्न योजना के तहत बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अतुल रस्तोगी ने किया। बुधवार को सभागार में ब्लाक स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। जिला कृषि अधिकारी अरविन्द चैधरी द्वारा मोटे अनाज के

उत्पादन और गुणवत्ता को लेकर जानकारी दी गई। विद्यालय में बनने वाले एमडीएम के मेन्यू में प्रत्येक शुक्रवार को मोटे अनाज से तैयार भोजन बच्चों को परोसे जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया भारत मोटे अनाज का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक भी है। बैठक को निखिल देव तिवाड़ी, डा एसके विरवर्मा, डा सोहेल ने भी सम्बोधित किया। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख महेंद्र बाजपेई, अनुप पाठक, जगत प्रकाश समेत तमाम प्रमुख लोग मौजूद रहे।

लामार्थियों से मुंह मांगी कीमत वसूल कर बनाते है आयुषमान कार्ड

मोहम्मदी-खीरी। भारत सरकार की महात्माकांक्षी योजना आयुषमान भारत पर यहां का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिल्कुल गम्भीर नहीं दिखाई दे रहा है। जबकि शासन द्वारा अस्पताल में आयुषमान भारत योजना के कार्ड लामार्थियों को निशुल्क बनाने के लिये यहां एक कार्यालय बना रखा है परन्तु इस कार्यालय में कभी अप्रेटर नहीं होता तो कभी यह कार्यालय बन्द रहता है या फिर साइट नहीं चल रही है जब साइट चलैगी तो कार्ड बनेगा कह कर लामार्थियों को टरकाया जाता है। जिससे उन गरीब लामार्थियों को बाहर सेन्ट्रो पर अपने आयुषमान कार्ड बनवाने पड़ते है और यह सेन्टर वाले उन गरीब लामार्थियों से सौ से दो सौ रूपये तक वसूल करते है। जिन लामार्थियों को कार्ड की अत्याधिक आवश्यकता होती है तो यह सेन्टर वाले ऐसे लामार्थियों से मुंह मांगी कीमत वसूल कर कार्ड बनाते है फिर वह गरीब लामार्थियों को अपना या अपने परिवार का इलाज इस कार्ड के माध्यम से करा पाता है। यह सब देखकर ऐसा लगता है कि जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बने इस सेन्टर के अप्रेटर का बाहर सेन्टर वाले से सम्बन्धित हो कि हम मना कर देंगे तुम बना देना।

राजा युवराज दत्त सिंह जी व माँ सरस्वती की फोटो पर पुष्पांजलि और दीप-प्रज्वलन से प्रारंभ हुआ दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन

अवधानामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। पाँच दिवसीय विद्यार्थी अभिप्रेरण कार्यक्रम का तहत युवराज दत्त महाविद्यालय अध्क्ष श्री मोहम्मद आरिफ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए प्राचार्य प्रो हेमंत पाल के मार्गदर्शन में दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ राजा युवराज दत्त सिंह जी व माँ सरस्वती की फोटो पर पुष्पांजलि और दीप-प्रज्वलन से हुआ। मुख्य नियता प्रोफेसर सुभाष चन्द्र ने दीक्षारम्भ कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत कर अनुशासन संबंधी नियमों की चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षण संस्थानों में राष्ट्र बनाता है, जिसमें अनुशासन और और व्यवस्थित जीवन पद्धति की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यार्थी इसके लिए आगे आएं। वनस्पति विज्ञान विभाग के श्री संतंदर पाल सिंह ने विद्यार्थियों को वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में अवसरों के सम्बंध में विद्यार्थियों को कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि वनस्पति विज्ञान चिकित्सा विज्ञान की बड़ी बेटी है। आगे उन्होंने बताया कि डी एन ए फिंगरप्रिंटिंग, फॉरेंसिक साइन्स, फॉरेंसिक साइन्स आदि सभी



क्षेत्र मूलभूत वनस्पति विज्ञान के बिना अधूरे हैं। गणित विभाग के अध्यक्ष श्री मोहम्मद आरिफ ने विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि अनेक वैश्विक समस्याओं का हल विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साझा प्रयासों से ही संभव होगा। श्री आरिफ ने विद्यार्थियों से गणित के अध्ययन से खुलने वाले आकर्षक रोजगार के अवसरों पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए डेटा साइन्स, ऑपरेशनल रिसर्च आदि के सम्बंध में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे अबकेस यू पी की वेबसाइट पर पंजीकरण अवश्य करें। श्री बुजेश शुक्ला ने ऋग्वेद के नासदीय सूत्र का हवाला देते हुए कहा कि प्राचीन

ऋषि और वर्तमान वैज्ञानिक लगभग एक जैसी जिज्ञासाओं से प्रेरित हैं और उनके मौलिक कार्यों से ही समस्त प्रौद्योगिकी का निर्माण और संचालन होता है। रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष श्री मोहम्मद नजीफ ने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों को निरंतर प्रश्न करने, शिक्षकों से संवाद करने के लिये प्रेरित किया और कहा कि सीखने के लिये अनुशासन और जिज्ञासा अनिवार्य है। वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष विज्ञान का ज्ञान विषय को समझने के लिये उपयोगी है, उन्होंने विद्यार्थियों को अमृत काल से कर्तव्य काल की तरफ जाने के लिये प्रेरित किया

तथा एंटी रैपिंग नियमों के संदर्भ में जानकारी दी। महाविद्यालय के वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ डी० एन० मालपानी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और अपने अध्यक्षीय उद्घोषण में कहा कि विद्यार्थियों को अपनी जानकारी अद्यतन रखने के लिये तत्पर रहना चाहिये। डॉ० मालपानी ने, आत्मनुशासन पर जोर देते हुए कहा कि विज्ञान की जिज्ञासाओं का समाधान करने के लिये आवश्यक श्रम केवल आत्मनुशासन से ही सम्भव है। कार्यक्रम का सफल संचालन दीक्षारम्भ कार्यक्रम के संयोजक और दर्शन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० सुभाष चन्द्र ने किया। कार्यक्रम के अंत में प्रो० सुभाष चन्द्र ने विद्यार्थियों को अमृत काल के पंच प्रण की शपथ दिलायी। कार्यक्रम में रसायन विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री विनयतोष गौतम, इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो० नूतन सिंह, राजनीति विज्ञान विभाग के श्री विजय प्रताप सिंह, श्री सौरभ वर्मा तथा संस्कृत विभाग के अध्यक्ष श्री श्वेतांक भारद्वाज, शारिरिक शिक्षा विभाग के श्री मनोज कुमार, प्रोक्टोरियल बोर्ड के सदस्य डॉ० अमित सिंह के साथ महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, शिक्षणोत्तर कर्मचारी व बड़ी संख्या में छात्र छात्रायाँ उपस्थित रहे।

नवागंतुक डीएम हर्षिता माथुर ने किया पदभार ग्रहण

अवधानामा संवाददाता

रायबरेली। जनपद रायबरेली के नवागंतुक जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने कलेक्ट्रेट स्थित ट्रेजरी में विधिवत कार्यभार ग्रहण कर किया। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर वर्ष 2013 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। मध्य प्रदेश के भोपाल की रहने वाली जिलाधिकारी हर्षिता माथुर इससे पूर्व प्रयागराज, मेरठ, बस्ती, सिद्धार्थ नगर जनपदों में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। जिलाधिकारी ने अपने कार्यालय काश् में पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही लाभ परक योजनाओं को अंतिम छोर पर बैठे गरीब, पीड़ित व्यक्ति को शासन की सुविधाओं से लाभान्वित कराना, न्याय दिलाने के साथ ही जनपद में कानून व्यवस्था, शासन की योजनाओं व संकल्पों के अनुरूप आमजन को लाभ दिलाना आदि प्राथमिकताओं में शामिल



होगा है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमताओं पर जांच कर नियमानुसार कार्यवाही होगी। जनपद के विकास कार्यों को गुणवत्तायुक्त युद्धस्तर व समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाएगा। शासकीय कार्यों में शिथिलता, लापरवाही बरतने वाले अधिकारी/ कर्मचारियों के विरुद्ध भी कठोर कार्यवाही की जायेगी। टीम भावना से कार्य कराये जायेंगे तथा अनाजक तत्वों पर कड़ी नजर रखकर उनके विरुद्ध कार्यवाही भी की जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों व आईजीआरएस की समस्याओं पर विशेष ध्यान देकर उसका गुणवत्तापरक निस्तारण कराया जायेगा।

वर्ल्ड हेयर एंड मेकअप चैम्पियनशिप में अर्वाइ जीतने वाली पहली मेकअप आर्टिस्ट भारतीय बनी गीता खेरा

अवधानामा संवाददाता

नई दिल्ली। दुबई में आयोजित कार्यक्रम में भारत से गीता खेरा ने दो इंटरनेशनल अर्वाइ और सर्टिफिकेट लेकर भारत का नाम रोशन किया। इंडिया हेयर एंड ब्यूटी अर्वाइ ने दुबई में किया शो का आगाज, वर्ल्ड हेयर एंड मेकअप चैम्पियनशिप 2023 में अर्वाइ जीतकर हमारे सपने ट्रस्ट + की राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता खेरा (दिल्ली, इंडिया) ने रचा इतिहास, वर्ल्ड हेयर एंड मेकअप चैम्पियनशिप में अर्वाइ जीतने वाली पहली मेकअप आर्टिस्ट भारतीय बनी, उन्होंने वर्ल्ड हेयर एंड मेकअप चैम्पियनशिप 2023 में ये गौरवमयी अर्वाइ अपने नाम कर लिया है। गीता खेरा ने ये अर्वाइ अपनी मेहनत से अपने नाम किया, सम्पूर्ण इंटरनेशनल शो में उनके मेकअप को बहुत सराहना हुई। साथ ही साथ उनकी संस्था हमारे सपने ट्रस्ट + के द्वारा



किए जा रहे सामाजिक सेवा के कार्यों के लिए भी उन्हें अतिरिक्त अर्वाइ देकर सम्मानित किया गया। गीता कहती है कि एक ही कार्यक्रम में दो अर्वाइ इकट्ठे मिलाने की खुशी ही कुछ अलग होती है, गीता ने बताया कि किस तरह से उनकी संस्था जरूरतमंद लोगों के लिए मदद करती है जिन बच्चों के माता पिता अपने बच्चों को शिक्षा सामग्री उपलब्ध नहीं करा पाते उन्हें संस्था हर

जरूरी शिक्षा सामग्री प्रदान करती आई है, जैसे की पुस्तकें, नोटबुक और अन्य स्टेशनरी की वस्तुएं आदि, एवं शिक्षा, स्वास्थ्य और स्किल के क्षेत्र में हमारे सपने ट्रस्ट भरपूर कोशिश करती है कि हर जरूरतमंद को वो मदद पहुंचा पाए, गरीब असहाय लड़कियों को मुफ्त ब्यूटीशियन कोर्स सिखाती है ताकि वो अपने पांव पर खड़ी हो सकें और जीवन के हर मोड़ पर काबिल

बन सके। इस कार्यक्रम में दुनिया के कोने-कोने से आए मेकअप आर्टिस्ट इंटरनेशनल अर्वाइ से सम्मानित किए गए। दुबई, बांग्लादेश, अफगानिस्तान जैसे अन्य देश से भी कलाकारों ने इस प्रतिस्पर्धा में भाग लिया, ऐसे अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म पर आर्टिस्ट को एक नई पहचान मिली, जिसमें आईएचबीए ने सभी मेकअप आर्टिस्ट को एक नई पहचान दी और दुबई में भारत का परचम लहराया। ब्यूटी इंडस्ट्री का नाम मेकअप आर्टिस्ट ने किया भारत के नाम, गीता खेरा के साथ वहां भारत से बहुत से मेकअप आर्टिस्ट शामिल हुए, जिनमें मशहूर कौर, सुष्मा वर्मा, पिन्की माथे नेहा, चंचा शर्मा, मनीष, डॉ० मो.असलम, हेमा सिंह, फारूक, सुनीता राणा, कंचन बाला, अंजलि आदि थे, जिसमें क्रिएटिव मेकअप आर्टिस्ट इंटरनेशनल सर्टिफिकेट इन दुबई से सभी को सम्मानित किया गया।

रायबरेली की 35 महिला पुलिसकर्मी हुई सम्मानित

अवधानामा संवाददाता

रायबरेली। जनपद में सराहनीय सेवाएं देने वाली महिला पुलिसकर्मीयों को सम्मानित किए जाने हेतु स्थानीय किरण हाल में महिला पुलिस सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। माधव सेवा संस्थान के तत्वाधान में आयोजित इस समारोह के मुख्य अतिथि अरुण पुलिस अधीक्षक नवीन कुमार सिंह रहे। उन्होंने कहा कि बदलते परिवेश में आज महिलाएँ प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं, जो सराहनीय है, उन्होंने यह भी कहा कि महिला पुलिसकर्मीयों की सड़क पर



सक्रिय उपस्थित मात्र से आम महिलाओं के अंदर सुरक्षा का भाव उत्पन्न होता है। समारोह में क्षेत्राधिकारी नगर वंदना सिंह, शिवानी वर्मा, शीतल चहल, गुंजन मिश्रा, प्रज्ञा सिंह,

नीलम मिश्रा, निहारिका गिरी सहित जनपद की पैंतीस महिला पुलिसकर्मीयों को अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी नगर वंदना सिंह ने

कहा कि पुलिस द्वारा समाज में अच्छे कार्य किये जाने का माधव सेवा संस्थान द्वारा आकलन कर सम्मान दिये जाने का निर्णय सराहनीय है, इससे महिला पुलिसकर्मीयों का निश्चित रूप से उत्साहवर्धन होता है। संस्थान के संरक्षक अरविंद श्रीवास्तव, एडवोकेट ने आप हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि मिशन शक्ति और नारी सशक्तिकरण का यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन महिला पुलिसकर्मीयों के लिए समर्पित है, जो दिन रात मेहनत कर के समाज में प्रत्येक महिलाओं को भयमुक्त वातावरण प्रदान कर रहीं हैं।

सैपल संग्रहित किया गया जिन्हे जांव हेतु प्रयोगशाला भेजा

हरदोई। खाद्य सुरक्षा औषधि प्रशासन विभाग हरदोई द्वारा विशेष अभियान चलाकर विभिन्न शिकायतों की क्रम में सतीश कुमार, सहायक आयुक्त (खाद्य) छद्म के नेतृत्व एवं निर्देशन में उधरनपुर स्थित लौज निर्माण इकाई से एक लौज का सैपल सांभा बाजार शाहाबाद स्थित फारिमा कन्फेक्शनरी से एक नमकीन का सैपल तथा एक चैरी का सैपल साथ ही हरपालपुर स्थित कल्लू के प्रतिष्ठान से एक मैदे का सैपल संग्रहित किया गया जिन्हे जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा जा रहा है जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जाएगी इस कार्यवाही के दौरान सहायक आयुक्त खाद्य एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी रामकिशोर खाद्य सुरक्षा अधिकारी खुशीराम उपस्थित रहे।

एड्वाइड मोबाइल फोन जिसकी कीमत 15000 बताई गई है। चोर चुरा कर चलते बने। तीनों पीड़ितों ने बताया कि, उन्होंने लिखित रूप से थाने में चोरी की घटना की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने हेतु शिकायत की है। मौके पर पुलिस ने घटनास्थल का मौका भोगना किया और लोगों से पूछताछ की। मामले में कोतवाली प्रभारी बालेंदू गौतम का कहना है कि, मामला प्रकाश में आया है जांच करा कर विदित करवाई की जाएगी।

अधिवक्ता 22 सितंबर तक हड़ताल पर रहेंगे

सीतापुर। बार एसोसिएशन सभागार में आम सभा की गयी थी। अध्यक्षता बार अध्यक्ष चन्द्रभाल गुप्त व संचालन महासचिव बुद्धि प्रकाश मिश्र ने किया। बार एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि मण्डल अध्यक्ष व महासचिव ने नेतृत्व में जनपद हापुड गया। वहां आवासन दिया कि बार एसोसिएशन सीतापुर आपके लड़ाई में आपके साथ है। इस मौके पर राम मोहन पाण्डेय, शैलेन्द्र वर्मा 'टल्लन', हिमांशु विक्रम सिंह, अमरांशु पांडेय आदि मौजूद रहे। आम सभा में यह निर्णय लिया गया कि बार एसोसिएशन सीतापुर के समस्त अधिवक्तागण 22 सितंबर तक पूर्णतः न्यायिक कार्य से विरत रहकर कलमबन्द हड़ताल पर रहेंगे। पुनः 25 नवंबर को बार एसोसिएशन सीतापुर के सभागार में आम सभा की जायेगी।



एक ही रात तीन घरों को चोरों ने बनाया निशाना

अवधानामा संवाददाता

महाराजगंज, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के मऊ गांव में एक ही परिवार के दो सगे भाइयों समेत तीन घरों को अज्ञात चोरों ने बनाया निशाना। घटना मंगलवार के रात की है। पहली घटना सरयू प्रसाद पुत्र राम बक्स के घर को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए एक एंड्रॉइड फोन लगभग 12000 कीमत का चोरी कर चलते बने। सरयू प्रसाद ने बताया कि वह घर के अंदर परिवार के साथ कमरे में लेटे

हुए थे दरवाजा खुला हुआ था। और चारपाई के बगल में टेबल पर मोबाइल चार्जिंग पर लगा हुआ था। यह लगभग रात 11:00 बजे तक जाग रहे थे। अज्ञात चोरों ने उनके घर धावा बोलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। दूसरी घटना राजकुमार की पहली घटना से लगभग 100 मीटर की दूरी पर स्थित राजकुमार पुत्र भवानी के घर में अज्ञात चोरों ने एक एंड्रॉइड फोन जिसकी कीमत 10000 तथा ढाई हजार रुपए नगद पर कर दिया।

राजकुमार की पत्नी राजकुमारी अपने बच्चों के साथ घर के अंदर लेटी हुई थी। इनका भी मोबाइल कमरे में चार्जिंग पर लगा हुआ था। तथा ढाई हजार रुपए बगल में स्थित किचन में एक बैग में रखे हुए थे चोरों ने पार कर दिया। जबकि तीसरी घटना दूसरी घटना के बगल में ही स्थित राजकु पुत्र चौहान के घर में भी अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर 3000 की नगदी जो लोअर में रखे हुए थे और लोअर खूटी पर टंगा हुआ था तथा एक

एड्वाइड मोबाइल फोन जिसकी कीमत 15000 बताई गई है। चोर चुरा कर चलते बने। तीनों पीड़ितों ने बताया कि, उन्होंने लिखित रूप से थाने में चोरी की घटना की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने हेतु शिकायत की है। मौके पर पुलिस ने घटनास्थल का मौका भोगना किया और लोगों से पूछताछ की। मामले में कोतवाली प्रभारी बालेंदू गौतम का कहना है कि, मामला प्रकाश में आया है जांच करा कर विदित करवाई की जाएगी।

मजदूरों की सच्ची हितैषी है सपा

मजदूर सभा के पदाधिकारियों को बाटे मनोनयन पत्र



अवधनामा संवाददाता

फतेहपुर। समाजवादी पार्टी ही एक ऐसा दल है जो मजदूरों के हित की बात करता है। या यूँ कहा जाये कि सपा ही मजदूरों की सच्ची हितैषी है। यह बात बुधवार को सपा मजदूर सभा के प्रदेश अध्यक्ष धनीलाल श्रमिक ने संगठन की मासिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र भी वितरित किए। सपा मजदूर सभा की मासिक बैठक शादीपुर स्थित सपा कार्यालय में आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष धनीलाल श्रमिक ने शिरकत की। बैठक की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह यादव ने की। बैठक को संबोधित

करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि मजदूर संगठित होकर सपा के हाथों को मजबूत करने का काम करें। सपा शासनकाल में मजदूरों के हित में तमाम योजनाएँ संचालित की गई थीं। जिसका लाभ मजदूर वर्ग को मिल रहा था। उन्होंने कहा कि जब से केंद्र व प्रदेश में भाजपा सरकार आई है तब से देश व प्रदेश के मजदूरों की हालत बुरे से बुरतर हो गई है। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी को जिताने के लिए कोई कोर कसर न छोड़ें। उन्होंने कहा कि सपा की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाया जाये। बैठक के अंत में उन्होंने पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र सौंपते हुए जी-जान से पार्टी को मजबूती प्रदान करने के निर्देश दिये।

नौकरी लगते ही पत्नी को छोड़ने दी धमकी

अवधनामा संवाददाता

गाजीपुर। ज्योति मौर्या व आलोक मौर्या का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ कि एक दूसरा मामला सामने आया है। हालांकि, यह उससे थोड़ा उल्टा है। दरअसल, गाजीपुर के कासिमाबाद में खजुहा गांव की एक महिला ने अपने अधिकारी पति पर उसे छोड़ने का आरोप लगाया है। उसने बताया कि जब उसका पति नौकरी की तैयारी कर रहा था तो उसने एनजीओ व स्कूल में काम करके उसे पैसे देकर पढ़ाया। उसकी मदद की, लेकिन उसके पति ने अब धोखा दे दिया।



नौकरी कर पढ़ाई में पति की मदद की

पति ने दूसरी शादी करने का मन बनाया है। उसकी एक दो साल की बेटी है। एक पांच माह का बच्चा गर्भ में चल रहा है। दुष्प्राण उर्फ भटवरिन्या की शाजिदा उर्फ रिया यादव पत्नी धीरे-धीरे कुमार यादव ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। उसने बताया कि धीरे-धीरे कुमार यादव से 15 नवंबर 2017 को मऊ के बन्देदी मंदिर में

हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार विवाह हुआ था। वह एनजीओ में काम करके पांच हजार रुपये महीना कमाती थी। प्राइवेट विद्यालय में 2500 रुपये मासिक पर कार्य करती थी। धीरे-धीरे पढ़ाई में कोई बाधा ना आए इसलिए उसने कई बार पैसा भेजा। इसी बीच वर्ष 2019 में धीरे-धीरे सिंचाई विभाग में जेई बन गया। वर्ष 2021 में मिर्जापुर सिंचाई खंड-6 में अवर अभियंता के पद पर नियुक्त हुए। यहां वह अपनी सास के साथ किराए के मकान में रहती थी। 17 सितंबर 2021 को उसने एक बेटी को जन्म दिया। सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा

था। दूसरा बच्चा भी उसके गर्भ में पांच माह से चल रहा है। धीरे-धीरे और उनके परिवार वाले उसे 18 अगस्त को दुमराव उर्फ भटवरिन्या ले आए। पंचायत के बहाने उसे घर से निकालने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर सभी ने मारपीट की। आरोप लगाया कि अब वह 10 लाख रुपये देहज मांग रहे हैं। नहीं देने पर दूसरी शादी करने की धमकी दे रहे हैं। उधर, धीरे-धीरे यादव ने बताया कि उस पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। मेरी उससे शादी हुई ही नहीं। वहीं पुलिस और पूरे मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

भारत विकास परिषद के स्वास्थ्य शिविर में 496 रोगियों को निःशुल्क दवा वितरित की



जालौन अवधनामा संवाददाता। भारत विकास परिषद प्रमुख शाखा जालौन एवं राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में मो. ओझा रियल सभन बस्ती में निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर एवं निःशुल्क दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। आयुष आपके द्वारा योजना के अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ सहकारिता संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश सिंह सेगर एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ पूजा राजपूत ने दीप प्रज्वलन कर व चिकित्सालय के सभी स्टाफ का मार्वाचन किया तथा आये हुए मरीजों को दवा वितरण में सहयोग किया। अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने आयुर्वेद के लाभ तथा उपयोगिता पर चर्चा की। कोषाध्यक्ष अरविंद श्रिवास्तव ने बताया कि इस वर्ष प्रमुख शाखा व आयुर्वेदिक चिकित्सालय के सहयोग से यह छव्यां शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम समन्वयक परमावर्त वर्मा, मिह्रु लाल वर्मा ने बताया कि मोहल्ला ओझा में आयोजित इस शिविर से निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का सर्वाधिक लाभ इस क्षेत्र के निवासी पीछड़े, दलित वर्ग व अल्पसंख्यक वर्ग की जनता को हुआ है। शिविर में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ पूजा राजपूत, प्रशिक्षु चिकित्सक डॉ आयुष डूरा वातस्थिति, चर्म रोग, ज्वर, जहणी, अलिसार, डर रोग, कटिदुःख, प्रतिश्याय इत्यादि रोगों के 496 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

दो अक्तूबर तक जिले को कचरामुक्त करने का लें संकल्प: सीडीओ

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन सभागार कक्ष में स्वच्छ भारत अभियान के दृष्टिगत कचरा मुक्त भारत अभियान की थीम के साथ स्वच्छता ही सेवा 2023 कचरा मुक्त भारत-01 पखवाड़ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा महात्मा गांधी के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात् 14 विकास खंडों के उत्कृष्ट सफाई कर्मियों को प्रशस्ति पत्र और सॉल पेंच कर पुरस्कृत किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने अपने संबोधन में बताया कि इस पखवाड़ की औपचारिक शुरुआत आज विकास भवन से की जा रही है जो पूरे 15 दिनों तक पूरे जनपद में चलेगा। हम सभी का लक्ष्य है कि 2 अक्तूबर तक सभी ग्राम पंचायत, नगर निकायों सरकारी कार्यालयों, गैर सरकारी कार्यालयों को साफ सफाई कराना सुनिश्चित करें। अपने आसपास किसी भी परिस्थिति में गंदगी/ कचड़ इकठ्ठा न होने दे। सभी अधिकारी और कर्मचारी स्वच्छता पखवाड़ में अपने अपने दायित्व का निर्वहन करें, इसकी शुरुआत स्वयं के कार्यालय, घर से करें तथा सभी कर्मचारी अपने व्यवहार में परिवर्तन लाए जिससे की स्वच्छता अभियान को सफल बनाया जा सके। इसे बोझ न समझते हुए इसे अपना दायित्व समझे।



कचड़ रिसाइक्लिंग की प्रक्रिया अपनाए, कूड़ेदान/डस्टबिन का प्रयोग अधिक से अधिक तथा कूड़ संग्रहीत कर गिरे और सूखे कचड़े को अलग अलग करने की शुरुआत करें। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छ भारत सभ्य उपस्थित सभी अधिकारियों कर्मचारियों को दिलाई। सभी एडो अभियान के अंतर्गत कर्मचारी कर्मचारी के यहां पहुंच गए थे। मूर्ति की न्यूछव देकर पंडाल व घरों के लिए मूर्ति लेकर खेल नागड़े के साथ चल दिए। पूजा स्थल पर पहुंचकर विधि-विधान से मूर्ति की पूजा कर मूर्ति को स्थापना की गई। नगर में स्थापित भगवान श्रीगणेश की स्थापना कुछ भक्तों ने सात दिन के लिए तो कुछ भक्तों ने नौ दिन के लिए की है। नगर में गणेशजी मंदिर, दबगरान में विक्रांत यादव, पवन चतुर्वेदी पुरानी हाट, बेनी बाई मार्केट, कोतवाली मार्ग पर

डीएम ने ली संचारी रोग नियंत्रण की समीक्षा बैठक

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने समस्त चिकित्सा अधिकारियों सम्बंधित एसडीएम/खण्ड विकास अधिकारी की उपस्थिति में संचारी अभियान बैठक कानूने के निर्देश दिए। संचारी अभियान की बैठक में ग्राम प्रधानों की सत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए। 27 सितम्बर 2023 तक सभी संबंधित विभागों को माइक्रो प्लान बनाकर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। स्कूलों में बच्चों को संचारी रोग के दौरान क्या करे क्या न करे के संबंध में जामाकर किया जाए। भ्रमण के दौरान डेंगू, मलेरिया, टीबी, कुष्ठ रोग, कुर्बाणित बच्चों आदि की सूची तैयार की जाए। संक्रमित क्षेत्रों में रीपडरिफॉस टीम का भ्रमण कराने के निर्देश दिए। जिला पंचायत राज अधिकारी को बेहतर साफ सफाई कराने के साथ साथ संचारी अभियान के मानकों पर पूर्ण कार्यवाही कराने के निर्देश दिए। आबादी/स्कूलों के आस पास विशेष साफ सफाई अभियान चलाया जाए।

गौवंशों के भरण-पोषण की रखें पर्याप्त व्यवस्था: डीएम



गौवंशों को संरक्षित किया जाये। गौशालाओं में हरे चारे की बुआई हेतु जो जमीन संबद्ध है में हरा चारा की बुआई नहीं हुई है। वहां बुआई करने के निदेश संबंधितों को दिए। जनपद में सात अस्थयी निर्माणाधीन गौशालाओं का निरीक्षण करने के निर्देश जिला विकास अधिकारी को दिए। साथ ही रिपोर्ट से अवगत भी कराए। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि जिन प्रभारी पशु चिकित्साधिकारियों के क्षेत्र में कृत्रिम

बनाए रखें। जनपद में पशुओं के स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं के लिए क्रियाशील आठ मेडिकल वैनों पर परस्पर निगरानी बनाए रखें। साथ ही पशुओं के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, उप जिलाधिकारी सदर प्रभाकर त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी बिंदकी मनीष कुमार, उप जिलाधिकारी खगा नंद प्रकाश मौर्य, जिला विकास अधिकारी प्रमोद सिंह चंद्रौल, परिचोजना निदेशक डीआरडीए शेर्पाणि सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. नवल किशोर सचान, जिला पंचायत राज अधिकारी उपेन्द्र राज सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सदर, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

बाढ़ के कहर से बेघर हुए लोग



अमृतपुर फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। बाढ़ के कहर को झेलते हुए गांव व रामगंगा के बीच के वाशिनदों को दो महीने से अधिक का समय हो गया है। गांव में आधी विनाशकारी बाढ़ ने लोगों को सड़कों पर खड़ा कर दिया और रामगंगा की बाढ़ ने पीड़ित ग्रामीणों को बेघर भी कर दिया। ग्राम अलादपुर भट्टीली के रहने वाले दर्जनों ग्रामीण रामगंगा में आई बाढ़ और उसके कटान से अपने घरों को खो बैठे। पक्के मकान नदी की चपेट में आए और बाढ़ गए। जागरूक लोगों ने समय रहते पक्के मकानों को गिरा कर उनकी ईंटें निकाल ली और दूसरी जगह पर आशियाना बनाने के लिए घरों का सामान ट्रेक्टरों पर लादकर चल दिए। अधिकारियों और शासन के लाख प्रयास भी इन ग्रामीणों को बेघर होने से नहीं बचा पाये। गांव में रहने वाले दर्जनों ग्रामीण अब खानाबदोशों की जिंदगी जीने के लिए मजबूर हो चुके हैं। गांव के निवासी एकदम अपने घर तो नहीं बना सकते इसलिए दूसरे गांव में पहुंचकर किराए के मकान में रहने के लिए विवस हो गए हैं। यह लोग अपने घर गृहस्ती का सामान निकाल कर पड़ोस के गांव करसपुर दत्त में पहुंचे और वहीं रहने लगे। इन लोगों ने बताया कि उनके मकान पक्के बने हुए थे। रामगंगा नदी से काफी दूरी पर थे। लेकिन तेज कटान के दौरान उनके मकान कटान की जग में आए गए और नदी में बह गए। अब उनके पास फिहाल रहने के लिए कोई भी छत मौजूद नहीं है। इसलिए अपने परिवार को खुले आसमान से बचाकर किराए के मकान में रहकर जीवन यापन करने के लिए विवस है।

धर्मांतरण मामले में पिता व तीन पुत्र गिरफ्तार

गाजीपुर अवधनामा संवाददाता। गहरम कोतवाली क्षेत्र के सायर घाट के पास धर्मांतरण कराने के प्रयास के मामले में पुलिस ने पिता और तीन पुत्रों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्जकर चारों आरोपियों का चालान कर दिया। सायर गांव निवासी नारायण सिंह ने देवल चौकी पर तहरीर दी। कुछ लोग गांव में लोभ और लालच देकर लोगों को धर्म परिवर्तन करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इस पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई थी। इधर आरोपी सायर कर्मनाशा घाट से नाव के सहारे बिहार भागने की फिराक में थे। तब तक पुलिस ने इनको दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान राजेंद्र राम और तीन पुत्रों रिकू उर्फ रोशन, रवि कुमार, राहुल कुमार निवासी सोनपा राजपुर बक्सर बिहार के रूप में हुई। इस संबंध में थाना निरीक्षक पवन कुमार उपाध्यय ने बताया कि गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा कुछ लोगों पर लालच देकर और बरालता कर धर्मांतरण कराने का मुकदमा दर्ज कराया था। सायर घाट बिहार प्रांत के सोनपा गांव निवासी पिता सहित तीन पुत्रों की गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से तीन मोबाइल फोन, चार धार्मिक किताब सहित अन्य सामान बरामद किया गया। पूछताछ के बाद चालान कर दिया गया।

गोमांश तरकरी के आरोपी को तीन वर्ष का कारावास

फतेहपुर अवधनामा संवाददाता। जिले के विशेष न्यायालय गैंगेस्ट कोर्ट एफटीसी प्रथम के विद्वान न्यायाधीश ने बुधवार को गो-हत्या कर गोमांश की तरकरी के आरोपी को सुनवाई करते हुये तीन वर्ष आठ माह के कारावास की सजा के साथ ही दस हजार रुपये जुर्माना का फैसला सुनाया। विशेष लोक अभियोजक अमरजीत भारती व आलोक तिवारी ने बताया कि जहानगढ़ कस्बा निवासी जेल में बंद राजा उर्फदत्ता को पुलिस ने वर्ष 2020 में गोहत्या कर गोमांश की तरकरी करने के आरोप में अभियोग पंजीकृत करते हुये जेल भेजा था। आरोपी तब से जेल में निरुद्ध है। उन्होंने बताया कि गैंगेस्ट कोर्ट प्रथम में आज मामले की ऑनम सुनवाई करते हुए विद्वान न्यायाधीश ने अपने निर्णय में कहा कि आरोपी वर्ष 2016 से लगातार ऐसे कृत्य करता आ रहा है।

गणेश मूर्तियों की हुई स्थापना

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। गणेश चतुर्थी के मौके पर नगर व ग्रामीण क्षेत्र में धूमधाम के साथ 20 स्थानों पर भगवान श्रीगणेश की मूर्तियों की स्थापना की गई। भक्त खेल नागड़े के साथ भगवान की प्रतिमा को लेकर पंडाल पहुंचे और शुभ मुहूर्त में मूर्तियों की स्थापना की गई। भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को भगवान श्रीगणेश की मूर्ति की स्थापना की जाती है। नगर में 13 स्थानों पर भगवान श्रीगणेश की विभिन्न स्वरूप की मूर्तियां स्थापित की गईं। भक्त सुबह से ही भगवान की मूर्ति लेने अपने अपने साधन से मूर्तिकार के यहां पहुंच गए थे। मूर्ति की न्यूछव देकर पंडाल व घरों के लिए मूर्ति लेकर खेल नागड़े के साथ चल दिए। पूजा स्थल पर पहुंचकर विधि-विधान से मूर्ति की पूजा कर मूर्ति को स्थापना की गई। नगर में स्थापित भगवान श्रीगणेश की स्थापना कुछ भक्तों ने सात दिन के लिए तो कुछ भक्तों ने नौ दिन के लिए की है। नगर में गणेशजी मंदिर, दबगरान में विक्रांत यादव, पवन चतुर्वेदी पुरानी हाट, बेनी बाई मार्केट, कोतवाली मार्ग पर

श्रीराधाकृष्ण मंदिर के पास, मोहल्ला चौधरान्या, हरीपुरा, जोशियाना नरोभास्कर, जोशियाना, गणेशजी समेत 13 स्थानों पर मूर्ति स्थापना की गई।

न्यायालय सूचना

न्यायपीठ सहारनपुर व बाहय न्यायालय देवबन्द स्थित सार्वजनिक शांतिचालयों के रख-रखाव व संचालन तथा साफ-सफाई के लिए सफाई कर्मियों की व्यवस्था हेतु सेवा प्रदाता एजेंसियों से GeM Portal पर निविदा आमंत्रित की जाती है। अतः जो भी सेवा प्रदाता एजेंसियां सेवा प्रदान करने हेतु आज्ञा से इच्छुक हों, वे दिनांक 26.09.2023 तक GeM Portal पर सूचित होकर सेवा हेतु न्यूनतम दर की निविदा उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

आज्ञा से मा. (ललित नारायण झा) अज्ञा/चयन समिति/अपर जिला जज कक्ष संख्या-01 सहारनपुर

क्षेत्र पंचायत सदस्यो ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन



शहरतगढ़ सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। क्षेत्र पंचायत सदस्यो को अपने क्षेत्र में कार्य ना मिलने से क्षेत्र का विकास कार्य व्य है जिससे नाराज क्षेत्र पंचायत सदस्य अपने संगठन के जिलाध्यक्ष रणजीत सिंह के नेतृत्व में उसका ब्लाक पर बीडीसी का एक बैठक कर खण्ड विकास अधिकारी को मांग पत्र सौंपा। बैठक में मौजूद क्षेत्र पंचायत सदस्य एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु प्रताप सिंह ने कहा कि ब्लाक के अधिकारी बीडीओ अपने जिम्मेदारी से मुह मोड कर भाग रहे है जिससे क्षेत्र पंचायत का विकास रुका है वही शासन के शासनदेश का उल्लंघन भी है। जिस पर सभी बीडीसी एक होकर प्रदेश अध्यक्ष के आमदर्शन में बीडीओ उसका से वार्ता किये जिस पर बीडीओ ने क्षेत्र पंचायत सदस्य को अक्षानस दिये कि सभी के क्षेत्र में कार्य होगा बल्कि कुछ सदस्यो का आई डी भी जारी किये। क्षेत्र पंचायत सदस्य एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने कहा कि क्षेत्र पंचायत सदस्य के कार्य में शिथिलता संगठन कर्तई बदरस्त नही करेगा। बीडीसी अपने मांगो को लेकर प्रदेश में अपने हक की लड़ाई का आगाज कर दिया जो अब नही रुकेगा। प्रदेश सचिव संतोष कुमार ने कहा कि जो क्षेत्र पंचायत सदस्य के हित की बात करेगा वही ब्लाक पर राज करेगा। इस दौरान बैठक में क्षेत्र पंचायत सदस्य महेन्द्र चौहान, अरविंद, शम्भू, मैसूर अली, सुनीता, दीपचन्द, विपिन कुमार, प्रमोद कुमार, संतोष कुमार आदि लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

भाजपा चरैवेति चरैवेति के सिद्धांत पर निरंतर कार्य करने वाली पार्टी है: अशोक

अवधनामा ब्यूरो



सोनभद्र। भाजपा जिला कार्यालय राबर्टसगंज पर एक आवश्यक बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में बतौर मुख्यअतिथि काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री/जिला प्रभारी अशोक चौरसिया जी मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व एमएलसी जयप्रकाश चतुर्वेदी जी, सदर विधायक भूपेश चौबे, गोरालव विधायक अनिल कुमार मौजू जी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पं दीनदयाल उपाध्याय व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवनिर्वाचित भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता व संचालन जिला महामंत्री कृष्णमुरारी गुप्ता ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि जिला प्रभारी अशोक चौरसिया जी ने कहा कि भारतीय

जनता पार्टी चरैवेति चरैवेति के सिद्धांत पर निरंतर कार्य करने वाली पार्टी है, आने वाले समय में संगठन को मजबूत करते हुए शक्ति केन्द्र व बूथ को मजबूत कर आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को आसानी से जीत सकते है। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर चल रहे सेवा पखवाड़ कार्यक्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सीएचसी, प्री हेल्थ कैंप तक लोगों को लेकर जाना है। 25 सितंबर को पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के जयन्ती का कार्यक्रम हर बूथ स्तर पर मनाया है। 26 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच

सभी बूथों की समिति के साथ बैठक व समीक्षा करना है। जिस तरह से मोदी जी देश के सम्मान को बढ़ाने के लिए अथक परिश्रम कर रहे है जिसके कारण भारत दुनिया की पांचवी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने चन्द्रमा पर चन्द्रयान को सफलतापूर्वक भेजकर जो दुनिया को अपनी शक्ति का एहसास कराया है, जो 20 सम्मेलन में कमेटी द्वारा प्रस्तावित 123 प्रस्तावों को मोदी जी के नेतृत्व में विश्व के सभी नेताओं ने सहजता व सरलता से स्वीकार किया है। यह मोदी जी के सफल विदेश नीति का प्रभाव है।

सूचना

मैं जिन्दा हसन पुत्र श्री रसीद अहमद एवम श्रीमति अख्तरी पति जिन्दा निवासीगण मोहल्ला हरामत कालोनी, खाताखेडी, थाना मण्डी जिला सहारनपुर सूचित कर रहे हैं कि हमारे पुत्रगण 1. सद्दाम पुत्र जिन्दा हसन पुत्र वधु श्रीमति हिना पति सद्दाम निवासीगण मोहल्ला कटहल कालोनी, खाताखेडी, थाना मण्डी सहारनपुर 2. इन्तजार पुत्र जिन्दा हसन पुत्र वधु श्रीमति अनुम पति इन्तजार निवासीगण मोहल्ला चौधरी विहार, कलसिया रोड, थाना मण्डी जिला सहारनपुर हमारे कहने सुनने में नहीं है उनका आचरण निंदनीय हो गया है विवश होकर सभी को हमने दिनांक 3 जून 2023 को अपनी कुल चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर उनसे सभी संबंध खत्म कर दिए हैं अपने किसी भी कार्य और लेन देन हेतु वोह खुद जिम्मेदार होंगे।

जिन्दा हसन थाना मण्डी जिला सहारनपुर

न्यायालय सूचना

न्यायालय श्रीमान सिविल जज सीनियर डिविजन सहारनपुर मूल वाद स. 167 सन् 2020 जितेंद्र कुमार पुत्र स्व0 श्री तिलकराज निवासी मकान नम्बर बी0-139 निकट हरि मन्दिर, आवास विकास, सहारनपुर (बादी).....बनामजुगजीत सिंह पुत्र स्व0 श्री सोहन सिंह निवासी एवन कालोनी नवीन नगर सहारनपुर।.प्रतिवादी हराहा वादी ने के आपके नाम एक नालिश बाबत के दायर की है कि लिहाजा आपको हुकम होता है कि आप बतारीख 29 माह 09 सन् 2023 ई0 बवक 10 बजे दिन के अमालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकफ किया गया हो और कुल उमरात अहम मुतालिका मुकदमें का जवाब दे सके या जिसके पास कोई शक्य हो कि जवाब ऐसे सवालालत का दे सके हाजिर हो और जवाबवही दावा की करे और हराहा वही तारीख जो आपके इकारों के लिये मुकरर है वास्ते इन्फिसाल कर्तई मुकदमें की तजवीज हुई है। बस आपको लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला गवाहो को जो ताहिद इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करे। आपको इतिला दी जाती है कि बरोज मकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके समत और फैसला होगा। मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 17 माह 07 सन् 2023 ई0 जारी किया गया।

आज्ञा से श्रीमती पुष्य रानी मुंसरिम सिविल जज सीडी सहारनपुर

न्यायालय सूचना

इतिलानामा बनाम रेस्पोंडेंट मुशरर इतिला जो समत अपील के मुकरर है (आर्डर 41 कायदा 14) न्यायालय श्रीमान अपर जिला जज /फास्ट ट्रेक कोर्ट प्रथम सहारनपुर सिविल अपील सं0- 24 सन 2020 ।दिलशाद साईकिल वाला पुत्र श्री अख्तरखा निवासी ग्राम मैसूर परगना हरौड़ा तहसील व जिला सहारनपुर मो0- 7060639821 अपीलान्ण (बनाम) 1. मेहरबान 2. इमरान 3. फुरकान पुत्रगण स्व0 हनीफ 1/1 नसरिन विधवा फुरकान 1/2 वसीम पुत्र फुरकान 1/3 आम्मिर अम 16 वर्ष अवस्क 1/4 दानिश अम 14 वर्ष अवस्क दोनो अवस्क द्वारा नसरिन विधवा फुरकान माता हकीकी अवस्कगण 1/5 शौबा पुत्र (मृतक) फुरकान 1/6 आशयश पुत्र (मृतक) फुरकान 4. रिजवान पुत्र मो0 हनीफ 5. श्रीमति खुशनुमा पुत्री मो0 हनीफ 6. शाहीन पुत्री मो0 हनीफ 7. नफीसा पुत्री मो0 हनीफ 8. अफसाना पुत्री मृतका मो0 हनीफ सगमस्त निवासीगण माया वाली गली ग्राम छुटमलपुर प0 हरौडा त0 व जिला सहारनपुर।**प्रतिउत्तरदातागण-**मुतिला हो कि अपील धनराशि डिट्टी मुकदमा मुदराना आ बाला के ने पेश किया और इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और अदालत में तारीख 26/9/23 वास्ते समात अपील के मुकरर की है अगर खुद आप या आपका वकील या कोई शक्य जो कानून आपकी तरह अपील नमान में जवाब व सवाल करने का मजाज हो हाजिर न आयेगा तो उसकी जमानत कोई तजवीज अपील गैर हाजिरी में की जायेगी। दि.19 माह 09 सन 2023 ई0 मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के जारी किया गया।

आज्ञा से अदालत एडीजे/एफटीसी (1) सहारनपुर

क्षेत्र में भ्रमण कर किसानों की समस्याओं का निस्तारण करें अधिकारी: सीडीओ

अवधनामा संवाददाता



सीडीओ की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन

सिद्धार्थनगर। मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की की अध्यक्षता में बुधवार को किसान भवन सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वप्रथम उपकृषि निदेशक द्वारा पिछली बैठक की कार्यवृत्त को पढ़ा गया, जिसमें अधिकांश शिकायतों का निस्तारण करा दिया गया है।

सीडीओ ने जिला कृषि अधिकारी से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा लाभार्थियों के खाते में क्षतिपूर्ति की धनराशि प्रेषित कराने का निर्देश दिया। सीडीओ ने किसानों की शिकायतों पर राशन की दुकानों का निरीक्षण करने हेतु जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिया। एआरएम रोडवेज को जनपद में बसों के संचालन का रूट चार्ट उपलब्ध कराने के साथ बसों के संचालन को

आधार पर स्वीकृत करने का निर्देश दिया। किसान सम्मान निधि के पात्र लाभार्थियों की समस्याओं का निराकरण कराने का निर्देश दिया। जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिया कि किसानों को खाद की समस्या न होने पाये तथा खाद की दुकान का औचक निरीक्षण करते रहे। कोई भी दुकानदार कार्यवाही करने का निर्देश दिया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि अभियान चलाकर छुट्टा गोवंश को गौशाला में पहुँचाये। किसानों के लोन के प्रकरण को प्राथमिकता के

अधिकारी जयेन्द्र कुमार की की अध्यक्षता में बुधवार को किसान भवन सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वप्रथम उपकृषि निदेशक द्वारा पिछली बैठक की कार्यवृत्त को पढ़ा गया, जिसमें अधिकांश शिकायतों का निस्तारण करा दिया गया है।

ग्रा. स. संघ ब्लाक अध्यक्ष द्वारा कार्यकारणी का गठन



लोटन सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। उप पंचायती राज ग्रामीण सफाई संघ चुनाव के बाद लोटन ब्लाक इकाई का अध्यक्ष ने कार्यकारणी का गठन किया। अध्यक्ष दिनेश कुमार के अनुसार संप्रेषक गंगाराम, रामबरन संरक्षक, मनोज कुमार श्रीवास्तव कार्यवाहक अध्यक्ष, अभिषेक कुमार, अश्विन कुमार, उमेश कुमार, शैलेश कुमार, रामबहादुर को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया इसी तरह रामलालित संगठन मंत्री, गोमती प्रसाद उपमंत्री, धूप नारायण चौरसिया को प्रचार मंत्री बनाया गया। इस दौरान सभी लोगों को जिम्मेदारी देते समय कहा गया कि कोई कर्मचारी के सामने समस्या उत्पन्न होने पर एक साथ आकर निदान करना होगा ताकी किसी को किसी तरह की परेशान न किया जा सके और आप लोग भी अपनी जिम्मेदारी समझे हुए पद की जिम्मेदारी समझे।

मंडल स्तरीय वालीवाल प्रतियोगिता संपन्न



बदनी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। मंडल स्तरीय वालीवाल प्रतियोगिता 2023-24 बस्ती में संपन्न हुआ। इसमें सिद्धार्थनगर की टीम 19 आयु वर्ग बालक, 19 आयु वर्ग बालिका और 14 आयु वर्ग बालक तीनों टीमों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और मंडल विजेता बनी। उपेंद्र कुमार जिला विद्यालय निरीक्षक सिद्धार्थनगर ने विजेता टीमों के प्रतिभागी को शुभकामना दिया। टीम प्रभागी के रूप में शंभू नाथ गुप्ता, दौलत बाबू गुप्ता, अनिल कुमार, अजय यादव और रनेश सिंह। विजय वर्मा प्रधानाचार्य गांधी आदर्श विद्यालय बदनी ने प्रदेश स्तर प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन के लिए उत्सवर्धन किया।

शिक्षकों की सेवा सुरक्षा के साथ खिलवाड़ स्वीकार नहीं: शैक्षिक महासंघ



अम्बेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। शिक्षकों की सेवा सुरक्षा और धारा 18 के निरसन से खफा राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, अम्बेडकर नगर इकाई ने आज मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक गिरीश कुमार सिंह को दिया। यह जानकारी महासंघ के मण्डलीय संगठनमंत्री सत्यदेव तिवारी व जिला महामंत्री अरुण प्रकाश उपाध्याय ने दी है। ज्ञातव्य है कि नव जितित शिक्षा सेवा आयोग के अस्तित्व में आने के फलस्वरूप माध्यमिक शिक्षा सेवा चयनबोर्ड के निरसित होने से शिक्षकों की सेवा सुरक्षा की धारा 21 और तदर्थ प्रधानाचार्यों की नियुक्ति की धारा 18 के निरसित होने से पूरे प्रदेश में प्रबंधकों द्वारा शिक्षकों के उत्पीड़न की घटनाओं में महज एक पखवाड़े में ही तेईस गुना इजाफा हो चुका है। आज जिला विद्यालय निरीक्षक को ज्ञापन देने वालों में मण्डलीय संगठन मंत्री सत्यदेव तिवारी, जिला महामंत्री अरुण प्रकाश उपाध्याय, संजय तिवारी, डॉक्टर के पी राय सहित दर्जनों शिक्षक उपस्थित थे।

प्रशिक्षक के रूप में महिला प्रशिक्षकों को वरीयता दी जाएगी बस्ती अवधनामा संवाददाता। जनपद के 19 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षकों हेतु आवेदन आमंत्रित है। उक्त जानकारी जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश प्रसाद शुक्ल ने दी है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण हेतु ऐसे खिलाड़ियों का चयन किया जायेगा, जिसके पास मार्शल आर्ट में ब्लैक बेल्ट योग्यता का प्रमाण-पत्र हो तथा चयनित प्रशिक्षक ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में भी कार्य करने के इच्छुक हों। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षक के रूप में महिला प्रशिक्षकों को वरीयता दी जायेगी। महिला प्रशिक्षक द्वारा आवेदन न किये जाने अथवा कम आवेदन किये जाने की स्थिति में पुरुष प्रशिक्षक का चयन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि एक प्रशिक्षक को 03 विद्यालय आवंटित किये जायेंगे तथा राजकीय कन्या इकाई 04 बस्ती में छात्राओं की संख्या अधिक होने के कारण 01 प्रशिक्षक का चयन किया जायेगा। प्रशिक्षक द्वारा आवंटित विद्यालयों में तीन माह तक प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

अटल आवासीय विद्यालय का उद्घाटन 23 को बस्ती अवधनामा संवाददाता। अटल आवासीय विद्यालयों का उद्घाटन/लोकारंभ प्रा. प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री द्वारा आगामी 23 सितम्बर को वाराणसी से किया जायेगा। उक्त जानकारी मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने दी है। उन्होंने बताया कि मण्डल स्तर पर नवनिर्मित अटल आवासीय विद्यालय ग्राम बसेवाराय, तहसील हर्दया, बस्ती में उक्तानुसार कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पन्न किया जायेगा। उन्होंने बताया कि वाराणसी में होने वाले कार्यक्रम का आनलाइन सजीव प्रसारण देखने की व्यवस्था एवं निर्वाह एवं सफल आयोजन हेतु संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी सुनिश्चित की है तथा निर्देश दिया है कि नामित अधिकारी कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न करायें।

हत्या के प्रयास के तीन आरोपी चढ़े पुलिस के हथिये

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत बुधवार को अपर पुलिस अधीक्षक के कृशल निर्देशन में, क्षेत्राधिकारी सवर के पर्यवेक्षण में, थानाध्यक्ष मोहाना के नेतृत्व में, थाना मोहाना पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मुअसं 158/2023 धारा 147, 148, 323, 307, 504, 506, 325 धारा 3(1)द.ध.3(2)(5), 3(2)(5)ए एससी/एसटी एक्ट से सम्बंधित 3 अभियुक्तगण मणिकान्त शुक्ला पुत्र गोविन्द, अखिलेश गौड़ उर्फ भिखारी पुत्र कमलेश व उमाशंकर शुक्ला उर्फ करिया पुत्र रामलखन साकिन बरदहवा थाना मोहाना को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में जीवन त्रिपाठी, थानाध्यक्ष, उनी0 तारकेश्वर पाण्डेय, हेका0 दिनेशचन्द्र यादव, रिकेश यादव थाना मोहाना शामिल रहे।

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी ने दादा को चाकू मारकर हत्या कर दी

अवधनामा संवाददाता

अम्बेडकरनगर। प्रेमिका से मिलने घर पहुँचे प्रेमी ने दादा के विरोध पर चाकू से चोपकर हत्या कर दी। शोर सुनकर जागे प्रेमिका के माँ-बाप व

गामीणों ने पकड़कर प्रेमी को पीटा

बहन पर भी चाकू से ताबड़तोड़ कई वार कर मरणासन्न कर दिया। चौख-पुकार सुनकर पहुँचे ग्रामीण व पड़ोसियों ने प्रेमी को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। घायलों में दो हालत गंभीर है, जिन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया। हंसवर के झरवा गांव के जहीर हुसैन के घर में मंगलवार की रात ढाई बजे नौरावा का आसिफ अपनी प्रेमिका से मिलने पहुँचा था। इसी बीच प्रेमिका बाबा जहीर हुसैन जग गाँव और वह इसका विरोध करने लगे। तो प्रेमी ने बाबा के ऊपर ताबड़तोड़ चाकू से हमला बोल दिया। रात में घर में आवाज सुनकर प्रेमिका की माँ तहजीब फातिमा, पिता हेलाल



अहमद व प्रेमिका आयशा ने उसे पकड़ने का प्रयास करते हुए शोर मचाया, जिस पर प्रेमी ने तीनों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में सभी सदस्य भी गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर सुनकर पड़ोस के लोग इकट्ठा हो गए और घर में चुप्पे प्रेमी आसिफ को पकड़ कर पीटना शुरू कर दिया। हंसवर पुलिस घटनास्थल पहुँची और घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसखारी भर्ती कराया, जहाँ पर जहीर हुसैन को मृत घोषित कर दिया। तहजीब फातिमा, आयशा, हेलाल अहमद व आसिफ को गंभीर जिला अस्पताल में

रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में आरोपित प्रेमी आसिफ की भी मौत हो गई। दोहरे हत्याकांड को लेकर पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार सिन्हा सहित अन्य अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल से साक्ष्य एकत्र किया है। वारदात में प्रयुक्त चाकू भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। घटनास्थल का पुलिस महानिरीक्षक अयोध्या परिक्षेत्र ड. प्रवीण कुमार ने स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि घटना के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है।

पीसीएस-जे में चयनित विद्यालय की पूर्व छात्रा स्रेहिल श्रीवास्तव का हुआ सम्मान



सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। जनपद मुख्यालय स्थित रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज तेतरी बाजार में पीसीएस-जे में चयनित विद्यालय की पूर्व छात्रा स्रेहिल श्रीवास्तव को विद्यालय परिवार की ओर से बुधवार को प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी द्वारा अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। श्री त्रिपाठी ने विद्यालय परिवार की ओर से शुभकामनाएं देते हुए कहा बहन से सभी छात्रों को सीख लेनी चाहिए। जिन्होंने कड़ी मेहनत कर विद्यालय का ही नहीं वरन जिले का मान बढ़ाया है। स्रेहिल श्रीवास्तव ने भैया बहनों को संबोधित करते हुए कहा यदि कोई विद्यार्थी पूरे मनोयोग से अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु कोशिश करता है तो सफलता अवश्य मिलेगी। कहा कि लगन व कर्म ही सफलता की श्रेष्ठ पूँजी है। गौरतलब है कि स्रेहिल श्रीवास्तव विद्यालय से 2007 में हाई स्कूल व 2009 में इंटर मीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात प्रयागराज से स्नातक, विधि स्नातक व विधि परास्नातक की पढ़ाई करने की पश्चात पीसीएस-जे में चयनित हुई हैं। विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य सुभाष सिंह द्वारा विद्यालय की ओर से बहन स्रेहिल श्रीवास्तव के पिता श्री पुरुषोत्तम लाल श्रीवास्तव को भी सम्मानित किया गया।

रोजगार सेवकों का उत्पीड़न बंद नहीं होगा तो संगठन आंदोलन को होगा बाध्य: कुलदीप द्विवेदी

एजाज़ सिद्दीकी

इटवा सिद्धार्थनगर। ग्राम रोजगार सेवक पंचायत मित्र नेलफेर एसोसिएशन इटवा इकाई बैठक स्थानीय ब्लाक सभागार में सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता जिला संरक्षक राजेश चतुर्वेदी ने किया तथा संचालन इटवा ब्लाक अध्यक्ष राम तीर्थ गिरी ने किया।

बैठक को मुख्यातिथि के बतौर सम्बोधित करते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप द्विवेदी ने कहा कि एकता संघर्ष समिति द्वारा ट्वीटर अभियान से लेकर 04.10.2023 को जिला पर तिरंगा यात्रा निकला जायेगा और कलेक्ट्रेट में मा0 जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया जायेगा। जिले के सभी ब्लाक अध्यक्ष व समस्त रोजगार सेवक इसकी पूरी तैयारी कर लें और मा0 मुख्यमंत्री जी के सम्मान में यात्रा



का आयोजन किया जायेगा। मुख्यमंत्री जी ने लखनऊ में मनरेगा के कर्मचारियों को एचआर पालिसी तथा मनरेगा कर्मचारियों को जाब चार्ट में ग्राम्य विकास में जोड़ा जाय, रोजगार सेवकों की सेवा समाप्ति में श्रम उपायुक्त की सहमति होगी, आकस्मिक अवकाश, चिकित्सा अवकाश की घोषणा मुख्यमंत्री जी ने किया था। लेकिन अधिकारियों के हीला हवाली से अभी तक शासनादेश जारी नहीं किया गया है। उसी क्रम में 04.10.2023

को नौगढ ब्लाक से जिलाधिकारी कार्यालय तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया है। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला संरक्षक राजेश चतुर्वेदी ने कहा कि ग्राम रोजगार सेवकों का ग्राम प्रधानों द्वारा उत्पीड़न अगर बन्द नहीं हुआ तो संगठन आन्दोलन करने हेतु बाध्य होगा। इसी तरह एक मामला नौगढ ब्लाक में चल रहा है। प्रधान द्वारा जो आरोप लगाया गया वह पूरी तरह से गलत है। खण्ड विकास अधिकारी द्वारा जिले पर रिपोर्ट प्रेषित है। अध्यक्षों का

ग्राम रोजगार सेवक वेल्फेयर एसोसिएशन की हुई बैठक

03 वर्ष पूर्ण हो चुका है। ऐसे में लोक सभा के पहले सभी ब्लाकों में ब्लाक अध्यक्षों की बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला महामंत्री अमरेश यादव ने कहा कि सभी ब्लाक का चुनाव जल्द कराया जाये और नई कार्यकारणी का गठन भी किया जाए। सदस्यता अयान चलाया जाय जिससे संगठन हमारा सक्रिय हो और लोकसभा का चुनाव देखते हुए नई कार्यकारणी का गठन भी किया जाए। बैठक में अखिलेश मौर्य, राम प्रकाश मिश्रा, आनन्द प्रकाश तिवारी, राजकुमार चौधरी, विजय दूबे, वीरेंद्र कुमार, रामसुभग, नवल किशोर, सदानन्द यादव, राम तीर्थ गिरी, मनोज पाण्डेय, आलोक पाण्डेय, सतीश, अमरेश यादव आदि उपस्थित रहे।

सीएमओ ने कोटेदारों के साथ की बैठक

बांसी सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत जिले में छूटे हुए लाभार्थियों और पात्र गृहस्थों जिसमें 6 या 6 से अधिक सदस्य हैं। ऐसे पात्र गृहस्थों जिनमें 60 लक्ष अर के लोग हैं सीनियर सिटीजन का गोल्डन कार्ड बनाया जायेगा। सीएमओ डा. बीके अग्रवाल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बसंतपुर सीएचसी अधीक्षक डा.राजीव रंजन की अध्यक्षता में बसंतपुर सीएचसी सभागार में आयुष्मान कार्ड बनाने में सहयोग करने हेतु कोटेदारों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। सीएमओ डा. बी.के.अग्रवाल ने कोटेदारों के साथ बैठक के दौरान उन्हें आयुष्मान कार्ड बनाने वाली टीम का सहयोग करने की बात कही। सभी अंतोदय कार्ड धारकों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा। सभी ग्राम पंचायतों में कार्ययोजना के अनुसार कोटेदार अधिक से अधिक लोगों का कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने अन्त्येदय कार्डधारकों का प्राथमिकता पर कार्ड बनवाने का निर्देश दिया है। कहा कि वर्तमान समय में अन्त्येदय कार्डधारकों को राशन वितरित किया जा रहा है, कोटेदार सुनिश्चित करें कि राशन देने के साथ-साथ उनका कार्ड भी बन जाए।



अवधनामा संवाददाता

बांसी सिद्धार्थनगर। लेखपाल संघ शाखा सिद्धार्थनगर के चुने हुए पदाधिकारियों का बांसी तहसील में लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष विनोद गौतम एवं लेखपाल संघ द्वारा भव्य स्वागत किया गया साथ ही लेखपाल संघ राजस्व निरीक्षक पद पर पदोन्नति हुई लेखपाल सुनील आर्य एवं रामजतन का फूलों का माला पहनकर

सम्मान किया गया। जिले से आए हुए संघ के जिला अध्यक्ष अजय गुप्ता महाराज आनंद गौतम जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणधीर यादव जिला कनिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेश भारती जिला उपमंत्री प्रभात सीनी जिला संप्रेषक बबिता सिंह का स्वागत किया गया। स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए लेखपाल संघ के जिला अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा लेखपालों को किसी भी प्रकार का कोई समस्या होती

है तो 24 घंटे उनके लिए तत्पर रहूंगा। और किसी भी लेखपाल के खिलाफ कोई भी समस्या होने पर सभी लेखपालों को एकजुट होकर समस्या का निदान किया जाएगा। स्वागत समारोह में अंकित रंजन पूजा यादव असलम प्रवेश विकास जायसवाल प्रियंका द्विवेदी अनिल यादव संजीव कुमार आदि बांसी तहसील के समस्त लेखपाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालक भानु प्रताप ने किया।

अकबरपुर पालिका क्षेत्र में जल्द मिलेगी लोगों को जाम की समस्या से निजात

अवधनामा संवाददाता

अम्बेडकरनगर। शहर में हर दिन लगने वाले जाम से लोग परेशान हैं। कोई समय पर दफ्तर नहीं पहुँच पा रहा है, तो कोई स्कूल। जिम्मेदार भी इस समस्या से निजात दिलाने में नाकाम साबित हो रहे हैं। जाम की बड़ी वजह सड़क की पटरियों पर खड़ी बेतरतीब गाड़ियों व दुकानदारों की ओर से किया गया अतिक्रमण बताया जा रहा है। जाम के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी बीना सिंह कहती हैं कि अतिक्रमण के खिलाफ समय-समय पर अभियान चलाया जाता है। जाम की समस्या दूर हो, इसके लिए स्थायी हल ढूँढा जा रहा है। नगर पालिका व पुलिस की ओर से संयुक्त अभियान चलाया जाता है। शहर की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कर लोगों को जाम की समस्या से निजात दिलाने में सभी के

सहयोग की जरूरत है। नगर पालिका क्षेत्र में वाहनों की पार्किंग के लिए उचित प्रबंध नहीं किए गए हैं। इस वजह से लोग जहाँ जाम में आया, वाहन खड़ी कर देते हैं। सबसे अधिक जाम सब्जी मंडी शहजादपुर स्थित मार्ग पर लगता है। अधिशासी अधिकारी द्वारा बताया गया कि जल्द ही कस्बे के अंदर से सब्जी मंडी बाधनगवा नवनिर्मित सब्जी मंडी में किया जाएगा जिससे जाम से निजात कुछ हद तक मिल जाएगा। किसी भी स्थानीय तो किसी ने अस्थायी दुकान स्थायी की पटरियों पर लगा रखी है। अधिशासी अधिकारी बीना सिंह ने बताया अतिक्रमण हटाने के लिए नगर पालिका व स्थानीय पुलिस की ओर से समय-समय पर अभियान तो चलाया जाता है, लेकिन यह नाकाफी साबित हो रहा है। अधिशासी अधिकारी बीना सिंह द्वारा बताया गया अभियान के दौरान लोग अतिक्रमण कर लगी दुकानें तो हटा लेते हैं लेकिन बाद में फिर से वहीं दुकानें खोल लेते हैं।

वकीलों ने निकाली बाइक रैली, किया प्रदर्शन



बांसी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। तहसील बांसी में अधिवक्ताओं का धरना शुरू है इसी क्रम में बुधवार को मोटर साइकिल रैली निकाल कर धरना प्रदर्शन किया और अधिवक्ता प्रोटेस्टेशन बिल की मांग करते हुए हापुड़ कांड के दोषी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध कठोर कारवाही की मांग की है। मूर्तिधर व्यायालय से उप जिलाधिकारी के कार्यालय तक मोटरसाइकिल रैली कर तहसील में धरनारत हुये। धरना रत अधिवक्ताओं ने पुलिस प्रसासन एवं सरकार के खिलाफ जोर शोर से नारे लगाते हुए सरकार का विरोध किया। बांसी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आदित्य प्रकाश त्रिपाठी एवं बलेश्वर त्रिपाठी एवं रेवेन्यू बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ओम प्रकाश धर द्विवेदी के नेतृत्व में निकल गया मोटरसाइकिल रैली की अगुवाई की गई। इस दौरान प्रकाश लाल श्रीवास्तव, शिवकुमार लाल श्रीवास्तव, रामकृपाल मौर्य, राधे मोहन शर्मा, बरसू प्रसाद, रविंद्र श्रीवास्तव, सत्य नारायण लाल श्रीवास्तव, अशोक कुमार पाण्डेय प्रवीण कुमार सिंह गुलाब सिंह भृगु नारायण मिश्र, अखिलेश श्रीवास्तव अमन श्रीवास्तव राजेश श्रीवास्तव गंगा प्रसाद यादव ईमरान खान सिद्धेश्वर लाल श्रीवास्तव, मनोज मिश्रा शेष दत्त पांडे नितेंद्र उपाध्याय, अमिताभ सिंह गौरव सिंह विनोद कुमार सिंह शंभू नाथ भट्ट अमरनाथ सिंह बंदरे आलम आदि वरिष्ठ अधिवक्ता भी मौजूद रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने वर्तमान पदोन्नति प्रक्रिया में शामिल करने के लिए सौपा ज्ञापन



सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत 68 हजार पांच सौ भर्ती के सहायक अध्यापकों के प्रतिनिधिमंडल ने वर्तमान पदोन्नति प्रक्रिया में शामिल करने के लिए बुधवार को बेसिक शिक्षा सचिव को संबोधित ज्ञापन वीएसए देवेन्द्र कुमार पांडेय को सौपा। शिक्षक नवीनत पांडेय, पंकज राय, पवन जायसवाल, हिमांशु सिंह, अजय यादव, प्रदीप पांडेय, अनंत दीप की अगुवाई में दर्जनों शिक्षकों ने ज्ञापन में लिखा है कि इनके बैच का सेवा अवधि पांच वर्ष पूर्ण हो चुकी है। ऐसे में यह पदोन्नति प्रक्रिया में शामिल होने की योग्यता रखते हैं। बताया कि पदोन्नति सूची में पहले 31 मार्च 2023 तक पांच वर्ष पूर्ण करने वाले सहायक अध्यापकों को सम्मिलित किया गया था, जिसे बाद में बढ़ाकर 30 अप्रैल 2023 किया गया था। इससे 12 हजार बैच को फायदा मिला है। अगर इस प्रक्रिया में 30 सितंबर तक के सहायक अध्यापकों को सम्मिलित कर लिया जाता है तो 68 हजार पांच सौ बैच के लगभग छह सौ अध्यापकों की पदोन्नति हो जाएगी। इससे जनपद के कई प्राथमिक विद्यालयों पर प्रधानाध्यापक और जूनियर के सहायक की तैनाती हो जायेगी इससे शिक्षण कार्य सुचारु रूप चलने लगेगा। इससे पूर्व शिक्षकों द्वारा डाइट प्रचार्य उपेंद्र कुमार को भी ज्ञापन सौपा गया। इस दौरान अभिजीत सिंह, हिमांशु राय, राहुल सिंह, विजय कुमार, विष्णु त्रिपाठी, सम्राट पाठक, प्रदीप यादव, मनोज यादव, श्यामसुंदर आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

नई संसद में महिला आरक्षण

संसद का 96 साल पुराना भवन अब अतीत हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी और अन्य नेताओं के विवाद संवोधनों के साथ ही पुराने भवन को अलविदा कहकर नए संसद भवन में प्रवेश भी हो चुका है। अब पुराना संसद भवन एक राष्ट्रीय धरोहर, एक लंबा इतिहास, संसदीय संग्रहालय और लोकतंत्र का प्रतिबिम्ब है, जिससे संविधान निर्माताओं, हमारे पुरखों और 7500 से अधिक सांसदों की असंख्य यादें जुड़ी हैं। पुराना सदन उन घटनाओं, बहसों और निर्णयों का साक्षी रहा है, जिन्होंने भारत के लोकतंत्र को एक सुगह आकार और विकास दिया। संसद भवन में वे असंख्य नाद आज भी गूँज रहे हैं, जो अस्पष्ट और अनसुने लग सकते हैं, लेकिन वे अभिव्यक्ति और संवाद की स्वायत्तता के जीवंत प्रमाण हैं। हमने 1997 से 2020 के कोरोना-काल तक लोकसभा की प्रेस दीर्घा में बैठकर संसदीय कार्यवाहियों को साक्षात् देखा है, लिहाजा सुनो भी है। कई ऐतिहासिक संवोधन भी सुने हैं। देवेगोड़ा और गुजराल विधायकों का एक साल से भी कम समय में पतन देखा है। किसी की निजी और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर सदन और सरकारों काम नहीं कर सकती, यह सोच भी सुनी है। अटल बिहारी वाजपेयी सरीखे कद्दावर और निर्णायक प्रधानमंत्री की सरकार मात्र एक वोट से गिरती भी देखी है। उस दिन लोकतंत्र को बिकते भी देखा है, लेकिन लोकतंत्र तो स्मानान और शाश्वत है, लिहाजा लौट आया।

हम लोकसभा में परामुण्य करार पर राजनीतिक विभाजन के भी साक्षी रहे हैं और डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार को गिरते-गिरते बचते भी देखा है। लोकसभा में एक भाजपा सांसद ने नोटों से भरा बैग खोल कर पूरे सदन को स्तब्ध कर दिया था, लिहाजा 'नोट के बदले वोट' के राजनीतिक भ्रष्टाचार का एक साल से भी देखा है। 'प्रश्न के बदले नकदी घूस' के भ्रष्टाचार पर 11 सांसदों की बर्खास्तगी का ऐतिहासिक निर्णय भी सुना है। हम खड़ा सुशुभा, सूचना का अधिकार, मरनेगा, अनिवार्य निःशुल्क शिक्षा से लेकर अनुच्छेद 370, तीन तलक, जीएसटी, एक पद-एक पेंशन आदि ऐतिहासिक संशोधनों और कानूनों के परिवर्तन किए जाने के भी प्रत्यक्ष साक्षी रहे हैं। हम 13 दिसंबर, 2001 को संसद पर आतंकी हमले के भी चरमदीद रहे हैं और एक बड़े पत्थर के पीछे छिप कर जान बचाई थी। अब चूकि मोदी कैबिनेट ने संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण के बिल को स्वीकृति दी है, लिहाजा नए संसद भवन के 'विशेष सत्र' में यह बिल पेश और पारित किया जा सकता है, लेकिन हम स्पष्ट कर दें कि महिला आरक्षण कानून 2029, यानी अगले आम चुनाव, से पहले क्रियान्वित किया जाना संभव नहीं है। संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से बिल पारित होने के बाद यह संवैधानिक बाध्याता और दायित्व भी है कि उसकी राज्यों की 50 फीसदी से अधिक विधानसभाओं भी पुष्टि करें। 10 वर्षीय जनगणना का काम भी 2026 तक जारी रह सकता है।

फिर आरक्षित सीटों के मद्देनजर परिशीलन का काम भी किया जाना है। हम संसद में महिला आरक्षण पर सपा, राजद और जनता दल-यू आदि राजनीतिक दलों का कड़ा विरोध देख चुके हैं। बिल की प्रतिक्रिया तक फाड़ दी गई थी। जद-यू के शरद यादव तो 'मरने' तक तैयार थे, लेकिन ऐसे बिल का सामाजिक तौर पर विरोध कर रहे थे। बहरहाल आज मुलायम सिंह यादव, शरद यादव सरीखे विरोधी नेता 'दिवंगत' हो चुके हैं। बेशक मौजूदा परिदृश्य में यह सब कुछ संभव न हो, क्योंकि लोकसभा में तो भाजपा का प्रचंड बहुमत है, लेकिन 180 महिला सांसदों का निर्वाचन और आरक्षण किया जाना है, तो एक निश्चित प्रक्रिया अनिवार्य है। उसमें वक्त लगेगा। फिलहाल लोकसभा में 78 और राज्यसभा में 29 महिला सांसद हैं। यह अनुपात क्रमशः 14.4 और 12 फीसदी है, जबकि खांडा जैसे गरीब, पिछड़े मुल्क में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 61 फीसदी से भी ज्यादा है। संभवतः यह भी प्रावधान किया जा रहा है कि अनुसूचित जाति, जनजाति के लिए जो संसदीय सीटें आरक्षित हैं, उनकी कुल संख्या में से एक-तिहाई को उन्हीं समूहों की महिलाओं के लिए आरक्षित किया जा सकता है। जब बिल संसद में पेश किया जाएगा, तो तत्वीर बिस्कुल साफ होगा। उसके आधार पर हम विश्लेषण करेंगे कि महिला आरक्षण कितना कारगर रहेगा।

महिला कुली के रूप में आत्मनिर्भर दुर्गा

पूजा यादव

देश में ऐसे कई अवसर आए हैं जब महिलाओं ने अपने हौसले और संघर्ष से आत्मनिर्भरता की अनोखी दास्तान लिख दी है। फिर चाहे वह आदित्य रा की प्रोजेक्ट डायरेक्टर के तौर पर उनकी भूमिका हो या फिर एक ऑटो रिक्शा ड्राइवर के रूप में उनका काम जो आज देश का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जहां महिलाओं ने अपनी सफल भूमिका अदा न की हो। ऐसी ही



एक युवा महिला कुली दुर्गा और उसके संघर्ष की कहानी है, जो किसी भी चुनौतियों से हार नहीं मानने की प्रेरणा देती है। मध्यप्रदेश के बैतूल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की मदद के लिए तत्पर रहने वाली 25 वर्षीय दुर्गा का संघर्ष बाहर से सिर्फ इतना दिखाई देता है कि वह रेल यात्रियों के सामान को ट्रेन में चढ़ाने या उतारने का काम करती हैं। लेकिन इस संघर्ष के पीछे उसका एक और संघर्ष है, जो पुरुष प्रधान समाज को प्रेरणा देने वाला है। उसके संघर्ष को इमलीए भी जानना जरूरी है, क्योंकि आज के परिवेश में युवा पीढ़ी मामूली चुनौतियों के सामने हार मान कर अपने अमूल्य जीवन को समाप्त करने जैसा कदम उठ लेती है। लेकिन दुर्गा ने ऐसी ही चुनौतियों से घबराने की जगह उसका डडकर मुकाबला किया।

करीब 10 वर्ष पूर्व माता-पिता के देहांत के समय दुर्गा की उम्र मात्र 15 वर्ष थी। परिवार के नाम पर उसके साथ विधवा बड़ी बहनें और उनके बच्चे थे। इसमें से एक बहन की मृत्यु भी हो चुकी है। परिवार की आय के लिए उसने कुली का काम शुरू किया। हालांकि वह स्वयं मोटोवाइबिंद की शिकार है। उसकी एक आंख का ऑपरेशन हो चुका है और दूसरी आंख का होना बाकी है। इसके बावजूद वह कुली का काम करना नहीं छोड़ती हैं। सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक बैतूल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों पर दौड़ती-

भागती है। जिससे महीने के 8 से 10 हजार रुपये की आमदनी हो पाती है। इन्हीं चंद रूपयों से वह अपनी जिनगी की खुशियां खरीदती है। लेकिन अब समय के साथ उसके सामने अपना घर बसाने की चुनौती भी है। जिसमें कुली का काम रुकावट बन रहा है। दुर्गा बताती है कि विवाह योग्य उम्र हो चुकी है। कुछ लड़कें पक्ष के लोगों से रिश्तों का बात हुई लेकिन कुली के काम के चलते रिश्ता नहीं हो रहा है। लड़कें पक्ष के लोगों का कहना है कि विवाह तभी होगा, जब वह कुली काम छोड़ देगी। जिसके लिए वह तैयार नहीं है क्योंकि उसके इसी काम से बच्चों की परवरिश जुड़ी हुई है।

दुर्गा कहती है कि यदि मैंने काम छोड़ दिया तो मेरे मां बनने से पहले तीन बच्चों का जीवन संकट में पड़ सकता है और मैं ऐसा नहीं होने देना चाहती। वह कहती है कि अपनी बहनों के बच्चों के जीवन को अंधेरे में छोड़कर वह घर नहीं बसा सकती। हालांकि वह यह भी स्वीकार करती है कि कुछ लड़कें वाले ऐसे भी मिले, जो कुली का काम जारी रखते हुए उसके साथ विवाह के लिए राजी हुए थे, लेकिन दुर्गा को उनकी नीतय पर शक था। इसलिए उसने उन रिश्तों को ठुकरा दिया। दरअसल दुर्गा के पिता मुझा बोरवर स्वयं एक सफल कुली थे और वेनाक स्टेशन पर ही सोसाई देते थे। उनका बिज्ज नंबर-11 था, जो उनकी मृत्यु के बाद उनकी सबसे छोटी बेटी और बैतूल रेलवे स्टेशन की एकमात्र युवा महिला कुली दुर्गा बोरवर के पास आ गई। दुर्गा ने इस बिज्ज नंबर को पाने में काफी मेहनत की है। 2017 में उसके पिता का निधन हो गया था और कुछ महीने के अंतराल में उसकी मां भी चल बसी थी। माता-पिता दोनों ही मेहनती थे। उसकी दोनों बहनों का विवाह उसके पिता कर चुके थे। लेकिन जल्द ही दोनों बहनें विधवा भी हो गईं। दुर्गा की एक बहन रघुवी की मरीज थी, जिसका 2019 में निधन हो गया। उसकी 5 वर्ष की बेटी दुर्गा के पास है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिजवी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-वीं, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित करायक प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।
पोलिटिकल एडिटर: एम.एम. मोहसिन
स्थानीय संपादक
मोहम्मद आलम रिजवी
RNI No UPHIN/2010/31173
टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716
avadhanamahindi@gmail.com

भारत की अद्यक्षता में जी-20 पधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अमृतकाल के विजन से प्रेरित रह, जहां अर्थव्यवस्था और समाज के सभी क्षेत्रों में नारी शक्ति को सराहा जाता है। इस विजन के आधार पर भारत की जी-20 की अद्यक्षता ने पहली बार महिलाओं के विकास की जगह, अपना ध्यान महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर केंद्रित किया। महिला-पुरुष समानता के पक्षधर दशकों से इस महत्वपूर्ण मुद्दे को वैश्विक एजेंडे में सबसे आगे लाने का प्रयास करते आए हैं। उनकी यह यात्रा लंबी और चुनौतीपूर्ण रही है और उन्हें इस रास्ते में अनेक अड़चनों का सामना करना पड़ा है।

जी-20 में महिलाओं को सशक्त बनाने पर सर्वसम्मति

इंदीवर पांडे

वैश्विक राजनीतिक एवं कूटनीतिक परिदृश्य में कुछ क्षण ऐसे भी आते हैं, जो आशा और उन्नति की किरण साबित होते हैं। जी-20 नेताओं का वर्ष 2023 का नई दिल्ली घोषणापत्र भी ऐसी ही एक युगांतकारी घटना है, जो दुनिया भर में महिला-पुरुष समानता तथा लड़कियों और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति ऐतिहासिक प्रतिबद्धता व्यक्त करता है। भारत की अध्यक्षता में जी-20 के नेताओं ने जी-20 महिला मंत्रिस्तरीय सम्मेलन का समर्थन करते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण से संबंधित एक कार्य समूह के गठन पर सहमति प्रकृत की। यह उपलब्धि महिला-पुरुष समानता के महत्व को स्वीकार करने और वैश्विक स्तर पर महिला-पुरुष असमानताओं को दूर करने की तत्काल ध्यान देने योग्य आवश्यकता को गहन रूप से प्रतिबिम्बित करती है।

भारत की अध्यक्षता में जी-20 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अमृतकाल के विजन से प्रेरित रह, जहां अर्थव्यवस्था और समाज के सभी क्षेत्रों में नारी शक्ति को सराहा जाता है। इस विजन के आधार पर भारत की जी-20 की अध्यक्षता ने पहली बार महिलाओं के विकास की जगह, अपना ध्यान महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर केंद्रित किया। महिला-पुरुष समानता के पक्षधर दशकों से इस महत्वपूर्ण मुद्दे को वैश्विक एजेंडे में सबसे आगे लाने का प्रयास करते आए हैं। उनकी यह यात्रा लंबी और

चुनौतीपूर्ण रही है और उन्हें इस रास्ते में अनेक अड़चनों का सामना करना पड़ा है। अपने 2023 के घोषणापत्र में महिला-पुरुष समानता को केंद्रीय विषय के रूप में शामिल करने का जी-20 का सर्वसम्मति निर्णय दुनिया भर के नेताओं, सरकारों, सिविल सोसाइटी और हितधारकों के अथक प्रयासों और अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय दुनिया भर में महिलाओं के समर्थन आने वाले सबसे प्रासंगिक मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए जी-20 और अतिथि देशों तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों और वक्ताओं के अलावा महिला पथप्रदर्शकों, उद्यमियों, नवोन्मेषियों, वैज्ञानिकों, जमीनी स्तर की महिला नेताओं तथा फंटाइन कार्यकर्ताओं, निजी क्षेत्र, सिविल सोसाइटी, शिक्षाविदों, अनुसंधान संस्थानों, रक्षा प्रतिष्ठानों और राज्य सरकारों को एक मंच पर लाया। मंत्रालय द्वारा निर्धारित चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिनमें शिक्षा, महिला सशक्तिकरण के प्रति आमूल-चूल बदलाव लाने वाला मार्ग, महिला उद्यमिता, इकटि और अर्थव्यवस्था के लिए लाभपूर्ण स्थिति, जमीनी स्तर सहित सभी स्तरों पर महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए साझेदारियां करना तथा जलवायु अनुकूलन कार्रवाइयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वालों में महिलाएं और लड़कियां-शामिल हैं। इन सभी प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण के लिए



डिजिटल कौशल एक महत्वपूर्ण विषय रहा है। इन क्षेत्रों पर जी-20 एप्र्यांवर पहल और डब्ल्यू-20 सहभागिता समूह द्वारा चर्चा और विचार-विमर्श किया गया। इन बैठकों के मुख्य निष्कर्षों ने महिला-पुरुष समानता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धताओं को प्रतिबिम्बित किया, जिन्हें महिला सशक्तिकरण पर मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के अध्यक्ष के वक्तव्य में अंगीकार किया गया और अंततः उसे जी-20 नेताओं के घोषणापत्र में पुख्ता स्थान दिया गया।

यह कोई मामूली उपलब्धि नहीं है! अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों के साथ सर्वसम्मति कायम करना और बातचीत करना कठिन कार्य है। विकासशील देशों की दृष्टि से महत्वपूर्ण मुद्दे प्रायः विकसित देशों के साथ समान रूप से प्रतिबिम्बित नहीं होते। प्रतिनिधियों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि जी-20 विमर्श में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और उद्यमिता के निष्कर्षों को जमीनी स्तर की महिला समुदायिक नेताओं को शामिल किए बिना पूरा नहीं किया जा सकता। 'सर्वोत्तम कार्यप्रणाली प्लेबुक' (या बेस्ट प्रैक्टिसेज प्लेबुक) की

क्या सोशल मीडिया प्रयोग के लिए न्यूनतम उम्र होनी चाहिये?

कर्नाटक हाईकोर्ट ने सरकार को सुझाव दिया है कि सोशल मीडिया यूज करने के लिए सही उम्र का निर्धारण आवश्यक है। माननीय कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि जैसे शराब पीने की कानूनी उम्र निर्धारित की गई है वीक उसी तरह सोशल मीडिया को यूज करने के लिए भी उम्र सीमा निर्धारित की जाये। आज के स्कूल जाने वाले बच्चे इसके आदी हो रहे हैं। माननीय न्यायाल को इस टिप्पणी के पश्चात् सोशल मीडिया को लेकर एक नई चर्चा ने



डॉ. अजय मिश्रा

पर सरकार भी सोशल साइट्स से नाराज रही है। अभी तक के सोशल मीडिया के व्यवहार और इतिहास के अनुभव से यह जरूर कहा जा सकता है कि जो चीजें फ्री है वही हमें गुलाम बनाती है। पर किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले कुछ सोशल मीडिया के बारे में भी जानना आवश्यक है।
 दुनियाभर में सोशल मीडिया के तकरीबन 100 छोटे-बड़े प्लेटफार्मों मौजूद हैं जिन्हें यूज करने वालों की मौजूदा संख्या 490 करोड़ है जबकि उनकी कुल आबादी 801 करोड़ के करीब है। वैश्विकस्तर की 60.49 फीसदी आबादी सोशल मीडिया यूज करती है। सोशल मीडिया यूज करने वालों की संख्या वैश्विक

सोशल मीडिया जहां एक तरफ व्यवसायिक रूप से अपनी मजबूत स्थिति विश्वभर में बनाया हुआ है वहीं कूठ ताकतों ऐसी है जो चाहती है की सभी लोग सोशल प्लेटफार्म पर बिजी रहें जिससे उन्हें लाभ हो सकें। सोशल मीडिया का अधिक उपयोग बच्चों की मानसिक स्थिति पर अत्यधिक बुरा प्रभाव डालता है। बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। बच्चों की इसकी लत लग रही है। बच्चों का निजी डेटा लीक हो रहा है। सोशल मीडिया बच्चों में तनाव और अवसाद को तेजी से जन्म दे रही है। आपसी तुलना की भावना तेजी से बढ़ रही है। आपसी सम्बन्धों में भी इसकी वजह से अब दूरी बढ़ रही है। बच्चों में नींद न आने की समस्या में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। बच्चों में मानसिक

स्तर पर वर्ष 2027 तक 585 करोड़ होना अनुमानित है। तीन में से एक व्यक्ति अभी सोशल मीडिया यूज कर रहा है। दुनिया में सबसे अधिक सोशल मीडिया के रूप में प्रयोग फेसबुक का किया जाता है जिसके करीब 303 करोड़ यूजर है। सोशल मीडिया को यूज करने में प्रथम स्थान पर चीन (102 करोड़ यूजर), दुसरें स्थान पर भारत (75.50 करोड़) और तीसरे स्थान पर यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका (30.20 करोड़) है। एक व्यक्ति औसतन 2.35 घंटे सोशल मीडिया प्रतिदिन यूज करता है। यदि हम टॉप 5 सोशल मीडिया प्लेटफार्म की बात करें तो फेसबुक, व्हाट्सएप, यूट्यूब, इन्स्टाग्राम और वीडियो है। भारत में औसतन एक व्यक्ति 11 सोशल मीडिया प्लेटफार्म यूज करता है। वर्ष 2027 तक भारत में सोशल मीडिया यूज करने वालों की अनुमानित संख्या 117.75 करोड़ होगी। वर्तमान में भारत में सोशल मीडिया पहुँच दर 33.4 फीसदी है। दुनियाभर में सोशल मीडिया पर वर्तमान वर्ष में विज्ञापन बाजार 226 बिलियन संभावित है और यह



वर्ष 2027 तक 384.90 बिलियन होगा। यदि हम सोशल प्लेटफार्म की बात करें तो फेसबुक, व्हाट्सएप, इन्स्टाग्राम और यूट्यूब के दुनियाभर में सबसे अधिक यूजर भारत के है। सोशल मीडिया को संचालित करने वाली शक्तियां अत्यधिक मजबूत है जो किसी बड़े बदलाव को आसानी से स्वीकार नहीं करती। सोशल मीडिया जहां एक तरफ व्यवसायिक रूप से अपनी मजबूत स्थिति विश्वभर में बनाया हुआ है वहीं कुछ ताकतों ऐसी है जो चाहती है की सभी लोग सोशल प्लेटफार्म पर बिजी रहें जिससे उन्हें लाभ हो सकें। सोशल मीडिया का अधिक उपयोग बच्चों की मानसिक स्थिति पर अत्यधिक बुरा प्रभाव

डालता है। बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। बच्चों की इसकी लत लग रही है। बच्चों का निजी डेटा लीक हो रहा है। सोशल मीडिया बच्चों में तनाव और अवसाद को तेजी से जन्म दे रही है। आपसी तुलना की भावना तेजी से बढ़ रही है। आपसी सम्बन्धों में भी इसकी वजह से अब दूरी बढ़ रही है। बच्चों में नींद न आने की समस्या में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। बच्चों में मानसिक

जल्दता है। बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। बच्चों की इसकी लत लग रही है। बच्चों का निजी डेटा लीक हो रहा है। सोशल मीडिया बच्चों में तनाव और अवसाद को तेजी से जन्म दे रही है। आपसी तुलना की भावना तेजी से बढ़ रही है। आपसी सम्बन्धों में भी इसकी वजह से अब दूरी बढ़ रही है। बच्चों में नींद न आने की समस्या में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। बच्चों में मानसिक

कितनी है इसका कोई अधिकारिक डेटा अभी उपलब्ध नहीं है। जबकि भारत में कोरोनाकाल से ही स्टडी के नाम पर मामू से बच्चों को सोशल मीडिया साइट पर तेजी से आकर्षित हुए है और अब यह आम बात दिखाई पड़ती है की किसी नाबालिग का सोशल मीडिया अकाउंट हो और जिनका नहीं भी है वह पेरेंट्स के अकाउंट से मौजूद है। कुछ स्टडी के नाम पर तो कुछ जानकारी के नाम पर इससे जुड़े हुए है जबकि यह जमीनी सच्चाई है की सोशल मीडिया आपके लिए तभी सहायक हो सकता है जबकि आप में किसी जानकारी को स्वयं में जज करने की क्षमता हो अन्यथा की स्थिति में अनेकों ऐसे कट्टे उपलब्ध है जो सीधे तौर पर बच्चों के जीवन पर अमित नकारात्मक प्रभाव डालते है। ऐसे में यह आसानी से कहा जा सकता है की सोशल मीडिया साइट्स का उपयोग करने की उम्र सीमा सरकार द्वारा न्यूनतम 21 वर्ष किया जाना वर्तमान परिेश्व में अनिवार्य दिखाई पड़ता है। माननीय कर्नाटक हाईकोर्ट की टिप्पणी सीधेतौर पर देश के प्रत्येक आदमी के भविष्य से जुड़ा हुआ है ऐसे में सरकार को अविचल्य इस पर निर्णय लेकर बच्चों के भविष्य की रक्षा करनी चाहिए। सोशल साइट्स भी विभिन्न तकनीकी चेक्स लगाकर 21 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का सोशल मीडिया प्रयोग वर्जित कर सकती है। किसी भी देश की तरक्की तभी संभव है जबकि वहां के युवा मजबूत हो ऐसे में युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए नियम बनाने के साथ-साथ अनिवार्य पालन कराया जाना भी एक बड़ा बदलाव ला सकता है।

युद्ध नहीं, शांति है जीवन का सौन्दर्य

विश्व शांति दिवस अथवा अंतरराष्ट्रीय शांति और अहिंसा दिवस प्रत्येक वर्ष 21 सितम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस सभी देशों और लोगों के बीच स्वतंत्रता, शांति, अहिंसा और खुशी का एक आदर्श माना जाता है। यह दिवस मुख्य रूप से पूरी पृथ्वी पर शांति और अहिंसा स्थापित करने के लिए मनाया जाता है। पहला शांति दिवस कई देशों द्वारा राजनीतिक दलों, सैन्य समूहों और लोगों की मदद से 1982 में मनाया गया था। इस साल 41वां अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस 21 सितंबर 2023 को बृहस्पतवार के दिन मनाया जा रहा है, इस वर्ष की थीम शांति के लिए कार्यवाइ-वैश्विक लक्ष्यों के लिए हमारी महत्वाकांक्षा है। इस कार्यवाइ का आह्वान हमें शांति को बढ़ावा देने के लिए हमारी व्यक्तिगत और सामूहिक जिम्मेदारी को पहचानना है। शांति को बढ़ावा देने के लिए हमारी व्यक्तिगत और सामूहिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक कर रहा है। शांति को बढ़ावा देने का सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति में योगदान देता है और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने से सभी के लिए शांति की संस्कृति का निर्माण होगा। शांति सभी को प्यारी होती है। अहिंसा एवं शांति जीवन का सौन्दर्य है। इसकी खोज में मनुष्य अपना अधिकांश जीवन न्योछावर कर देता है। किंतु यह काफी निराशाजनक है कि आज इंसान दिन-प्रतिदिन इस शांति एवं अहिंसा से दूर होता जा रहा है। आज डेढ़ वर्ष से लगातार चल रहा रूस-यूक्रेन युद्ध एवं चारों तरफ फैले बाजारवाद ने शांति एवं अहिंसा को व्यक्ति से और भी दूर कर दिया है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है और अनेक देशों की महत्वाकांक्षाएं ऐसे ही युद्ध को अंजाम देने की हैं, इन युद्ध की तमाम आशंकाओं और संभावनाओं के बीच शांति वार्ता की कोशिशें लगातार जिस्टेज होती जा रही हैं। रूस और यूक्रेन युद्ध की दूसरी बड़ी समस्या है की वास्तव में युद्ध यूक्रेन और वास्तविक युद्ध तो पश्चिमी गठबंधन और रूस के बीच चल रहा है, और यह पक्ष तो शांति वार्ता से नदारद ही हैं।

एंटोनियो गुटेरेस ने कहा, 'आज शांति की पहले से कहीं अधिक आवश्यकता है। युद्ध और संघर्ष तबाही, गरीबी और भूख को बढ़ावा दे रहे हैं और लाखों लोगों को अपने घरों से बेघर कर रहे हैं। चारों ओर जलवायु अराजकता है और दुनिया के अधिकांश देश भारी असमानताओं और राजनीतिक पूर्वाकरण की चपेट में हैं।' यह वर्ष-2023 मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा और नरसंहार की रोकथाम और सजा पर कन्वेंशन की 75वीं वर्षगांठ भी है।
 मनुष्य, पशु, पक्षी, कीड़े, मकोड़े आदि सभी जीना चाहते हैं। कोई मरने की इच्छा नहीं रखता। जब कोई मृत्यु चाहता ही नहीं, तो उस पर उसको थोपना कहां का न्याय है। शांति एवं अहिंसा में विश्वास रखने वाले लोग किसी प्राणी को सताते नहीं, मारते नहीं, मारहात करते नहीं, इसी में से अहिंसा एवं शांति का तत्त्व निकला है। अहिंसा है स्वयं के साथ सम्पूर्ण मानवता को ऊपर उठाने में, आत्मपतन से बचने में और उससे किसी को बचाने में। अशांति अंधेरा है और शांति उजाला है। आंखें बंद करके अंधेरे को नहीं देखा जा सकता। इसी प्रकार अशांति से शांति को नहीं देखा जा सकता। शांति को देखने के लिए आंखों में अहिंसा का उजाला आंजने की अपेक्षा है। पृथ्वी, आकाश व सागर सभी अशांत हैं। स्वार्थ और घृणा ने मानव समाज को विखंडित कर दिया है। यंत्र तो 'विश्व शांति' का संदेश हर युग और हर दौर



में दिया गया है, लेकिन विश्व युद्ध की संभावनाओं के बीच इसकी आज अधिक प्रासंगिकता है। विगत अनेक माह से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है और अनेक देशों की महत्वाकांक्षाएं ऐसे ही युद्ध को अंजाम देने की हैं, इन युद्ध की तमाम आशंकाओं और संभावनाओं के बीच शांति वार्ता की कोशिशें लगातार निरन्तर होती जा रही हैं। रूस और यूक्रेन युद्ध की दूसरी बड़ी समस्या है की वास्तव में युद्ध यूक्रेन और रूस के बीच का युद्ध तो है ही नहीं। वास्तविक युद्ध तो पश्चिमी गठबंधन और रूस के बीच चल रहा है, और यह पक्ष तो शांति वार्ता से नदारद ही हैं। आज जब हम शीत युद्ध के बीच अपने को पाते हैं तो उस शीत युद्ध में रूस के साथ-साथ चीन और खड़ा है। और इस अंतराल में चीन सेर का सवा सेर नहीं बल्कि सवा सी सेर बन चुका है। वास्तव में विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही दुनिया को अयुद्ध, शांति एवं अहिंसा के पुनर्निर्माण की जरूरत है। और अगर ये पुनर्निर्माण नहीं किया

गया तो यूक्रेन में घडकता उबाल सिर्फ यूक्रेन को ही नहीं बल्कि कई अन्य देशों को अपनी चपेट में लेगा। अकेले यूक्रेन में शांति से समस्या का समाधान नहीं होगा। यह आग आगे भी यू ही सुलगती रहेगी। सम्पूर्ण विश्व में शांति कायम करना आज संयुक्त राष्ट्र का मुख्य लक्ष्य है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर में भी इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि अंतरराष्ट्रीय संघर्ष को रोकने और शांति की संस्कृति विकसित करने के लिए ही युएन का जन्म हुआ है। संघर्ष, आतंक और अशांति के इस दौर में अमन की अहमियत का प्रचार-प्रसार करना बेहद जरूरी और प्रासंगिक हो गया है। इसलिए अहिंसा एवं शांति का प्रचार-प्रसार करना ही शांति का संदेश दुनिया के कोने-कोने में पहुंचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने कला, साहित्य, सिनेमा, संगीत और खेल जगत की विश्वविख्यात सरकारें प्रतिवर्ष इस दिवस का आयोजन करती हैं। शांति का संदेश दुनिया के कोने-कोने में पहुंचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने कला, साहित्य, सिनेमा, संगीत और खेल जगत की विश्वविख्यात शांति को शांतिदूत भी नियुक्त कर रहा है। भारत अहिंसा एवं शांति को सर्वाधिक बल देने वाला देश है, यहां की रताभर्मा माटी ने अनेक संतपूर्वों, ऋषि-मनीषियों को जन्म दिया है, जिन्होंने अपने त्याग एवं साधनात्मक जीवन से दुनिया को अहिंसा एवं शांति का संदेश दिया। महात्मा गांधी ने अहिंसा एवं शांति पर सर्वाधिक बल दिया। पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने विश्व में शांति और अमन स्थापित करने के लिए पाँच

मूल मंत्र दिए थे, इन्हें 'पंचशील के सिद्धांत' भी कहा जाता है। मानव कल्याण तथा विश्व शांति के आदर्शों की स्थापना के लिए विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक व्यवस्था वाले देशों में पारस्परिक सहयोग के ये पंचशील के पाँच आधारभूत सिद्धांत हैं-एक दूसरे की प्रादेशिक आखंडता और प्रभुसत्ता का सम्मान करना, एक दूसरे के विरुद्ध आक्रामक कार्यवाही न करना, एक दूसरे के आंतरिक विषयों में हस्तक्षेप न करना, समानता और परस्पर लाभ की नीति का पालन करना एवं शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की नीति में विश्वास रखना। माना जाता है अगर विश्व उपरोक्त पाँच बिंदुओं पर अमल करे तो हर तरफ चैन और अमन, अहिंसा एवं शांति का ही वास होगा। 'विश्व शांति दिवस' के उपलक्ष्य में हर देश में जगह-जगह सफेद रंग के कबूतरों को उड़ाया जाता है, जो कहीं ना कहीं 'पंचशील' के ही सिद्धांतों को दुनिया तक फैलाने हैं। एक शायर का निम्न शेर बहुत ही विचारणीय है-लेकर चलें हम पैराम भाईकरां का। ताकि स्वर्थ खून न बहे किसी वतन के रखवाले का। आज कई लोगों का मानना है कि विश्व शांति को सबसे बड़ा खतरा साम्राज्यवादी आर्थिक और राजनीतिक कुचक्रण करते हैं। विकसित देश युद्ध की स्थिति उत्पन्न करते हैं, ताकि उनके सैन्य साजो-सामान बिक सकें। यह एक ऐसा कड़वा सच है, जिससे कोई इंकार नहीं कर सकता। हिंसा एवं अशांति विश्व की एक ज्वलंत समस्या है। अहिंसा एवं शांति ही इस समस्या का समाधान है। भारतीय संस्कृति के घटक तत्वों में अहिंसा भी एक है। यहां सभी धर्मों के साधु-संन्यासी अहिंसा का उपदेश देते रहे हैं।

घूमने का बना रहे प्लान तो जरूर एक्सप्लोर करें मिर्जा गालिब की हवेली



दिल्ली में रहने वाले एक मशहूर शायर, जिन्होंने अंग्रेजों और मुगलों के जमाने में अपना नाम इस कदर रोशन किया कि लोग आज भी उन्हें याद करते हैं। यह शायर अपनी बेबाक शेर-ओ-शायरी के लिए जाने जाते हैं। बता दें कि हम मिर्जा गालिब की बात कर रहे हैं। बताया जाता है कि गालिब की शायरी एक नशे की तरह है। जिसे जितना ही पढ़ा जाए, उतना कम है। गालिब की शायरी को लेकर इश्क, प्यार और मोहब्बत की दास्तां लिखी जा सकती है। हवेली अब म्यूजियम में तब्दील हो चुकी है। बताया जाता है कि बख्शिमरान की इसी हवेली में गालिब ने अपनी जिंदगी की आखिरी रात काटी थी।

गालिब की हवेली का इतिहास

वैसे तो शायर गालिब आगरा के रहने वाले थे। उनका जन्म साल 1797 में काला महल नामक एक जगह पर हुआ था। लेकिन वह महज 11 साल की उम्र में ही दिल्ली आ गए थे। इसके बाद साल 1812 में गालिब ने उमराव बेगम से शादी कर ली। दिल्ली वही जगह है, जहां पर असदुल्ला बेग खां ने गालिब के नाम से शायरी लिखना शुरू किया था। इसलिए कहा जाता है कि गालिब का जन्म दिल्ली में हुआ था। लेकिन यह हवेली 19वीं सदी में गालिब की रहने की जगह थी। उन्होंने यह हवेली खरीदी नहीं थी। बल्कि उनको यह हवेली उधार में मिली थी। कहा जाता है कि इसी घर में गालिब ने आखिरी साल बिताए थे।

हवेली की खासियत

आपको गालिब की हवेली में सिर्फ उनकी शायरी ही नहीं बल्कि गालिब की जिंदगी से जुड़ी चीजों को देखने का भी मौका मिलेगा। हवेली के अंदर जाते ही संगमरमरी बुत पर गालिब की कई किताबें रखी हुई मिलेंगी। इसके अलावा गालिब और उनके परिवार द्वारा इस्तेमाल किए गए बर्तन, सामान और कपड़ों को शोशे के फ्रेम में दिखाया गया है। इसके अलावा हवेली के गलियारे में गालिब की पेंटें हैं। इस पेंटिंग में वह हुक्का पीते हुए दिखाए गए हैं।

हवेली की दीवारों में मिलेंगी शायरियां

कभी आपके किसी दोस्त ने आपको कोई पैरानॉर्मल कहानी सुनाई हो और आप सब फालतू की बातें सुनकर उन पर हंस दिए हों, तो ऐसा करने वाले आप अकेले नहीं हैं। हम अक्सर उन बातों को नहीं मानना चाहते जिसे हमने खुद देखा या महसूस न किया हो। वहीं, कुछ लोगों के लिए यह बहुत थ्रिलिंग हो सकता है। लेकिन अगर हम कहें कि दिल्ली में ऐसी कई जगह हैं, जहां लोगों ने ऐसी पैरानॉर्मल घटनाओं को महसूस किया है, तो क्या आप इस पर यकीन करेंगे। अगर आपको भी पैरानॉर्मल एक्टिविटीज और भूतिया जगहों के बारे में जानने का शौक है, तो जानिए दिल्ली की कुछ ऐसी जगहों के बारे में जिनके साथ कई पैरानॉर्मल कहानियां जुड़ी हुई हैं।

अग्रसेन की बावली

खुबसूरत आर्किटेक्चर की मिसाल इस बावली से कई भूतिया कहानियां भी जुड़ी हुई हैं। तीन मालों में बंदे इस स्टेप वेल के सबसे निचले हिस्से में काले रंग का पानी भरा है, जिसके ऊपर लोहे के रॉड लगे हुए हैं। इसका कारण यह माना जाता है कि कई लोगों ने इस पानी में कूद कर अपनी जान दे दी थी। ऐसा कहा जाता है कि भूतिया शक्तियों के प्रभाव से लोग इस पानी को देखकर हिम्मेत होकर इस पानी में सुसाइड कर लेते थे। इसी कारण से सूज डूबने के बाद यहां एंटी मना है। अगर आप भी यहां जाना चाहते हैं तो सुबह 7 से शाम 6 बजे तक यहां घूम सकते हैं। इसका सबसे नजदीकी मेट्रो स्टेशन बाराखम्बा और जनपथ है।

मलवा महल

जंगलों के बीच मौजूद इस इमारत के बारे में कहानी मशहूर है कि यहां बेगम विलायत और उनके बच्चे रहते थे, लेकिन 1993 में बेगम विलायत ने खुदकुशी कर ली थी और 2017 में बेगम के बेटे प्रिंस रजा मृत मिले थे। जिनके बाद से यह जगह हॉन्टेड जगहों में से एक मानी जाने लगी। ऐसा कहा जाता है कि यहां बेगम विलायत की रूह आज भी भटकती है। थोला कुंआ आंठों का सबसे पास मेट्रो स्टेशन है, जहां से यहां लोकर आप आसानी से यहां पहुंच सकते हैं।

भूली भटियारी का महल

सेन्ट्रल रिजर्व फॉरेस्ट में बनी यह इमारत दिल्ली के सबसे भूतिया जगहों में से एक है। मचला महल की तरह ही फिरोज शाह तुगलक ने यह शिकारगाह बनाया था। इस जगह से जुड़ी कई कहानियां सुनने को मिलती हैं, जिनमें से एक है कि भटियारी जाति की एक महिला रास्ता भटक कर यहां आ गई थी, जिसके बाद उसने यहां रहना शुरू कर दिया था और यहीं उसकी मृत्यु हुई थी, जिसके बाद से यहां उसकी आत्मा भटकती है। यहां शाम के बाद जाना मना है। लेकिन दिन के समय आप इस जगह की खूबसूरती का मजा ले सकते हैं। करोल बाग यहां का सबसे सबसे नजदीकी मेट्रो स्टेशन है।

गालिब की हवेली की दीवारों पर उर्दू और हिंदी में शायरियां लिखी हुई हैं। इसके अलावा दूसरे फेमस शायरों के चित्र भी यहां मौजूद हैं। इस हवेली में आपको उस्ताद जोक, हकीम मोमिन खां मोमिन और अबू जफर आदि के चित्र देखने को मिलेंगे। इसी कारण हर साल 27 दिसंबर को गालिब के जन्मदिन के मौके पर इस हवेली में मुशायरे का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा इस हवेली में रखी हुई गालिब की मूर्ति का साल 2018 में उद्घाटन किया गया था। गालिब की इस मूर्ति को मशहूर मूर्तिकार रामपुरे ने बनाया है।

गालिब की हवेली है राष्ट्रीय धरोहर

भारतीय पुरातत्व विभाग ने गालिब की हवेली को धरोहर घोषित कर दिया है। इस हवेली में मौजूद हर चीज और किस्से को सुरक्षित रखा गया है। आप यहां पर गालिब के बारे में दिलचस्प बातों के बारे में भी जान सकते हैं। जैसे उनको शायरी के अलावा क्या शौक था और गालिब को खाने में क्या पसंद था आदि।

कहां हैं मिर्जा गालिब की हवेली

दिल्ली के चांदनी चौक से सटा इलाका बख्शिमरान की भूलभूलैया जैसी गलियों में एक कासिम जान नामक गली है। उस गली में मस्जिद के पास मिर्जा गालिब की हवेली है। इस हवेली को देखना आपके लिए एक अनोखा अनुभव साबित हो सकता है। सोमवार और सस्कारी छुट्टी वाले दिन यह हवेली बंद रहती है। बाकी के समय आप सुबह 11 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक इस हवेली के दीदार के लिए आ सकते हैं। इस हवेली में घूमने के लिए कोई टिकट नहीं लेना पड़ता है।

कपल्स की फेवरेट है लोटस वैली

जब भी भारत में स्थित सबसे खूबसूरत और फेमस वैली की बात होती है, तो उस लिस्ट में जुकोऊ वैली, पार्वती वैली, वैली ऑफ फ्लावर या नुबा वैली का नाम जरूर शामिल होता है। लेकिन अगर आपसे कहा जाए कि मध्य प्रदेश के सबसे बेहतरीन शहर में एक खूबसूरत वैली है, जिसे देखने के बाद आप अन्य वैली को भूल जायेंगे। तो क्या आपको यकीन होगा। बता दें कि राज्य में स्थित लोटस वैली किसी जगत से कम नहीं है। आज हम आपको लोटस वैली के बारे में बताने जा रहे हैं, साथ ही यह भी जानेंगे कि आप यहां पर कब और

कैसे पहुंच सकते हैं। मध्यप्रदेश की लोटस वैली की खूबसूरती का अंदाजा आप इस बात से भी लगा सकते हैं कि यहां पर घूमने के लिए सिर्फ स्थानीय लोग ही नहीं बल्कि देश के हर कोने से पर्यटक पहुंचते हैं। 300 एकड़ में फैली इस वैली में करोड़ों कमल के फूल खिलते हैं। इस दृश्य को आप निहारते ही रह जायेंगे। हर साल कई किसान इस झील में कमल के फूलों की खेती भी करते हैं। जिसके बाद देश के हर कोने में कमल के फूल बेचे जाते हैं।

हिमाचल व कश्मीर में होने का होगा एहसास

उत्तराखंड, हिमाचल और कश्मीर जैसी जगहों की तरह मध्यप्रदेश की यह वैली किसी जगत से कम नहीं है। लोटस वैली की खूबसूरती की तुलना वैली ऑफ फ्लावर से भी करते हैं। इस खूबसूरत वैली के पास एक बेहद खूबसूरत बांस का बगीचा भी मौजूद है। यहां पर झील के किनारे कई पर्यटक और किसान घूमते नजर आएं। मानसून के दौरान इस वैली की खूबसूरती अपने चरम पर होती है। वैली के पास समराइज और समसेट का नजारा आप कभी नहीं भूलेंगे।

प्री वेडिंग फोटोशूट के लिए बेस्ट है ये जगह

इंदौर में प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए लोटस घाटी को बेस्ट प्लेस माना जाता है। स्थानीय लोग ही नहीं बल्कि दूर-दूर से कपल्स यहां पर प्री-वेडिंग फोटोशूट करवाने के लिए पहुंचते हैं। इस वैली के किनारे झूले बनाए गए हैं। जहां पर कपल्स फोटोशूट करवा सकते हैं। इसके अलावा झील के पास एच ब्रिज की निर्माण किया गया है। इस ब्रिज से लोटस वैली की खूबसूरती देखते ही बनती है।

ऐसे पहुंचें लोटस घाटी

अगर आप भी लोटस वैली जाना चाहते हैं, तो यहां पहुंचना काफी आसान है। आप देश के किसी भी हिस्से से इंदौर पहुंच सकते हैं। फिर इंदौर से आप आसानी से लोटस वैली पहुंच सकते हैं। इंदौर रेलवे स्टेशन से कैब, बस या फिर बस आदि से गुलाबत गांव पहुंच सकते हैं। यशवंत सागर तालाब के बैक वॉटर में लोटस घाटी है।



जमाली कमाली का मकबरा

मेहरोली आर्क ओलॉजिकल पार्क में स्थित यह मकबरा मुगल काल के समय की आर्किटेक्चर की बहुत सुंदर मिसाल है। यहां सूफी संत जमाली और उनके शिष्य कमाली को दफनाया गया था। इस जगह के साथ कहानी मशहूर है कि यहां जिन्न रहते हैं। लोगों ने यहां फुसफुसाने की आवाज और जैसे बगल में कोई खड़ा है ऐसी चीजें महसूस की हैं। इसके सबसे पास ग्रीन पार्क मेट्रो स्टेशन है।

फिरोज शाह कोटला किला

फिरोज शाह तुगलक द्वारा बनवाया गया यह किला आज दिल्ली के सबसे हॉन्टेड जगहों में से एक है। इस जगह के साथ कहानी जुड़ी है कि यहां जिन्नों का बसेरा है और जो लोग इन बातों पर विश्वास करते हैं, वे यहां आकर जिन्न से अपनी प्रॉब्लम का समाधान मांगने के लिए चिट्ठी छोड़कर जाते हैं। यहां का सबसे नजदीकी मेट्रो स्टेशन दिल्ली गेट है।

सूर्य के रथ का पहिया

भारत में कई ऐसे भव्य मंदिर हैं, जो अलग-अलग देवी-देवताओं को समर्पित हैं। ऐसा ही एक खास मंदिर ओडिशा में है, जो सूर्य देव को समर्पित है। यह पहिया ओडिशा के कोणार्क सन मंदिर के कोणार्क व्हील का प्रतिरूप है। कोणार्क सन टेम्पल के नाम से मशहूर यह मंदिर पद्य खेड़ा के नाम से भी जाना जाता है। यह यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट में भी शामिल है। जानिए इस मंदिर से जुड़ी खास बातें और कैसे जा सकते हैं यहां घूमने।

सूर्य देव को समर्पित मंदिर

कोणार्क ओडिशा के गोल्डन त्रिकोण का हिस्सा है, जिसमें भुवनेश्वर और पुरी भी शामिल हैं। इसका निर्माण 1250.४ में राजा नरसिम्हदेव द्वारा करवाया गया था।

इस मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। यह मंदिर देखने में सूर्य देव के रथ की तरह दिखता

है जिसमें 12 जोड़े पहिए हैं और सात घोड़े इसे खींच रहे हैं। कोणार्क व्हील यहां का सबसे मुख्य आकर्षण है। यह सन डायल की तरह काम करता और ऐसा माना जाता है कि यह बिल्कुल सही समय दिखाता है। बारह पहिए साल के बारह महीने दर्शाता है और पहिए के भीतर के आठ डायल दिन के आठ पहर को दर्शाता है। सुंदर कला कृतियों से सजा यह मंदिर आर्किटेक्चर और नक्काशी का अद्भुत उदाहरण है।

ये है मंदिर की खासियत

मंदिर का प्रांगण नृत्य मंडप और जगमोहन में बंटा हुआ है। सुरक्षा कारणों से मंदिर के मुख्य भाग के भीतर प्रवेश करना मना है, लेकिन इसके अलावा भी आप यहां अन्य कई चीजों को देख सकते हैं, जो इस मंदिर को आकर्षक बनाते हैं। मंदिर के बगल के हिस्सों में बारह जोड़े पहिए बने हुए हैं, जिन पर अलग-अलग आकृतियां बनी हुई हैं। हर पहिए पर बनी आकृति का अपना अलग महत्व है।

इसलिए भी खास है मंदिर

इसके अलावा मंदिर की दीवारों पर कई इराॉटिक नक्काशियां भी हैं। इसके साथ यहां पांच गैलरी भी हैं, जहां आर्तिहासिक कलाकृतियां देख सकते हैं। ऑडिटोरियम में एक खास मंदिर के बारे में फिल्म भी दिखाई जाती है। इसके अलावा यहां से पास में ही चंद्रमग बीच और अग्रंग बीच भी है, जहां आप बहुत ही सुंदर सन राइस और सन सेट का मजा लेकर अपनी ट्रिप को और यादगार बना सकते हैं। इसके पास ही बालूखंड कोणार्क वाइल्ड लाइफ सेंचुरी भी है।

कैसे पहुंचें इस मंदिर तक

कोणार्क सन टेम्पल ओडिशा के पुरी जिले में स्थित है। यह ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से लगभग 60 किमी दूर है। बेहद मशहूर टूरिस्ट स्पॉट होने के कारण यहां आवागमन की सुविधाएं आराम से मिल जाती। पुरी तक पहुंचने के लिए ट्रेन या फ्लाइट बुक कर आ सकते हैं। फिर पुरी से बस या टैक्सी लेकर आप आसानी से यहां पहुंच सकते हैं।

क्या है आने का बेस्ट समय

अक्टूबर से फरवरी के बीच का समय यहां आने के लिए सबसे बेस्ट है। समुद्र के पास होने के कारण इस समय यहां का मौसम काफी सुहाना होता है। हालांकि विजिटिंग टाइम सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक का है।

दिल को बनाना चाहते हैं सेहतमंद, तो करें इन फूड आइटम्स को डाइट में शामिल



हार्ट अटैक की बढ़ती समस्या को देखते हुए अपने दिल का खयाल रखना बहुत जरूरी है। खाना और खाने की आदतें आपके दिल की हेल्थ के लिए बहुत जरूरी है, इसलिए इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि आप अपनी डाइट में क्या शामिल कर रहे हैं। आपका खाना कोलेस्ट्रॉल, बीपी जैसी बीमारियों के पीछे का कारण हो सकता है, इसलिए डाइट में हेल्दी फूड आइटम्स को शामिल करना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं कुछ फूड आइटम्स को आपके हार्ट के लिए वरदान साबित हो सकते हैं।

होल ग्रेन

होल ग्रेन जैसे ब्राउन राइस, जौ, होल व्हीट आदि कोलेस्ट्रॉल मैनेज करने में लाभदायक होता है। हालांकि, इस बात का ध्यान रखें कि प्रोसेस्ड ग्रेन न खाएं। ये आपके हेल्थ के लिए नुकसानदायक होता है।

फिश ऑइल

ओमेगा-3 फैटी एसिड दिल को स्वस्थ रखने में काफी मददगार होता है। ये कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड को कम करता है, जो दिल के लिए फायदेमंद होता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड सैल्मन फिश, मैक्रल और ट्यूना में पाया जाता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, केल जैसी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन के होता है, जो हार्ट के लिए फायदेमंद होता है। इसके अलावा इसमें एंटी ऑक्सीडेंट और विटामिन भी होते हैं। ये

सब्जियां ब्लड वेसल के लिए फायदेमंद होती हैं।

डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट ब्लड प्रेशर मेंटेन करने में मदद कर सकता है। इसमें फ्लेवोनॉइड भी होते हैं, जो डाइलैटोजन जैसी बीमारियों को भी दूर रखता है। डार्क चॉकलेट खाते समय इस बात का ध्यान रखें कि ये कम मात्रा में खाएं, क्योंकि इसमें शुगर भी होता है।

अखरोट

अखरोट कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकता है। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड और फाइबर भी होता है, जो दिल के लिए लाभदायक होता है।

बेरी

बेरीज में एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं। ये आपकी आर्टरी के



लिए

वजन घटाने से लेकर कैविटी दूर रखने तक, चीज खाने से मिलते हैं 5 फायदे

हम में से कई लोगों को चीज काफी पसंद होता है। पिज्जा हो या सैंडविच लोग बड़े चाव से इसे खाते हैं। यह व्यंजनों के स्वाद को बढ़ाकर उन्हें और भी लजीज बना देता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्वादिष्ट होने के साथ ही यह सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जो अक्सर वह सोचते हैं कि इसे खाने से सिर्फ नुकसान होगा, तो आप गलत हैं। हाल ही में सामने आई स्टडी में चीज के फायदों के बारे में नया खुलासा हुआ है। दरअसल, मल्टीडिसिप्लिनरी डिजिटल पब्लिशिंग इंस्टीट्यूट (एमडीपीआई) के न्यूट्रिस्ट्स जर्नलमें प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक रोजाना चीज खाने से बढ़ती उम्र में कॉग्निटिव हेल्थ बेहतर करने में मदद मिलती है। इसी क्रम में आज जानते हैं चीज के कुछ अन्य फायदों के बारे में-

ब्लड प्रेशर कम करे

मेडिकल न्यूज टूडे के मुताबिक जो लोग नियमित रूप से चीज खाते हैं, उनका रक्तचाप कम होता है। इसमें कैल्शियम की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है, जो ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है। ऐसे में हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए चीज बेहद फायदेमंद है।

हड्डियों को मजबूत बनाए

चीज में मौजूद कैल्शियम, प्रोटीन, मैग्नीशियम, जिंक और विटामिन ए, डी और के हड्डियों के बेहतर विकास में मदद करते हैं। यह बच्चों और युवा वयस्कों में स्वस्थ हड्डियों के विकास अीर

ऑस्टियोपोरोसिस की रोकथाम में भी कारगर साबित होगा।

वजन कम करे

कई अध्ययनों से पता चला है कि हाई बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) वाले व्यक्तियों में कैल्शियम का स्तर कम होने की संभावना अधिक होती है। ऐसे में कैल्शियम का एक अच्छा स्रोत होने की वजह से चीज वजन घटाने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

दांतों को हेल्दी बनाए

चीज आपके दांतों की सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है। दरअसल, दांतों को मजबूत और हेल्दी बनाने में कैल्शियम महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और चीज कैल्शियम का एक अच्छा स्रोत है। साथ ही एक स्टडी में यह भी सामने आया है कि चीज खाने से दांतों में कैविटी से सुरक्षा मिलती है। चीज हेल्दी दांतों के बैक्टीरिया को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। साल



चीज के फायदे

2015 में प्रकाशित हुए एक छोटे अध्ययन के अनुसार, इसका ब्लड कोलेस्ट्रॉल के लेवल पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

वजन बढ़ने की समस्या से हैं परेशान, तो करें इन फूड आइटम्स को डाइट में शामिल

वजन घटाना एक लंबा सफर होता है, जिसमें आपको बहुत धैर्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए। नेट कम करने लिए हम



कई किंगडम और न जाने क्या-क्य, लेकिन अक्सर ही वजन कम करने के लिए लोग खाना छोड़ देते हैं, जो सेहत के लिए बेहद हानिकारक होता है।अधिक वजन होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे जंक फूड, स्ट्रेस, जेनेटिकल या कोई मेडिकल कंडीशन आदि। खाना छोड़ने के कारण वजन कम होने के बदले बढ़ भी सकता है और आपकी सेहत पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है और आपकी सेहत पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है, जो आपकी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जो आपकी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है और आप इसे खाने के बाद पेट फूल भी महसूस करते हैं। इसकी वजह से आप बार-बार खाने से बचते हैं और आपका वजन नहीं बढ़ता।

कारण से कई देर तक आपका पेट भरा रहता है और आपको जल्दी नेबारा भूख नहीं लगती। इसके अलावा इसमें कैल्शियम और फास्फोरस भी होता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, केल, पत्ता गोभी जैसी सब्जियों में मिनरल्स और फाइबर होते हैं, जो आपके शरीर में इन पोषक तत्वों की कमी नहीं होने देते। इसके साथ ही ये आपकी भूख को भी कंट्रोल करते हैं, जिस कारण आप ओवर ईटिंग से बच सकते हैं और आपका वजन नहीं बढ़ता।

नट्स और सीड्स

नट्स और सीड्स में कई फैट, फाइबर और प्रोटीन होते हैं। ये आपके मेटाबॉलिज्म को भी हेल्दी रखता है और आपका नेट कम करने में मदद कर सकता है।

फिश

सी फूड होने के कारण इसमें आयोडीन की मात्रा अधिक होती है, जो थायरॉइड ग्लैंड के लिए लाभदायक होता है, जो मेटाबॉलिज्म ठीक रखता है। इसके अलावा इसमें प्रोटीन और ओमेगा-3 भी होता है, जो आपकी हेल्थ के लिए फायदेमंद है।

लीन प्रोटीन

चिकन, टर्की, दाल, बीन्स लीन प्रोटीन का स्रोत होते हैं। ये काफी देर तक आपके पेट को भरा रखता है और आपकी भूख को भी कंट्रोल करता है।

एवोकाडो

इसमें फैट, फाइबर और काफी मात्रा में पानी मौजूद होता है, जो आपकी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है और आप इसे खाने के बाद पेट फूल भी महसूस करते हैं। इसकी वजह से आप बार-बार खाने से बचते हैं और आपका वजन नहीं बढ़ता।

जल विवाद को लेकर हुई बैठक, कर्नाटक को तमिलनाडु के लिए 5000 क्यूसेक पानी छोड़ने का आदेश

नई दिल्ली। कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कावेरी नदी के जल को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। कावेरी नदी जल बंटवारा विवाद के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री

के डिटी सीएम डीके शिवकुमार, उनके राज्य के सांसद और मंत्री शामिल होंगे। इस बीच, कर्नाटक सरकार के दिल्ली विशेष प्रतिनिधि टीबी जयचंद्र पहले ही नई दिल्ली पहुंच चुके

ने कावेरी जल विवाद पर सर्वदलीय बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, हमारे पास पानी नहीं है, इसलिए हम सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार पानी छोड़ने की स्थिति में नहीं हैं। सर्वदलीय



हैं और कल होने वाली महत्वपूर्ण बैठक के लिए कर्नाटक भवन में प्रारंभिक चर्चा कर रहे हैं। बैठक में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने वाले केंद्रीय मंत्री, राज्य के लोकसभा सदस्य और राज्यसभा सदस्य शामिल होंगे। इससे पहले पिछले हफ्ते कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा था कि राज्य सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार अपने पड़ोसी राज्य तमिलनाडु को पानी छोड़ने की स्थिति में नहीं है। पिछले 100 वर्षों की तुलना में हमें अगस्त में बारिश की भारी कमी का सामना करना पड़ा है। सिद्धारमैया

बैठक के बाद सिद्धारमैया ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को पत्र लिखने और दिल्ली में कर्नाटक के सभी सांसदों और मंत्रियों से मिलने का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा, हमने भारत के प्रधानमंत्री और जल संस्थान मंत्री को भी पत्र लिखने का फैसला किया है कि हम एक प्रतिनिधिमंडल में आ रहे हैं, कृपया हमें एक तरीक बताएं। हम दिल्ली जाकर वहां के सभी सांसदों और मंत्रियों से मिलने की सोच रहे हैं जो कर्नाटक से हैं।

समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष पर अधीर रंजन ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली। लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बुधवार (20 सितंबर) को दावा किया कि नए संसद भवन में जाने से पहले सांसदों को संविधान की जो नई प्रतियां सौंपी गईं, उनकी प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं था।

अधीर रंजन चौधरी ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा, 'संविधान की जो नई प्रतियां 19 सितंबर को हमें दी गईं, उसकी प्रस्तावना में 'समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष' शब्द नहीं है। यह प्रतियां हम अपने हाथों में लेकर नए संसद भवन में दाखिल हुए। हम जानते हैं कि यह शब्द साल 1976 में एक संशोधन के बाद जोड़े गए थे, लेकिन अगर आज कोई हमें संविधान देता है और उसमें ये शब्द नहीं हैं, तो यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, सरकार की मंशा संदिग्ध है। यह बड़ी चतुर्दास से किया गया है। यह मेरे लिए चिंता का विषय है। मैंने इस मुद्दे को उठाने की कोशिश की लेकिन मुझे इस मुद्दे को उठाने का मौका नहीं मिला।' बता दें कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल के दौरान 1976 में संविधान के 42वें संशोधन के हिस्से के रूप में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द प्रस्तावना में जोड़े गए थे। संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेखवाल ने अधीर रंजन चौधरी के बयान पर कहा, जब संविधान का मौसौदा तैयार किया गया था, तो यह ऐसा था। बाद में एक संशोधन किया गया था। यह (जो सांसदों को दी गई है) मूल प्रति है। हमारे प्रवक्ता ने इसका जवाब दिया है। पुराने संसद भवन में विशेष सत्र का दूसरा दिन बुलाया गया, जो इस भवन में चर्चा का आखिरी दिन था।



अगला चुनाव सिक्किम को कुशासन से बचाने का आखिरी मौका..., असेंबली इलेक्शन पर पूर्व सीएम चामलिंग बोले

गंगटोक। सिक्किम में अगले विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। विपक्ष और राज्य सरकार रैलियों और समारोह में भाग लेकर जनता को आगाह करने का काम कर रहे हैं। राज्य की बेहतरी किस सरकार के होने से होगी इसके बारे में जनता को बताया जा रहा है। इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव सिक्किम को तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी एसकेएम के कुशासन से बचाने का आखिरी मौका होगा। चामलिंग ने एसडीएफ कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने और हर निर्वाचन क्षेत्र में लोगों तक पहुंचने का आह्वान किया है। चामलिंग ने राज्य के एक समारोह में कहा, 'हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) जीते ताकि हमारा राज्य बच जाए। सिक्किम में विधानसभा चुनाव 2023 के अंत में या अगले साल की शुरुआत में होने हैं। पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग ने कहा कि अगला विधानसभा चुनाव शायद सिक्किम को प्रेम सिंह तमांग

सरकार के कुशासन से बचाने का आखिरी मौका होगा... सत्तारूढ़



सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) से मुकाबला करने के लिए एक बड़े पैमाने पर टीम प्रयास की आवश्यकता होगी। चामलिंग ने कहा, 'तैयारी के लिए बहुत कम समय उपलब्ध है और पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों के बीच जाना चाहिए और उनसे राज्य के सामने आने वाले मुद्दों के बारे में बात करनी चाहिए।'

दिल्ली-एनसीआर में आज बारिश का अनुमान, ओडिशा व बंगाल के अलावा इन राज्यों के लिए अलर्ट

नई दिल्ली। देश में बीते कई दिनों से बारिश हो रही है। कई राज्यों में स्थिति ऐसी है कि भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। इस बीच मौसम विभाग ने देश के कई राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है। गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश संभत कई राज्यों में अगले कुछ दिनों में बारिश की संभावना जताई है। दिल्ली-हरद्वार में आज बादल छाए रहेंगे। साथ ही कई क्षेत्रों में बूढ़ाबादी होने के आसार हैं। देशभर में पिछले 24 घंटों के दौरान भारी वर्षा दर्ज की गई। सौराष्ट्र और कच्छ में 30 सेमी और गुजरात के राधनपुर में 19 सेमी वर्षा हुई है। दूधखे ने बारिश से होने वाले जल भयव के कारण कच्छ रास्ते वाले क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी है। मौसम विभाग के मुताबिक, केरल में कई स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गई। पटनमथिद्र जिला के वेंकुरिजी और तिरुवनंतपुरम जिला के वरकला में 9 से 8 सेमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, कोकण में भी विभिन्न स्थानों पर भारी

नागालैंड के त्सेमिन्यु जिले में मालवाहक वाहन की चपेट में आने से खाई में गिरी एसयूवी कार, 8 की दर्दनाक मौत

कोहिमा। नागालैंड के त्सेमिन्यु जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। बुधवार को एक मालवाहक वाहन की

हुई। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। मृतकों में तीन



चपेट में आने से एक एसयूवी कार खाई में गिर गई, जिससे 8 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना राजधानी कोहिमा से लगभग 65 किलोमीटर दूर के स्टेशन के पास बुधवार सुबह हुई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक भी सड़क में फिसल गया और एसयूवी के ऊपर खाई में गिर गया। एसयूवी कोहिमा से मोकोकचुंग की ओर जा रही थी, तभी यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में सात लोगों की मौतें पर ही मौत हो गई, जबकि एक की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत

महिलाएं भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में नागालैंड कर्मचारी चयन बोर्ड (एनएसएसबी) की परीक्षा पास की थी। तीनों महिलाओं को ग्रेड-3 कर्मियों के रूप में सरकारी सेवा में शामिल होने के लिए नियुक्ति पत्र भी मिली था। गौतलब है कि 4 जुलाई को नागालैंड के दीमापुर जिले के चुमुकेदिमा में भूस्खलन की चपेट में एक कार आ गई थी। दरअसल, बारिश के दौरान पहाड़ से एक पत्थर खिसककर नीचे सड़क पर खड़ी एक कार के ऊपर गिर गया था। पत्थर ने कार को पूरी तरह से कुचल दिया था।

भारत पर टूटो के आरोपों के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सरकार का समर्थन किया

नई दिल्ली। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूटो ने सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की सलिसता के आरोप लगाए।

दिया। सांसद गौरव गोगोई ने कनाडा की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जगमीत सिंह के एक सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे कनाडा

पिछले कुछ सालों में एक विचित्र मोड़ आया है। यह प्रधानमंत्री पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार का बयान है। यह दिखाता है कि कैसे स्थानीय वोटों को बढ़ावा देना अंतरराष्ट्रीय मंच पर किसी देश के रणनीतिक हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। कनाडा को ऐसे बयान देने से बचना चाहिए। वहीं, खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की कथित हत्या में शामिल होने के लिए भारत पर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूटो के आरोपों पर कटाक्ष करते हुए, कनाडा के विपक्षी नेता पियरे पोइलिवरे ने कहा है कि टूटो सभी तथ्यों के साथ सफाई देनी चाहिए। मंगलवार को एक मीडिया संबोधन में, पोइलिवरे ने कहा, 'मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री टूटो को सभी तथ्यों के साथ स्पष्ट रूप से सामने आने की जरूरत है। हमें सभी संभावित सबूतों को जानने की जरूरत है ताकि कनाडाई उस पर निर्णय ले सकें।'



दिया। उन्होंने इसका पूर्ण समर्थन करते हुए कहा कि लैंगिक न्याय के लिए यह हमारे समय की सबसे परिवर्तनकारी क्रांति होगी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हमने स्थानीय निकाय चुनाव में महिलाओं के लिए न्यूनतम 33 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित किया है। राज्य विधानसभाओं और राष्ट्रीय संसद में महिलाओं के लिए समान आरक्षण प्रदान करने का प्रस्ताव अब आकार ले रहा है, जो कि हमारे समय की सबसे परिवर्तनकारी क्रांति होगी। बता दें कि महिला आरक्षण बिल मंगलवार को नए संसद भवन में पेश किया जाने वाला पहला बिल था। आज इस बिल को लेकर सदन में बहसा-बहसी चल रही है। बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जिस बैठक में शामिल हुई हैं, वह 20 से 21 सितंबर तक चलनेवाली है। इसे राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा एशिया प्रशांत फोरम के सहयोग से 20-21 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर ग्लोबल अलयांस ऑफ नेशनल ह्यूमन राइट्स इंस्टीट्यूट्स की सचिव अमीना बौयाच और एपीएफ के अध्यक्ष डू-ह्वान सोन और एएनएआरसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा भी उपस्थित थे। सदस्य देशों के साझा हित के मुद्दों पर चर्चा के लिए एपीएफ बुधवार को अपनी 28वीं वार्षिक आम बैठक भी आयोजित करेगा। एनएनएआरसी ने पहले कहा था कि सम्मेलन में भारत और विदेश से 1,300 से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है।

भारत पर आरोप लगाकर अपने घर में ही घिरे जस्टिन टूटो, विपक्षी नेता बोले- तथ्यों के साथ सफाई दें पीएम

ओटावा। कनाडा के पीएम जस्टिन टूटो ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर

की जरूरत है। हमें सभी संभावित सबूतों को जानने की जरूरत है

विवाद

भारत पर लगाए गए टूटो के इन आरोपों पर विवाद धमने का नाम नहीं ले रहा है।



की कथित हत्या में भारत की सलिसता की बात कही थी। भारत पर लगाए गए टूटो के इन आरोपों पर विवाद धमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रधानमंत्री जस्टिन टूटो के आरोपों पर कटाक्ष करते हुए कनाडा के विपक्षी नेता पियरे पोइलिवरे ने कहा है कि उन्हें सभी तथ्यों के साथ सफाई देनी चाहिए। मंगलवार को एक मीडिया संबोधन में पोइलिवरे ने कहा, 'मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री को सभी तथ्यों के साथ स्पष्ट रूप से सामने आने

ताकि कनाडाई उस पर निर्णय ले सकें। पोइलिवरे ने इस मामले में टिप्पणी तब की जब मीडिया ने उनसे सवाल में पूछा कि एक भारतीय राजनयिक को कनाडा द्वारा निष्कासित किए जाने के बाद और क्या किया जाना चाहिए। पोइलिवरे ने कहा, प्रधानमंत्री ने कोई तथ्य नहीं दिया है। उन्होंने एक बयान दिया है। मैं सिर्फ इस बात पर जोर दूंगा कि उन्होंने मुझे निजी तौर पर उतना कुछ नहीं बताया जितना उन्होंने सार्वजनिक

पूर्वी चीन में आया बवंडर, हादसे में 5 लोगों की मौत; 137 घर हुए नष्ट

बॉजिंग (चीन)। पूर्वी चीन में आए बवंडर से पांच लोगों की मौत हो गई। इस दौरान चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। इस घटना की जानकारी बुधवार को सरकारी मीडिया ने दी। शाम करीब 5:20 बजे जियांग्सू प्रांत के सुकियान शहर के कुछ हिस्सों में बवंडर आया। राज्य प्रसारक सीसीटीवी ने मंगलवार को कहा।

इस बवंडर के कारण 137 घर नष्ट हो चुके हैं। इसके साथ ही बवंडर के दौरान फसल भूमि और सुअर फार्मों को भारी नुकसान पहुंचा है। पूर्वी चीन में आए बवंडर की एक वीडियो ऑनलाइन पोस्ट की गई है। जिसमें साफ देखा जा सकता है कि कई कारें डूब-उधर फेंकी हुई दिखाई दे रही हैं। वहीं, इस दौरान कई कारें पलटी हुई भी दिख रही हैं। चीन में बवंडर दुर्लभ है लेकिन हाल के वर्षों में जियांग्सू में इससे मौतें हुई हैं। पिछले साल बवंडर में प्रांत में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और 2021 में चार लोगों की मौत हो गई।

वेलिंग्टन

न्यूजीलैंड में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.0 रही है। समाचार एजेंसी राउटर ने न्यूजीलैंड की भूकंप एजेंसी जियोनेट के हवाले से बताया कि गुरुवार को न्यूजीलैंड के दक्षिण द्वीप

भूकंप के झटकों से हिला न्यूजीलैंड, घरों से बाहर निकले लोग; 6.0 रही तीव्रता

इसकी गहराई 11 किमी नीचे थी। भूकंप एजेंसी जियोनेट ने बताया कि करीब 14,000 से अधिक लोगों ने भूकंप के तेज झटके महसूस होने की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि भूकंप के झटके ऑकलैंड तक महसूस किए गए हैं। एक किसान

सारा हसी ने बताया कि उन्होंने भूकंप के तेज झटकों को महसूस किया। ये भूकंप पहले आए भूकंपों की तुलना में अधिक शक्तिशाली था। उन्होंने बताया कि इससे कोई नुकसान नहीं

हुआ है। वहीं, डिटी मेयर स्कॉट शैनन ने बताया कि तत्काल कोई नुकसान की रिपोर्ट नहीं मिली है। बता दें कि साल 2011 में 6.3

तीव्रता का भूकंप आया था। जिसमें 185 लोगों की मौत हो गई थी। सबसे ज्यादा नुकसान क्राइस्टचर्च में हुआ था।

अमेरिका में दो भारतीय नागरिकों को 41 महीने की सजा, रोबोकॉल घोटाले में थे शामिल

वॉशिंगटन। अमेरिका में रोबोकॉल घोटाले में दो भारतीय नागरिकों को 41 महीने की सजा सुनाई गई है। अमेरिका के एक अदालत ने बताया कि दो भारतीय नागरिकों को पीड़ितों से 1.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर को अवैध रूप से लेने के मामले सजा सुनाई गई है। अदालत फिलिप सैलिंगर ने बताया कि अरुशोबाइक मित्रा और गरबिता मित्रा को अमेरिकी जिला न्यायाधीश ने धोखाधड़ी की साजिश के एक मामले में दोषी ठहराया था। दोषियों ने लोगों को शिकार बनाया और उनसे पैसे ऐंठे थे। उन्होंने कॉल सेंटर की मदद से अमेरिकी नागरिकों और बुजुर्गों को निशाना बनाया था। जानकारी के अनुसार, रोबोकॉल कर पीड़ितों के साथ संपर्क बनाया जाता था और इसके बाद उनसे पैसे ऐंठे जाते थे। आरोपियों ने पीड़ितों से ठगी के लिए कई योजनाओं का भी सहारा लिया था। जिसमें सामाजिक सुरक्षा या फिर एजेंसियों का अधिकारी बताकर उनके साथ ठगी की जाती थी। यही नहीं उनके द्वारा पीड़ितों को उनकी बात नहीं मानने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी जाती थी।

लास वेगास में 2 किशोरों पर घातक हिट-एंड-रन के लिए हत्या का आरोप, लास वेगास। लास वेगास में एक साइकिल चालक को निशाना बनाने और सड़क के किनारे पैडल मारते हुए उस व्यक्ति पर हमला करने के क्षण का वीडियो बनाने के लिए दो किशोरों पर हत्या का आरोप लगाया गया है। इसकी जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी। पुलिस के अनुसार, किशोर 14 अगस्त को कम से कम तीन हिट-एंड-रन में शामिल थे। बेल, कैलिफोर्निया के पूर्व पुलिस प्रमुख 64 वर्षीय एंड्रियास रेने प्रोबस्ट को आखिरी विक्रम माना गया। सामने की यानी सीट से शूट किए गए वीडियो में वाहन को पीछे से प्रोबस्ट की ओर आते हुए देखा जा सकता है। जैसे ही कार में बैठे लोग हंस्टे हैं, वाहन प्रोबस्ट की ओर बढ़ता है और फिर साइकिल को टक्कर मारता है, जिससे प्रोबस्ट हड़ पर और विंडशील्ड में जा टकरा जाता है।

लीबिया में आई बाढ़ में लोगों ने अपनों को खोया, अब भी कई हजार लोग हैं लापता

डेना (लीबिया)। बीते दिनों लीबिया में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण कई लोगों की मौत हो चुकी

23 वर्षीय लॉ ग्रेजुएट अपनी मां और अपने बड़े भाई के साथ ऊपर की ओर भागा। जल्द ही, पानी की तेज धार उनके बगल की इमारतों को

विभाजित करने वाली संकरी घाटी में फैले दो बांध ढह गए। आपदा के 10 दिन बाद, अल-हसादी और हजारों अन्य लोग डेना में ही हैं,



तबाही अल-हसादी ने अपने शहर में आई भीषण बाढ़ का जिक्र करते हुए एक फोन साक्षात्कार में कहा, हमने तबाही की भयावहता देखी। हमने अपने पड़ोसियों के शवों को बाढ़ में बहते देखा है। भूमध्यसागरीय तूफान डेनियल से हुई भारी बारिश के कारण शहरों में

बहा ले गईं। अल-हसादी ने अपने शहर में आई भीषण बाढ़ का जिक्र करते हुए एक फोन साक्षात्कार में कहा, हमने तबाही की भयावहता देखी। हमने अपने पड़ोसियों के शवों को बाढ़ में बहते देखा है। भूमध्यसागरीय तूफान डेनियल से हुई भारी बारिश के कारण शहरों में

उन्में से अधिकांश रिश्तेदारों और प्रियजनों के बारे में किसी भी तरह की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। हसादी के 290 रिश्तेदार अभी भी लापता हैं। अधिकारियों का कहना है कि बाढ़ से शहर का एक चौथाई हिस्सा जलमग्न हो गया है। खोज टीमों के अनुसार, हजारों लोग मारे

गए हैं और कई शव अभी भी मलबे के नीचे या समुद्र में दबे हैं। सरकारी अधिकारियों और सहायता एजेंसियों ने मृतकों की अलग-अलग संख्या बताई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि अस्पतालों में कुल 3,958 मौतें दर्ज की गई हैं, लेकिन लीबिया के रेड क्रिसेंट के प्रमुख द्वारा दी गई पिछली मौत के आंकड़े में कहा गया था कि कम से कम 11,300 लोग मारे गए थे। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय का कहना है कि कम से कम 9,000 लोग अभी भी लापता हैं। रेड क्रॉस की अंतराष्ट्रीय समिति के प्रवक्ता बर्शीर उमर ने कहा कि मरने वालों की संख्या हजारों में है, लेकिन उन्होंने निकाले गए शवों की संख्या के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं दी, क्योंकि पुनर्जाति प्रयास में कई समूह शामिल हैं।

चिंताजनक है कनाडा से आ रही रिपोर्ट, भारत और कनाडा विवाद पर बोले ब्रिटिश सांसद

लंदन। कनाडा के पीएम जस्टिन टूटो द्वारा भारत पर लगाए गए आरोपों पर विवाद धमने का नाम नहीं ले रहा है। भारत और कनाडा के बीच बढ़ते तनाव पर अब ब्रिटिश लेबर पार्टी के सांसद ने प्रतिक्रिया दी है। ब्रिटिश लेबर पार्टी के सांसद तनमजौत सिंह ने कहा कि कनाडा से जो रिपोर्ट सामने आ रही है वो चिंताजनक है।

सिंह निज्जर की हत्या मामले को लेकर कनाडा के पीएम जस्टिन

हरदीप सिंह निज्जर की हत्या



ब्रिटिश लेबर पार्टी के सांसद तनमजौत सिंह देसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कनाडा से चिंताजनक रिपोर्ट सामने आ रही हैं। कई सिखों ने उनसे संपर्क किया है जो परेशान और भयभीत हैं। उन्होंने आगे बताया कि कनाडा के पीएम टूटो ने कहा कि वे अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और देश में न्याय सुनिश्चित करने के लिए ब्रिटेन सरकार के संपर्क में हैं। बता दें कि खालिस्तानी नेता हरदीप

दूटो ने भारत पर आरोप लगाए। उन्होंने कनाडा की संसद में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि इस मामले में भारत का हाथ हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कनाडा सरकार इस मामले में किसी अन्य देशों की सलिसता को बर्दाश्त नहीं करेगी। हालांकि, भारत ने कनाडा के आरोपों को सिरे से खारिज किया।

मामले को लेकर भारत के राजनयिक को बर्खास्त कर दिया था, जिसके बाद भारत ने भी इस मामले की गंभीरता को देखते हुए कनाडा के राजनयिक को तलब किया और उन्हें बर्खास्त करते हुए पांच दिनों के भीतर देश छोड़ने को कहा है। वहीं, इस मामले में दुनियाभर के कई नेताओं ने चिंता व्यक्त की है।

महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान की रक्षा सिर्फ समाजवादी पार्टी ही कर सकती है: रीबू

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। समाजवादी महिला सभा की जिला कार्यकारिणी कमेटी घोषित किया गया। मुख्य अतिथि समाजवादी महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रिबू श्रीवास्तव रही।

नवनियुक्त पदाधिकारी को संबोधित करते हुए कहा है कि महिलाओं का सम्मान स्वाभिमान की रक्षा सिर्फ समाजवादी पार्टी ही कर सकती है भाजपा सरकार महिलाओं को अपमान किया महिला सुरक्षित नहीं है, आये दिन महिलाओं पर हो रहे अत्याचार, बलात्कार, हत्या जैसी घटना आम हो गयी है भाजपा सरकार



द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किया जाता बल्कि दोषियों की मदद किया जाता है। भाजपा ने विकास के दावे तो बहुत किए पर जमीन पर उसकी कहीं छाया तक नहीं दिखाई देती है। भाजपा का एजेण्डा जनता के हितों और समस्याओं से संबन्धित नहीं होता है। नतीजतन महंगाई और भ्रष्टाचार बढ़ने से हर ओर अराजक स्थिति पैदा हो रही है। हर कोई परेशान है। जनहित

में कोई कदम उठाने के बजाय भाजपा अपने पुराने वादों और अपनी अकर्मण्यता को छुपाने के लिए नए तमारे और इवेंट करती रहती है ताकि जनता उनकी चकाचौंध में बहकी रहे।

भाजपा की डबल इंजन सरकार जनहित में कोई काम नहीं कर रही है। वह सत्ता में बने रहने के लिए पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने वाली

योजनाओं को ही लागू कर रही है। भाजपा सरकार समाजवादी सरकार के कामों को विनाश करने जा रही कर अपना बताने में लगी है।

अध्यक्षता करते निवर्तमान जिलाअध्यक्ष डॉ अवधनाथ पाल ने कहा महिलाएं अब जाग गई है भाजपाई खेल तमारे से बहकने और भटकने वाली नहीं है। वह सन् 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को उसके झूठे वादों की याद न केवल दिलाएगी बल्कि झूठे वादे करने वाली भाजपा सरकार को भी हटायेंगी। वहीं महिला सभा की जिलाअध्यक्ष शर्मिला यादव ने सभी पदाधिकारियों का स्वागत किया।

फैशन शो में विजेताओं को डीएम ने किया सम्मानित



अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने आज हरिऔध कला केन्द्र आजमगढ़ में फोटो एक्सपोज़न द्वारा गलायी गयी फोटो गैलरी का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा फोटो गैलरी का अवलोकन किया गया। फोटो गैलरी में जनपद के प्रमुख व ऐतिहासिक स्थलों तथा पिछले कुछ वर्षों में निर्मित किये गये मंदूरी एयरपोर्ट, पूर्वांचल एक्सप्रेस वे, सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़, गोरखपुर लिंग एक्सप्रेस वे, राजकीय मेडिकल कालेज आजमगढ़ आदि से संबंधित जानकारीयों को फोटोग्राफ के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। यह फोटो गैलरी दिनांक 24 सितम्बर तक आज जमानस से खुली रहेगी।

जिलाधिकारी ने जनपद वासियों से अपील किया कि हरिऔध कला केन्द्र आजमगढ़ में लगायी गयी फोटो गैलरी में आकर इसका लाभ उठाये। इसी के साथ ही हरिऔध कला केन्द्र के ऑडिटोरियम में महिला कल्याण विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अन्तर्गत 5 से 12 साल तक के बच्चों के मध्य फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके उपरान्त विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में आकांक्षा समिति आजमगढ़ द्वारा फैशन शो का आयोजन किया गया। जिसमें बहुत सी महिलाओं द्वारा अपने द्वारा रचित फैशन का प्रदर्शन किया गया। इसके उपरान्त आकांक्षा समिति द्वारा नूतन जो का हिन्दी स्टोरी टेलिंग का आयोजन किया गया।

वामपंथी दलों ने तहसील लालगंज में विशाल धरना प्रदर्शन आयोजित किया

लालगंज, आजमगढ़। वामपंथी दलों ने देश में बढ़ती हुई महंगाई, बेरोजगारी व संविधान की सुरक्षा को लेकर तहसील लालगंज में विशाल धरना प्रदर्शन आयोजित किया। वक्ताओं ने कहा कि देश में डबल इंजन की सरकार को कोसते हुए कहा कि यह सरकार विपक्ष को हर हाल में कमजोर करना चाहती है। महंगाई पर इसका कोई नियंत्रण नहीं है, जो इनके खिलाफ आवाज उठाता है वह सरकारी मशरनी का दुरुपयोग करते हैं ऐसी सरकार को जनता 2024 में उखाड़ फेंकना चाहती है। तहसील और जिला में भ्रष्टाचार बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश सरकार हर मोर्चे पर विफल है। प्रदेश में अपराध महंगाई चरण सीमा को बढ़ा है। सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। अंत में वक्ताओं ने महामहिम राजपाल के नाम संबोधित 13 सूत्री मांग पत्र उप जिलाधिकारी के माध्यम से नायब तहसीलदार लालगंज हरिशंकर दुबे को सौपा संबोधित किया।

हाईकोर्ट ने कहा: प्यार में बना संबंध रेप नहीं

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रेम प्रसंग के दौरान शारीरिक संबंध बनाने को लेकर अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा है कि यह दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं आ सकता। हाईकोर्ट ने एक संतकबीर नगर की युवती की शिकायत पर यह फैसला सुनाया।

युवती का आरोप था कि उसके प्रेमी ने शादी का झांसा देकर पहले रेप किया और बाद में शादी से इंकार कर दिया। साथ ही कोर्ट ने निचली अदालत में चल रही आपराधिक कार्रवाई को रद्द कर दिया है। साथ ही संतकबीर नगर के जियाउल्ला की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। बुधवार को जस्टिस अनोश कुमार

शुद्धि से मना करने पर प्रेमिका ने दर्ज कराया था केस, हाईकोर्ट ने रद्द की चार्जशीट

गुणा की सिंगल बेंच ने इस केस की सुनवाई करते कहा कि लंबे समय तक चले प्रेम प्रसंग के दौरान बने शारीरिक संबंध को दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने कहा- भले ही किसी भी कारण व शादी से इनकार किया गया है।

संत कबीर नगर के महिला थाने में एक युवती ने प्रेमी के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। प्रेमिका ने बयान दर्ज कराते समय कहा था कि 2008 में बहन की शादी के दौरान गोरखपुर में प्रेमी से मुलाकात हुई थी। परिजनों की

सहमति से प्रेमी गोरखपुर मिलने उसके घर आने लगा। इस दौरान साल 2013 में शारीरिक संबंध बनना शुरू हो गया।

प्रेमिका का आरोप है कि उसके परिजनों ने प्रेमी को व्यापार करने के लिए सऊदी अरब भी भेजा। जहां से वापस लौटने के बाद उसने शादी का प्रस्ताव तुकरा दिया। जबकि याची के वकील का कहना था कि शारीरिक संबंध बनाने समय पीड़िता बालिंग थी और उसने शादी से संबंध बनाए। इसलिए प्रेमी से इंकार करने के कारण झूठ मुकदमा दर्ज कराया है। कोर्ट ने याची की दलीलों और पीड़िता के बयानों के आधार पर दोनों पक्षों को सुनने के बाद याची जियाउल्ला के खिलाफ दाखिल पुलिस की चार्जशीट को रद्द कर दिया।

वर्मी कल्चर एवं वर्मी कंपोस्टिंग का बायो वेस्ट शॉर्ट टर्म कोर्स की शुरुवात

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। सी.एम.पी. कॉलेज प्रयागराज की जंतु विज्ञान विभाग में दिनांक 20 सितंबर 2023 को वर्मी कल्चर एवं वर्मी-कंपोस्टिंग ऑफ बायोवेस्ट नामक तीन माह के शॉर्ट टर्म कोर्स का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में सभी का स्वागत डॉक्टर विनीता जयसवाल संयोजिका जंतु विज्ञान विभाग ने किया। शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. विजय किशोर सिंह, ट्रेनिंग ऑफिसर, हार्डिकल्चर ट्रेनिंग एंड एक्सपेरिमेंट सेंटर, खुसरोबाग प्रयागराज थे। डॉ सिंह ने अपने वक्तव्य में केंचुआ खाद की उपयोगिता को बताते हुए कहा कि यह जैविक खाद पोषक तत्वों के



साथ-साथ, विटामिन एवं वृद्धि हार्मोन से भरपूर होती है। इसका प्रयोग बागवानी फसलों के साथ-साथ सब में किया जा सकता है। केंचुआ खाद के साथ-साथ केंचुए एवं वर्मीवॉश को भी बाजार में आसानी से विक्रय किया जा सकता है। डॉक्टर सिंह ने इसके साथ-साथ हार्डिकल्चर ट्रेनिंग एवं एक्सपेरिमेंट सेंटर, खुसरोबाग

प्रयागराज में होने वाले प्रशिक्षण एवं योजनाओं की भी पूरी जानकारी दी। इस कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर हेमलता पंत तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर ज्योति वर्मा क्रमशः कोर्स कोर्काडिनेटर एवं कार्डिनेटर ने किया। इस कार्यक्रम में जंतु विभाग विज्ञान विभाग के सभी प्राध्यापकगण एवं 40 प्रतिभागी शामिल थे।

बौद्ध अहीर नाटक के मंचन ने हटाई इतिहास के पन्नों की धूल

आजमगढ़। आजमगढ़ में 18 से 24

सितंबर तक चलने वाल आजमगढ़ महोत्सव की दूसरी निशा का बौद्ध अहीर नाटक के नाम रही। जिसमें सूत्रधार संस्थान के कलाकारों ने अभिषेक पंडित के निर्देशन में स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले बलिदानियों को नमन किया। भारत की आजादी की लड़ाई में बहुत से नायक हुए हैं। जिनके अमूल्य साहस और अमिट बलिदान के बूते ही हम आज आजाद हैं, लेकिन इन महान विभूतियों के साथ देश के लगभग हर जिले-शहर में बहुत से ऐसे वीर भी शहीद हुए हैं जिनकी चर्चा इतिहास के पन्नों में धूल-धूसरित पड़ी है। ऐसा ही एक नाम आजमगढ़ के 17वीं वारिन्ही के सूबेदार रामदीन के बेटे 'बौद्ध अहीर' का है।

कंपोजिट विद्यालय अहन में निरीक्षण के दौरान एमडीएम में मिली अनियमितता

एसडीएम ने जताई नाराजगी

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। एसडीएम केराकत नेहा मिश्रा ने मुफ्तीगंज विकासखण्ड क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय अहन का बुधवार को अचानक पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान छत्र-छात्राओं से जानकारी लेने पर एमडीएम परसेने में अनियमितता पाई गई जिस पर एसडीएम ने कड़ी नाराजगी जताई। एसडीएम केराकत नेहा मिश्रा बुधवार को मुफ्तीगंज विकासखण्ड क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय अहन का निरीक्षण करने पहुंच गयी। निरीक्षण के दौरान वह कक्षा 3 की छात्रा प्रीती तथा दो और छात्रों से जब एमडीएम भोजन मिलने के बारे में पूछी तो उन लोगों ने बताया



कि उसे आज भोजन नहीं दिया गया है। जिस पर एसडीएम नेहा मिश्रा ने प्रधानाध्यापक राजेन्द्र प्रसाद से कारण पूछ तो उन्होंने बताया कि यह बच्चे आज अपना बर्तन साथ लेकर नहीं आए हैं। जिस पर एसडीएम ने कड़ी नाराजगी जताई। तथा हिदायत दिया कि पुनः कभी फिर ऐसी स्थिति मिली तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी। बच्चों से सवादा करने के साथ उनसे कई

विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

बैठक में जनपद में विद्युत चोरी रोकने कनेक्शन की प्रगति को बढ़ाने ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि करने, तथा सौभाग्य योजना पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने समस्त विद्युत वितरण खंड के एक्सईएन से पोल इरेक्शन की कार्यवाही, विद्युत विभाग के तहत चल रही परियोजनाओं की डेडलाइन लिथि, 33केवी लाइनों का निर्माण, विद्युत वितरण, ट्रांसफॉर्मर एवं तार बदलने, 11केवी परिवर्तकों की



क्षमता वृद्धि करने सहित विद्युत संबंधी अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की। इसके पश्चात उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्युत की अधिकतम मांग के अनुसार खुद को लैस करे। वकंशप की पेंडेसी को भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि उपभोक्ताओं की शिकायतों को

गंभीरता से ले। विद्युत चोरी को लेकर एक अभियान चलाए तथा आरसी वसूली की प्रगति को भी तेज करे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, अधीक्षक अभियंता विद्युत सहित विद्युत विभाग से जुड़े एक्सईएन, आई जेई सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सांक्षिप्त समाचार

प्रीय एमएड प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित
जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध प्रवेश परीक्षा 2023 का परिणाम घोषित कर दिया गया है। परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह के अनुसार विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर परीक्षा परिणाम अपलोड है। परीक्षार्थी अपने अनुक्रमांक और जन्मतिथि की प्रविष्टि कर परिणाम देख सकते हैं। एम एड प्रवेश परीक्षा 5 सितंबर 2023 को विश्वविद्यालय परिसर में हुई थी। उत्तर कुंजी के संबंध में प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण करते हुए परीक्षा परिणाम की घोषणा की गई।

विद्यार्थक द्वारा बिजली की समस्या को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया गया



जौनपुर (खुटहन) लम्बे समय से बिजली की समस्या से क्षेत्र के लोग जुड़ रहे हैं आलम यह है तपती उमस भरी गर्मी से बच्चे बूढ़े जहाँ परेशान रहते हैं वही उचाई वाले इलाकों में धान की सिंचाई करने में किसानों की कमर ही टूट गई किसानों की समस्या को अवधनामा में खबर प्रमुखता के साथ छपी थी चलो देर से ही सही पर सरकार व जिम्मेदार लोगों के कानों तक बात पहुंची तो सही जिसको लेकर क्षेत्र के विधायक रमेश सिंह द्वारा बुधवार को अपने आवास पर बिजली विभाग के मुख्य अभियंता वाराणसी अधिशाषी अभियंता शहगंज के साथ बैठक कर क्षेत्र में हो रही बिजली की समस्याओं से अवगत कराया गया व निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

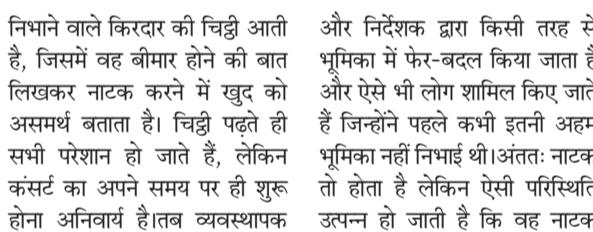
मुकेश बने युवा व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष
प्रयागराज। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की एक आवश्यक बैठक चौक कार्यालय पर संपन्न हुई। जिसमें अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष लाल मित्तल ने युवा व्यापारी मुकेश अग्रवाल को प्रभारी विपिन गुप्ता की सहमति पर युवा मंडल का जिला अध्यक्ष घोषित किया। मुकेश एक प्रतिष्ठित व्यापारी हैं जिनका चरमा का व्यापार है और सामाजिक रूप से भी बहुत सक्रिय हैं। वह अग्रवाल समाज के पूर्व मंत्री रह चुके हैं और व्यापारियों के बीच में लोकप्रिय हैं। लालू मित्तल ने कहा कि मुकेश के व्यापार मंडल से जुड़ने पर व्यापार मंडल को एक नई ऊर्जा मिलेगी। संगठन का विस्तार होगा और व्यापारियों की समस्याओं का निराकरण होगा। नगर के सबसे बड़े व्यापारिक क्षेत्र चौक के व्यापारियों को संगठन से जोड़ा जाएगा?। हिंदी विभाग के डा. महेश प्रसाद राय के द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया और कार्यक्रम का सफल संचालन हिंदी विभाग की डा. गायत्री सिंह द्वारा किया गया। आज के कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण और छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

नाटक में दिखी बैकस्टेज की दुशवारियां

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। हिंदी विभाग एवं भाषा केंद्र के तत्वावधान में ईश्वर शरण पी जी कॉलेज के मदन मोहन मालवीय सभागार में उपेन्द्रनाथ अशक द्वारा लिखित हिंदी नाटक पर्व उठओ पर्व गिराओ का मंचन बुधवार को नाट्य संस्था बुनियाद फाउंडेशन द्वारा किया गया जिसका निर्देशन युवा रंगनिर्देशक असगर अली ने तथा सहयोगी निर्देशक रही रुचि गुप्ता। नाटक में नाट्य संस्थाओं के सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं को अपनी अपूर्व हास्य व्यंग्य भरी शैली में चित्रित किया गया जिसमें दिखाया गया कि शाम को कन्सर्ट होने के कुछ ही घंटे पहले कतब के व्यवस्थापक के पास नाटक में अहम भूमिका

सभी दर्शकों के लिए हँसी की वजह बन जाता है। मंच पर प्रियंशु अमन, वैभव त्रिपाठी, अमरनाथ, कोमल, ममता, अनामिका, संतराम, अमरजौत, शिजय शुक्ला, संदीप कुमार, अनिल, राज सशक्त अभिनय किया। कार्यक्रम में उपस्थित कॉलेज के प्राचार्य प्रो आनंदशंकर सिंह ने नाट्य कर्मियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने रंगकर्मियों को टेक्नोलॉजी युग में रंगकर्म को बचाए रखने की जज्ञेहद के लिए साधुवाद दिया। हिंदी विभाग के डा. महेश प्रसाद राय के द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया और कार्यक्रम का सफल संचालन हिंदी विभाग की डा. गायत्री सिंह द्वारा किया गया। आज के कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण और छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।



गो-तस्कर तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार

जौनपुर (खुटहन)। पुलिस ने कुख्यात गो-तस्कर को तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर एक बाइक भी बरामद किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र सिंह व एसआइ राजित राम यादव पुलिस टीम के साथ मंगलवार की शाम गश्त पर निकले थे। मरहट पुलिया पर सामने से बाइक से आ रहे खेतासराय थाना क्षेत्र के मानौकला गांव निवासी शहाबुद्दीन को रुकने का इशारा किया। वह पुलिस टीम देख पीछे की तरफ भागने लगा। घेराबंदी कर पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। तलाशी में उसके पास से 315 बोर का तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। आर्मस् एन्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपित का चालान कर दिया।

दशलक्षण पर्व के दूसरे दिन श्रद्धालुओं ने की मार्दव धर्म की पूजा

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। नगर के ज्योरो रोड स्थित जैन मंदिर में दशलक्षण पर्व का दूसरा दिन को मार्दव धर्म के रूप में मनाया गया। इस पावन अवसर पर मुनि पावन सागर महाराज एवं मुनि श्री सुभद्र सागर के सानिध्य में एवं पंडित सुनील जैन के निर्देशन में धर्म आराधना व मंत्रोच्चार के साथ केसरिया वस्त्रों में संगीतमय धुनों पर भगवान का अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन किया गया। पर्व के दूसरे दिन बेनीगंज जैन मंदिर में भगवान की शांतिधारा संतोष जैन ने की। सामूहिक अभिषेक अभिलाषा, महेश, नरेश, राजीव, ब्रजेश, अनूप जैन, राजेश जैन एवं



ओम जैन ने किया। भगवान के पूजन अर्चना में अरुणा जैन, अर्चना जैन, कमला जैन, नीलम जैन, अन्जू जैन सम्मिलित रही। उत्तम मार्दव धर्म पर प्रकाश डालते

आप को सर्वोच्च मानता है। यह सब चीजें नाशवंत है यह सब चीजें एक दिन आप को छोड़ देंगी या फिर आपको एक दिन जबरन इन चीजों को छोड़ना ही पड़ेगा ॥ नाशवंत चीजों के पिछे भागने से बेहतर है कि अभिमान और परिग्रह सब बुरे कामों में बढोती करते है जिनको छोड़ा जाये और सब से विनम्र भाव से पेश आए सब जिनो को जीवन जीने का अधिकार है।

इस अवसर पर सायंकालीन भगवान की आरती एवं बच्चों की फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया गया। गुरुवार को उत्तम आर्जव धर्म की पूजा की जायेगी।

निकाली गई जागरूकता रैली



अवधनामा संवाददाता

मुबारकपुर, आजमगढ़। नगर पालिका परिषद मुबारकपुर, में स्वच्छ भारत मिशन व शासन के निर्देशानुसार मेरी माटी मेरा देश व स्वच्छता पखवाड़ के अन्तर्गत स्वच्छता ही सेवा एवं इण्डियन स्वच्छता लीग 2.0 अभियान के तहत वाद नॉ-0-14 से अवर अभियान महावीर भारती व श्री राजन चौधरी सफाई लिपिक की देख-रेख में रैली निकाली गयी और मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत वाद मुट्टी मिट्टी और एक चुटकी चावल वाद के प्रत्येक

मकान से एकत्रित किया गया एवं विशेष सफाई अभियान चलाया गया जिसमें नगर पालिका कर्मियों व जनसहभागिता की भागीदारी में रैली में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया गया और जनसम्पर्क कर लोगों को स्वच्छता के बारे में जागरूक किया गया व इस अभियान में जुड़ने के लिए आम जनमानस से अपील की गयी। इसी कड़ी में जूनियर हाई स्कूल अमित में नगर पालिका परिषद के जेई महावीर भारती तथा लिपिक राजन चौधरी ने अस्थापकों के साथ बच्चों को स्वच्छता के बारे में जागरूक किया जय महावीर भारती ने बच्चों की जागरूक करते हुए कहा कि सफाई मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक है और योजना खान के साथ साथ बच्चों को सफाई के बारे में बताया।

एनबीएफजीआर और सीएमपी कॉलेज के बीच शैक्षिक और अनुसंधान सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। प्राणीशास्त्र, मछली आनुवंशिकी और जलीय जीवविज्ञान के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति में, चौधरी महादेव प्रसाद डिग्री कॉलेज, प्रयागराज में प्राणीशास्त्र विभाग और राष्ट्रीय मछली आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ ने एक समझौता किया है। समझौता ज्ञापन (एमओयू)। 15 सितंबर, 2023 को हस्ताक्षरित इस ऐतिहासिक समझौते को प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच अकादमिक आदान-प्रदान, अनुसंधान तालमेल, ज्ञान प्रसार, संसाधन साझाकरण, छात्र विकास, संयुक्त प्रकाशन के लिए एक सहकारी ढांचा स्थापित करता है, जो इन महत्वपूर्ण विषयों में प्रगति और नवाचार को चलाने के लिए उनकी सामूहिक विशेषज्ञता का उपयोग करता है। यह उन्नत अनुसंधान, ज्ञान



कॉलेज प्रयागराज। समझौता ज्ञापन, दो प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच अकादमिक आदान-प्रदान, अनुसंधान तालमेल, ज्ञान प्रसार, संसाधन साझाकरण, छात्र विकास, संयुक्त प्रकाशन के लिए एक सहकारी ढांचा स्थापित करता है, जो इन महत्वपूर्ण विषयों में प्रगति और नवाचार को चलाने के लिए उनकी सामूहिक विशेषज्ञता का उपयोग करता है। यह उन्नत अनुसंधान, ज्ञान

हस्तांतरण, छात्र सशक्तिकरण और नेटवर्किंग, मछली आनुवंशिकी, जलीय जीव विज्ञान और संबंधित विषयों के क्षेत्र में अनुसंधान और शिक्षा को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह समझौता ज्ञापन शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान नवाचार और जलीय जीव विज्ञान के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ज्ञान की उन्नति को बढ़ावा देने के लिए दोनों संस्थानों के समर्पण का प्रतीक है।

लखनऊ

युवा मतदाताओं के नाम सूची में दर्ज कराने के लिये लगायें कैम्प

16 जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ आगामी लोकसभा निर्वाचन की तैयारियों के परिप्रेक्ष्य में की गयी चर्चा

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। आगामी लोक सभा सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग के अधिकारियों द्वारा उत्तर प्रदेश के जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ मतदाता सूची के पुनरीक्षण संबंधी कार्यों की समीक्षा बैठक की जा रही है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जनपद कानपुर नगर, वाराणसी, गोरखपुर, आगरा एवं मेरठ में 75 जनपदों के जिलाधिकारियों/ जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करने के क्रम में बुधवार 20 सितम्बर, 2023 को जनपद गोरखपुर में तीसरी बैठक 16 जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ की गयी। भारत निर्वाचन आयोग की टीम ने वरिष्ठ उप निर्वाचन अधिकारी धर्मेश शर्मा एवं नितेश व्यास की अध्यक्षता में गोरखपुर के आयुक्त सभागार में 16 जनपदों तथा गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, संत



युवा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने हेतु शैक्षणिक संस्थाओं में विशेष कैम्प आयोजित किये जाए: भारत निर्वाचन आयोग

कबीरनगर, बस्ती, अम्बेडकर नगर, गोण्डा, बलरामपुर, सुलतानापुर, अयोध्या, बाराबंकी, बहराईच, श्रावस्ती तथा कौशांबी के जिलाधिकारियों/ जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी लोक सभा निर्वाचन की तैयारियों के परिप्रेक्ष्य में मतदाता सूची की तैयारियों के संबंध में चर्चा की। बैठक में जिलाधिकारियों/ जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदाता सूची को शुद्ध बनाने हेतु अर्ह

मेडिकल कालेजों, आईटीआई, पालीटेक्निक आदि शैक्षणिक संस्थाओं में विशेष कैम्प आयोजित करने के निर्देश दिये गये। बैठक में जिलाधिकारियों/ जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिये कि विगत लोकसभा व विधानसभा सामान्य निर्वाचन में कम मतदान प्रतिशत वाले बूथों को चिन्हित कर वहां मतदान प्रतिशत बढ़ाये जाने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराये जायें।

मेडिकल कालेजों, आईटीआई, पालीटेक्निक आदि शैक्षणिक संस्थाओं में विशेष कैम्प आयोजित करने के निर्देश दिये गये। बैठक में जिलाधिकारियों/ जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिये कि विगत लोकसभा व विधानसभा सामान्य निर्वाचन में कम मतदान प्रतिशत वाले बूथों को चिन्हित कर वहां मतदान प्रतिशत बढ़ाये जाने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराये जायें।

आवटियों को प्राधिकरण व निबंधन कार्यालय के लगाने पड़ेंगे चक्कर

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण की विभिन्न आवासीय एवं व्यवसायिक सम्पत्तियों की रजिस्ट्री के लिए आवटियों को प्राधिकरण व निबंधन कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। प्राधिकरण उपाध्यक्ष डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने प्राधिकरण व निबंधन विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों के सहयोग से आवटित सम्पत्तियों के निबंधन की कार्रवाई सुनिश्चित कराने की व्यवस्था की है। गुरुवार 21 सितम्बर से प्राधिकरण के नवीन भवन के भूतल स्थित कक्ष संख्या 8 में सुबह 10 बजे से निबंधन कैम्प स्थापित किया जा रहा है। कैम्प में प्राधिकरण व निबंधन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी जरूरी सुविधाओं के साथ उपस्थित होंगे। इसी सिलसिले में 26, 27 और 28 सितम्बर को विशेष निबंधन शिविर भी संचालित किया जाएगा। उपाध्यक्ष ने बताया कि शिविर में अधिक से अधिक सम्पत्तियों की रजिस्ट्री कराई जाएगी।

संजय गांधी अस्पताल का पंजीकरण रद्द किये जाने के आदेश को निरस्त करने की मांग

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर अमेटी के मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल का पंजीकरण रद्द किये जाने के आदेश को तत्काल निरस्त करने की मांग की है। पार्टी प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिख कर स्थानीय नागरिकों की असुविधाओं की तरफ ध्यान आकर्षित कराया है। अस्पताल दशकों से स्थानीय और आस-पास जनपदों के नागरिकों को न्यूनतम शुल्क पर बिना लाभ के स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करता रहा है, जिससे लाखों लोग स्वास्थ्य लाभ पाते हैं। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने अपने पत्र में लिखा कि अस्पताल में बाह्य रोगी विभाग, ओपीडी, अंतरिक रोगी विभाग, शल्य चिकित्सा के लिए आने वाले लाखों नागरिकों को अत्यंत



पत्र में स्थानीय नागरिकों की असुविधाओं की तरफ ध्यान आकर्षित कराया

निम्न व्यय पर चिकित्सीय सेवाएं उपलब्ध करायी गयी हैं। इस अस्पताल की ओर से ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों के लिए कार्डियोलॉजी, नेफोलॉजी, गैस्ट्रो, डर्माटोलॉजी, श्वास और फेफड़ों से संबंधित रोगों सहित सामान्य शल्य, नेत्र, नाक, कान-मुंह, दांत, महिला व शिशु रोगों के आमंत्रित व पूर्णकालीन चिकित्सकों के जरिए सेवा उपलब्ध करायी जाती है। महत्वपूर्ण स्वास्थ्य

सेवाओं के तत्काल उपलब्ध होने की वजह से सामान्य स्थिति में क्षेत्रीय नागरिकों को बड़े शहरों में नहीं जाना पड़ता। अजय राय ने कहा कि अस्पताल इतनी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं आम नागरिकों को न्यूनतम व्यय और कतिपय मामलों में निशुल्क प्रदान कर रहा था। तब प्रदेश शासन से मात्र एक मामले का संज्ञान लेते हुए अस्पताल का पंजीकरण निरस्त करने की घोषणा की बिल्कुल अपेक्षा नहीं की जा सकती। उन्होंने पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री से अस्पताल के पंजीकरण के निरस्तकरण के आदेश तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनहित को ध्यान में रख मुख्यमंत्री सरकारात्मक निर्देशों से संजय गांधी अस्पताल मुंशीगंज का संचालन सुनिश्चित करेंगे, जिससे अमेटी की ग्रामीण जनता के साथ अस्पताल के कर्मचारियों और चिकित्सकों के साथ अन्याय न होने पाए।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना:

6000 को मिला रोजगार अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 714 इकाईयों को 1915 लाख रुपये की मार्जिन मनी वितरित की गई है। इस योजना के तहत लगभग 6000 लोगों को रोजगार मिला है। प्रदेश में शिक्षित युवा बेरोजगारों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना संचालित है। इस योजना के तहत उद्यम स्थापना हेतु 25 लाख रुपये तथा सेवा क्षेत्र हेतु 10 लाख रुपये तक का ऋण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। राज्य सरकार द्वारा 25 प्रतिशत मार्जिन मनी उपलब्ध कराये जाने का भी प्राविधान किया गया है, जो कि उद्योग क्षेत्र हेतु अधिकतम 6.25 लाख रुपये तथा सेवा क्षेत्र हेतु 2.50 लाख रुपये है।

सालाना शब्देदारी का अलविदाई अलम की जियारत के बाद समापन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। कहते हैं सब अहले अजा या हुसैन मौसम-ए-गाम खत्म हुआ या हुसैन की सदाओं के बीच अंजुमन गुंजाए मजलूमिया की इमामबाड़ा अबुतालिब हसन पुरिया में चल रही सालाना शब्देदारी का अलविदाई अलम की जियारत के बाद समापन हो गया। अलविदायी मजलिस को मौलाना बाकिर अली जैदी ने खिताब किया। मजलिस का आगाज करी हबीब आलम ने संचालन इमरान अख्तर और अजहर हुसैन ने किया। मजलिस के बाद शबोहों की जियारत करायी गयी, जिसमें हजरत अब्बास (अ.स.) के अलम, ताबूत, हजरत अली असगर (अ.स.) का शूला, इमाम हुसैन (अ.स.) की सवारी का प्रतीक जुलजनाह था, जिसे देखकर अजानारों की सिसकियां बंध गयी। इस दौरान छोटे-छोटे बच्चे या हुसैन लिखे काले झंडे व अलम लिए नजर आये। ताबूत और अलम का अजादार बोसा ले रहा था। साथ ही साथ फूलों के हार भी चढाये जा रहे थे। इस



अंजुमनों की शब्देदारियां जारी

अंजुमन इमामबाड़ा इरशाद नवाब शाही खैरातखाने में अंजुमन तस्वीरुल अजा की चल रही शब्देदारी की मजलिस को मौलाना हसन जहीर ने खिताब किया। इमामबाड़ा सिकन्दर आगा कश्मीरी मोहल्ला में काशिफ हैदर एडवोकेट द्वारा आयोजित को मौलाना अबुतालिब मेहदी ने खिताब किया। इमामबाड़ा कसरे हसनैन काजमेन रोड में मौलाना सदाफ जौनपुरी ने मजलिस को खिताब किया। शहादान-ए-कर्बला रोजा-ए-बैतुल हुज्ज रुस्तम नगर में चले रही सालाना शब्देदारी का अलविदाई अलम निकलने के बाद समापन हो गया। मजलिस के बाद अलविदायी अलम को दरगाह हजरत अब्बास (अ.स.) ले जाया गया। इमामबाड़ा अली रजा कटरा खुदा यार खान में अंजुमन रजाए हुसैन की शब्देदारी की मजलिस को मौलाना मोहम्मद अस्कररी ने खिताब किया। मजलिस के बाद अंजुमनों ने नौहाखानी की। अख्यामे अजा की आखिरी रातें शीर्षक से रोजाए काजमेन में मौलाना शौजफ काजिम जरवली ने मजलिस को खिताब

मौके पर तबर्क भी बांटा गया। शब्देदारी में अंजुमनों ने गुंजाए मजलूमिया के शापर एजाज जैदी द्वारा दी गयी तर्हा की पंक्ति मातमे शब्बीर का सूरज कभी डूबा नहीं पर अपने सलाम पेश किये, जिसे सुनकर

अजादारों ने खूब दाद दी। अंजुमनों से नौहों को सुनकर अजादारों ने खूब गिरया किया। अलविदायी मजलिस के बाद अंजुमन इमामिया मुम्बई, काजमिया आबिदया, गुलामाने हुसैन,मकसदे

हुसैनी,सद्र मातम शाईन शुजा,कायम आले इबा,फातेह फुरात,गुलजारे पंजतन,रौनके दीने इस्लाम आदि ने नौहें व सलाम पड़े। इस मौके पर इमामबाड़े में भव्य सजावात की गयी थी।

सीएम योगी से मिले बीजेपी लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी



अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। नव नियुक्त बीजेपी लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने अध्यक्ष बनने के बाद आज पहली बार सीएम योगी आदित्यनाथ से पांच कालिदास मार्ग पर अपराह्न मुलाकात की। आनन्द द्विवेदी ने सीएम योगी आदित्यनाथ को अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ भेंट कर लिया आशीर्वाद। महानगर मीडिया प्रभारी प्रवीण गंग साथ में मौजूद रहे। शाम को महानगर

अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और महापौर सुसमा खर्कवाल ने आयुष्मान भवः पखवाड़ा के अंतर्गत चलाए जाने वाले विभिन्न अभियानों और 23 सितंबर को लखनऊ के वेलनेस सेंटर और 24 को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर मेले का आयोजन किया जाने के संबंध में कल्याण मंडप महानगर में पाण्डों, मंडल अध्यक्षों, अभियान संयोजकों, प्रदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।

एलडीए ने अवेध प्लार्टिंग को किया ध्वस्त

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-2 की टीम ने किसान पथ के किनारे की जा रही अवेध प्लार्टिंग ध्वस्त कराई। प्रवर्तन जोन-2 की जोनल अधिकारी प्रिया सिंह ने बताया कि विनय पाण्डेय, भोला नाथ मिश्रा, के.के. द्विवेदी व अन्य की ओर से मोहनलालगंज के किसान पथ के किनारे पूरनपुर गांव में प्लार्टिंग करते हुए कॉलोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण से तलपट मार्निचर स्वीकृत कराए बिना अवेध प्लार्टिंग के खिलाफ विहित न्यायालय ने वाद योजित करते हुए ध्वस्तीकरण के आदेश दिये थे। विहित न्यायालय के आदेश पर सहायक अभियंता वाई.पी. सिंह के नेतृत्व में अवर अभियंता नागेन्द्र मिश्रा व उस्मान अली ने प्राधिकरण व स्थानीय थाने की पुलिस की मदद से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करायी। इस दौरान विकसित सड़कें, नालियां, बाउण्ड्रीवाल और खम्भे आदि पूरी तरह ध्वस्त किये गये।

आदित्य कुमार के मार्गदर्शन में मनाया गया स्वच्छ रेलगाड़ी दिवस



अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। 16 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के मण्डल रेल प्रबंधक आदित्य कुमार के मार्गदर्शन में स्वच्छ रेलगाड़ी दिवस मनाया गया। जिसमें मण्डल पर संचलन के दौरान सभी ट्रेनों, ओबीएचएस ट्रेनों में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुष्पक एक्सप्रेस, पाटलीपुत्र सुपरफास्ट, कुषक एक्सप्रेस, नकहा जंगल इंटरसिटी, गोरखधाम सुपरफास्ट, गोरखपुर एक्सप्रेस, गोरखपुर इंटरसिटी, गोरखपुर

स्वच्छता एवं विशेष सफाई अभियान चलाया गया

लखनऊ। स्वच्छ रेलगाड़ी के अंतर्गत मंडल के प्रमुख स्टेशनों लखनऊ एवं वाराणसी सहित सम्पूर्ण मंडल से यात्रा प्रारंभ करने वाली तथा आवागमन करने वाली ट्रेनों धनबाद फिरोजपुर किसान एक्सप्रेस, जम्मूतवी कोलकाता सियालदह एक्सप्रेस, अमृतसर हावड़ा पंजाब मेल, योगानंदी ऋषिकेश हावड़ा दून एक्सप्रेस, राजगीर नई दिल्ली श्रमजीवी एक्सप्रेस, और हावड़ा अमृतसर पंजाब मेल में स्वच्छता एवं विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

रासीगंगा, कुशीनगर सुपरफास्ट, लखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस, मऊ सुपरफास्ट और आनन्दविहार टर्मिनल हमसफर एक्सप्रेस के वातानुकूलित, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी के कोचों की सफाई, शौचालयों में डस्टबिन की उपलब्धता, बेड रोल की गुणवत्ता आदि की रेलवे अधिकारियों व सुपरवाइजरों ने सघन जांच की। जांच के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि यात्री डिब्बों में कार्बोच, चूहों व अन्य कीटों के पाये जाने की संभावना न हो। इस दौरान चलती ट्रेनों एवं स्टेशनों पर रेलयात्रियों से फीडबैक फॉर्म पर रेलयात्रियों व सुझाव प्राप्त कर उन पर

तत्काल कार्रवाई करते हुए शिकायतों का निराकरण किया गया। यात्रियों को बायो.टॉयलेट के समुचित उपयोग को लेकर भी जागरूक किया गया।



हिन्दी क्रिज प्रतियोगिता आयोजित

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल में 14 से 28 सितम्बर तक मनाये जाने वाले हिन्दी पखवाड़ा के तहत पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल कार्यालय में हिन्दी क्रिज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ईडीपीएम दीपक कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रतियोगिता में सभी कर्मचारियों ने बड़ चढ़कर हिस्सा लिया। टिकट जांच अभियान में वसूले 35450 रुपये लखनऊ (सं)। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल के मण्डल रेल प्रबंधक आदित्य कुमार के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक आशुतोष गुप्ता के दिशा निर्देश पर मण्डल वाणिज्य प्रबंधक अनुज कुमार सिंह के नेतृत्व में लखनऊ मण्डल के विभिन्न स्टेशनों पर मजिस्ट्रेट टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इन टिकट जांच अभियानों में कुल 75 लोग बिना टिकट पकड़े गये। जिनसे 35450 रुपये राजस्व की प्राप्ति हुई। टिकट चेकिंग अभियान के दौरान यात्रियों से संवाद करते हुए उन्हें उचित यात्रा टिकट एवं प्लेटफॉर्म टिकट के साथ रेलवे स्टेशन पर आमामन के लिए जागरूक किया गया। इस टिकट जांच अभियान में सीटीडीआई मुख्य एसपी. सिंह, सीटीडीआई एएसएस.दीक्षित और अन्य चेकिंग स्टाफ के साथ जीआरपी व आरपीएफ मौजूद रही।

मशहूर महिला और सफल हस्तियों ने संसद का दौरा किया

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत कोटा प्रदान करने वाला महिला आरक्षण विधेयक आज संसद के चल रहे विशेष सत्र में लोकसभा में पेश किया गया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, जैसा कि इस विधेयक को आधिकारिक तौर पर कहा जाता है, की शुरुआत के अवसर पर विशेष आमंत्रित लोगों में कुछ सफल महिलाएं भी शामिल थीं। अभिनेत्री कंगना तनौत ने कहा, यह देश और देश की महिलाओं के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने महिलाओं के लिए एंर गारते खेलने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा, हम महिलाओं को सेना और वायु सेना जैसी अधिक सक्रिय भूमिकाओं में भी देखते हैं। दरअसल मेरी आने वाली फिल्म तेजस में भी मैं एक एयरफोर्स पायलट का किर्दार निभा रहा हूँ। इसलिए मुझे लगता है कि यह एक नया युग है जिसमें हम प्रवेश कर रहे हैं। संसद में मौजूद अभिनेत्री



इंशा गुप्ता ने कहा, यह एक बहुत ही प्रगतिशील विचार है। यह आरक्षण विधेयक महिलाओं को समान अधिकार देगा और यह हमारे देश के लिए एक बड़ा कदम है। पीएम मोदी ने इसका वादा किया और इसे पूरा किया। फैशन डिजाइनर रीना दाका ने कहा, यह देश की महिलाओं के लिए एक बड़ी जीत है। महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत ही मामूली था, हालांकि वे हमारे देश और समाज का एक समान हिस्सा थीं। उन्होंने विधेयक को पेश करने के लिए संसद में

महिला उपलब्धियों को आमंत्रित करने के लिए केंद्रीय विद्येय और युवा मामलों और सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर को धन्यवाद दिया। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, आज एक क्रांतिकारी कदम उठाया गया है। प्रधामंत्री मोदी यह विधेयक लेकर आए हैं और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यह संसद में पारित हो। यह अमृत काल के दौरान महिला सशक्तिकरण की दिशा में सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों का विस्तार है।

महिलाओं ने क्या कहा

पूरे भारतवर्ष के लिए ऐतिहासिक दिन ये अमृतकाल का प्रतीक है। देश बहुत ही कामयाब हाथों में है। ये बहुत बड़ा सुधार है। महिलाओं की रक्षा करना सरकार का काम नारी को शक्ति का स्वरूप माना जाता है - कंगना रनौत, अभिनेत्री बहुत ही विशेष दिन था नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व दिखेगा यह बिल काफ़ी महत्वपूर्ण है -रीना दाका, फैशन डिजाइनर बहुत खुशी की बात है पीएम मोदी के प्रति जताया आभार बिल पेश करते समय संसद में हम गवाह बनें -गीतिका जाखड़, पहलवान मुझे भारतीय होने पर गर्व है यह बिल पास होना चाहिए

इससे महिलाओं को ताकत मिलेगी भारत में विविधता है -सुलक्षणा बरुआ, अभिनेत्री मोदी सरकार ने बहुत सारी योजनाएं शुरु की हिंदुस्तान पहले से सुरक्षित हो गया है समय आ गया है कि महिलाएं राजनीति में आए -ईशा गुप्ता, अभिनेत्री आज जो हुआ वो खुशी की बात है ज्यादा से ज्यादा महिलाएं अब राजनीति में आएंगी आने वाले समय में सभी पदों पर महिलाएं आएंगी -नेहा रावै, अर्जुन पुरस्कार विजेता महिलाओं के लिए बड़ा मौका है बहुत ज्यादा परिवर्तन आने वाला है -अल्का तोमर, अर्जुन पुरस्कार विजेता

फ़ातिमा ज़हरा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं



लखनऊ। मोहम्मद शौब सिददीकी एडवोकेट संस्थाक मोहम्मद फ़ातिमा लीगल एसोसिएट्स,वक्ता-सोशल मीडिया की नूर चरमो बेटी फ़ातिमा जहरा की 21 सितम्बर को यौम-ए-पैदाईश है। इस मौके पर वालदेन के अलना खानदान, दोस्तों और शहर की अजीम शिखरवतों ने फ़ातिमा जहरा को दिली मुबारकबाद पेश करते हुए उनकी अच्छी सेहत बेहतरनी तालीम व तर्बियत के साथ-साथ अपने वालदेन का नाम दुनिया में रौशन करने की दुआ की।

दो ट्रेनों में लगेगा अतिरिक्त स्लीपर कोच

लखनऊ, अवधनामा ब्यूरो। यात्रियों की अतिरिक्त थोड़ा को देखते हुए उनकी सुविधा के लिए रेल प्रशासन पचावत एक्सप्रेस व अयोध्या कैंट दिल्ली जंक्शन ट्रेनों में अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाने का निर्णय लिया है। उत्तर रेलवे की वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक रेखा शर्मा ने बताया कि डेनर नम्बर 14207 प्रतापगढ़ दिल्ली जंक्शन पचावत एक्सप्रेस में 22 सितम्बर को तथा वापसी में 14208 दिल्ली जंक्शन प्रतापगढ़ पचावत एक्सप्रेस में 25 सितम्बर को एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगायेगा। वहीं 14205 अयोध्या कैंट दिल्ली जंक्शन एक्सप्रेस में 24 सितम्बर को तथा वापसी में 14206 दिल्ली जंक्शन अयोध्या कैंट एक्सप्रेस में 23 सितम्बर को एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगायेगा।

बुकिंग के लिए मेमोरेन्डम ऑफ अन्डरस्टैंडिंग हस्ताक्षरित

लखनऊ, अवधनामा ब्यूरो। आईआरसीटीसी उत्तरी क्षेत्र लखनऊ तथा उत्तर प्रदेश राज्य संस्थान फॉरसिक्त विज्ञान लखनऊ के मध्य हवाई टिकट एवं पर्यटन सम्बन्धित सेवाओं की बुकिंग के लिए मेमोरेन्डम ऑफ अन्डरस्टैंडिंग हस्ताक्षरित करके आदान प्रदान हुआ। बैंक आईआरसीटीसी कार्यालय में की गई। इस बैंक में आईआरसीटीसी तथा यूपी एसआईएफएस लखनऊ के मध्य आईआरसीटीसी की इस सहभागिता के जरिये की हवाई टिकट एवं पर्यटन सम्बन्धित सेवाओं की बुकिंग आईआरसीटीसी प्रदान करेगी। यह एमओयू आईआरसीटीसी की तरफ से समूह महाप्रबंधक आईआरसीटीसी उत्तरी क्षेत्र अजीत कुमार सिन्हा तथा यूपी एसआईएफएस की तरफ से सहायक रजिस्ट्रार यूपी एसआईएफएस डॉ. गौरव कुमार राय की मौजूदगी में साइन किया गया। इस एमओयू के होने से दोनों विभागों के मध्य सहभागिता बढ़ेगी तथा भविष्य में दोनों विभागों को इसका लाभ प्राप्त होगा।